



# दैनिक जागरण

अर्जुन रामपाल ने  
की फोटोग्राफरों से  
मारपीट

&gt;&gt;7

## न्यूज गैलरी

**सिटी न्यूज** ▶ पृष्ठ 2

**बिहार के लोग दिल्ली के निवासी : नीतीश**

**नई दिल्ली** : नगर निगम चुनाव में जनता दल यूनाइटेड का प्रचार करते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार के लोगों को प्रवासी समझने की भूल नहीं करनी चाहिए। दिल्ली में बिहारी प्रवासी नहीं, अब निवासी बन गए हैं। बिहार के लोगों को बोझ समझना भूल है। जदयू ने करीब 100 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं।

**राज-नीति** ▶ पृष्ठ 3

**बुलेट ट्रेन परियोजना की बड़ी बाधा दूर**

**नई दिल्ली** : भारतीय रेल ने देश की पहली बुलेट ट्रेन दौड़ाने की परियोजना की एक बड़ी बाधा को पार कर लिया है। महाराष्ट्र सरकार इसके लिए बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में जमीन देने को राजी हो गई है। अब उम्मीद है कि मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड कॉरिडोर का निर्माण अगले साल 2018 में शुरू हो जाएगा। 2023 तक इसके पूरा हो जाने का अनुमान है।

**निर्माता भी चाहे तो नहीं कर सकता ईवीएम से छेड़छाड़**

**नई दिल्ली** : चुनावों के दौरान ईवीएम में गड़बड़ी किए जाने संबंधी विपक्षी पार्टियों की आशंकाओं पर केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने सफाई दी है। उसने कहा है कि वॉटिंग मशीनों से छेड़छाड़ करना संभव नहीं है। ये इतनी मजबूत है कि यदि उसका निर्माता भी चाहे तो इनमें कोई छेड़छाड़ नहीं कर सकता है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि मॉडल वन ईवीएम का उत्पादन 2006 में किया गया है।

**नेशनल न्यूज** ▶ पृष्ठ 6

**शहीद के परिजनों को एक करोड़ से कम न मिले मुआवजा**

**नई दिल्ली** : गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि सरकार की कोशिश है कि किसी भी शहीद के परिवार को कम से कम एक करोड़ रुपये मुआवजा मिले। वह एक सरकारी वेबसाइट के उद्घाटन के मौके पर बोल रहे थे। उनके साथ अभिनेता अक्षय कुमार भी थे। वेबसाइट के जरिये कोई भी आदमी शहीद के परिवार को अधिकतम 15 लाख रुपये तक की सहायता दे सकता है।

**अंतरराष्ट्रीय** ▶ पृष्ठ 11

**मिस्र के चर्चों पर आतंकी हमले, 45 मरे, 119 घायल**  
काइरो : मिस्र के दो शहरों में स्थित गिरजाघरों में हुए बम विस्फोटों में 45 लोग मारे गए और 119 घायल हुए हैं। ये हमले पाम सनदेड पर आयोजित प्रार्थना सभा के दौरान हुए। विस्फोटों की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली है। एलेक्जेंड्रिया के सेंट मार्क्स चर्च में कॉंिटक चर्च के धर्मगुरु पोप टवाड्रॉस द्वितीय भी मौजूद थे, लेकिन उन्हें कोई नुकसान नहीं हुआ।

**स्पोर्ट्स** ▶ पृष्ठ 13

**भारत हॉकी विश्व लीग राउंड-2 के फाइनल में**

**वेस्ट बैंकपुर (कनाडा)** : कप्तान राणी और गुरजीत कौर के दौ-दौ गोलीं की बदौलत भारतीय टीम ने चेलारूस को 4-0 से हराते हुए महिला हॉकी विश्व लीग राउंड-2 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। फाइनल में भारत का सामना चिली से होगा। भारत में महिला हॉकी विश्व लीग सेमीफाइनल में जगह बना ली है, जिसका आयोजन इस साल जून या जुलाई में होगा।

## मेगा ड्रा

डिजीधन व्यापारी योजना के मेगा ड्रा में भी किया गया विजेताओं का चयन, अंबेडकर जयंती के दिन होगी विजेताओं के नामों की घोषणा



## राष्ट्रपति ने चुना ‘लकी’ करोड़पति, मोदी करेंगे सम्मानित

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

नोटबंदी के बाद डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई ‘लकी ग्राहक योजना’ के एक करोड़ रुपये पुरस्कार वाले मेगा लकी ड्रा का विजेता सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का ग्राहक होगा। राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने रविवार को राष्ट्रपति भवन में हुए मेगा ड्रा में उस लकी ट्रांजेक्शन का चयन किया जिसे करने वाले व्यक्ति को यह विशाल पुरस्कार राशि मिलेगी। इस लकी ग्राहक का नाम फिलहाल उजागर नहीं किया गया है। इसके नाम की घोषणा 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर नागपुर में होगी और खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मौके पर विजेताओं को सम्मानित करेंगे।

नीति आयोग ने 25 दिसंबर 2016 को ‘लकी ग्राहक योजना’ और ‘डिजिधन व्यापारी योजना’ शुरू की थीं। इन योजनाओं के तहत भीम एंप, ‘रुपे’ कार्ड या यूपीआई से 1000 रुपये से कम का लेन-देन करने वालों में से 16 लाख से अधिक लकी ग्राहकों और व्यापारियों को दैनिक, साप्ताहिक और मासिक ड्रा के जरिये अब तक 256 करोड़ रुपये की



नई दिल्ली में रविवार को राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने डिजिधन योजना के विजेताओं की घोषणा की।

पुरस्कार राशि वितरित की जा चुकी है। रविवार को इस योजना का 100वां ड्रा राष्ट्रपति भवन में हुआ। इस मेगा ड्रा में राष्ट्रपति ने जिन तीन लकी ग्राहकों का चयन किया उनमें सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रथम विजेता के अलावा द्वितीय विजेता बैंक ऑफ बड़ौदा का ग्राहक है। जिसे 50 लाख रुपये की राशि मिलेगी, जबकि तीसरा विजेता पंजाब नेशनल

बैंक का है जिसे 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि मिलेगी। इसी तरह डिजिधन व्यापारी योजना के तहत जिन तीन लकी व्यापारियों का चयन किया गया है उसमें पहला पुरस्कार आइसीआईसीआई के खाताधारक को मिलेगा जिसे 50 लाख रुपये पुरस्कार राशि मिलेगी। दूसरा पुरस्कार पिएनबी के खाताधारक व्यापारी को मिलेगी और उसे 25 लाख

रुपये पुरस्कार राशि मिलेगी, जबकि तीसरा पुरस्कार कर्कर वैश्य बैंक के ग्राहक को मिलेगा और उसे 12 लाख रुपये की राशि मिलेगी।

इस मौके पर डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने के सरकार के प्रयासों को साहसिक करार देते हुए राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने देश के सभी नागरिकों को प्रोत्साहित करना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

– **प्रणव मुखर्जी, राष्ट्रपति**

‘आधार’ की शुरुआत ऐतिहासिक ‘आधार’ कार्ड की शुरुआत को ऐतिहासिक बताते हुए मुखर्जी ने कहा कि भारत डिजिटल क्रांति में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि एक अरब से अधिक भारतीयों के पास आधार नंबर है। विकास की गाथा में आधार एक ऐतिहासिक घटना है। आधार से पेमेंट प्रणाली से ऐसे लोग भी लेन-देन कर सकते हैं जिनके पास फोन भी नहीं है।

## गोहत्या अधर्म, पूरे देश में लगे कानूनी प्रतिबंध : भागवत

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली**

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने गोरक्षक दलों की हिंसा की निंदा करते हुए कहा कि यह गोरक्षा के प्रयासों को बदनाम कर रही है, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि संघ पूरे देश में गोहत्या पर प्रतिबंध के लिए एक कानून चाहता है। महावीर जयंती के मौके पर उन्होंने गोहत्या को अधर्म बताया। भागवत ने गोरक्षा के प्रयासों में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का आह्वान करते हुए कानून और संविधान का ‘पूरी’ तरह पालन करने पर जोर दिया। मोहन भागवत महावीर जयंती के अवसर पर रविवार को

तालकटोर इंडोर स्टेडियम में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। गौरतलब है कि पिछले दिनों भाजपा शासित राजस्थान के अलवर में कुछ गोरक्षकों द्वारा एक मुस्लिम की पीट-पीटकर हत्या करने की घटना हुई। इसके बाद विपक्षी पार्टियां इस मुद्दे को लेकर हमलावर हो गई हैं। संघ प्रमुख ने कहा कि कानून बनाने की दिशा में काम हो रहा है। कई राज्यों में जहां संघ की पृष्ठभूमि वाले लोग सत्ता में हैं, वहां ऐसे कानून बनाए गए हैं। तमाम जटिलताओं के बीच गस्ता निकालकर पूरे देश में इसे लागू करने को लेकर लोग प्रयास कर रहे हैं।

भागवत ने कहा कि एक पशु चिकित्सक

होने के नाते वह देसी गायों, गोमृत, गोबर की उपयोगिता जानते हैं। उन्होंने दावा किया कि इनकी उपयोगिता को तो वैज्ञानिक संस्थाओं ने भी स्वीकार किया है। **हिंसा भारतीय संस्कृति नहीं** : उन्होंने कहा कि ऐसा कोई कानून नहीं जो आपको हिंसा करने को कहे। किसी भी प्रकार की हिंसा भारतीय सभ्यता-संस्कृति में मान्य नहीं है। उन्होंने कहा कि जैन धर्म हमें जीवों, प्राणियों और संपूर्ण सृष्टि की रक्षा व उनसे प्यार करना सिखाता है। अहिंसा की सीख देता है। हमें भगवान महावीर के बताए अहिंसा के मार्ग को अपनाना होगा तभी जाकर भारत को विश्व में एक मजबूत राष्ट्र बनाने में हम सफल होंगे।

**गोरक्षा करते हुए ऐसा कुछ नहीं करना है, जो दूसरों के विश्वास को ठेस पहुंचाए। कुछ भी हिंसक नहीं करना है। यह केवल गोरक्षकों के प्रयासों को बदनाम करता है।** गायों को बवाने का काम कानून और संविधान का पालन करते हुए हो। यदि समाज का व्यवहार बदलता है तो गोहत्या बंद हो जाएगी।’

–**मोहन भागवत**

**आरएसएस प्रमुख**



नई दिल्ली में रविवार को महावीर जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत।

**जागरण**

**जैन धर्म दिखाता है शांति का रास्ता : राजनाथ**

समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जैन धर्म को मानने वाले संख्या में भले ही कम हैं, लेकिन वे समाज और प्रकृति को देने में ज्यादा विश्वास करते हैं। कहा कि आज आतंकवाद से पूरा विश्व परेशान है। अगर इसमें कोई शांति का रास्ता दिखाता है तो वह है जैन धर्म। यह धर्म वैज्ञानिकता पर आधारित है। समारोह को केंद्रीय सूक्ष्म, लघु उद्योग मंत्री कलशज मिश्र, लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने भी संबोधित किया। [वीत्तर के कुछ भाजपा शासित समेत कई राज्यों में गोहत्या पर रोक नहीं है। जबकि केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में वीफ) की काफी खपत होती है, जहां भाजपा मजबूत शक्ति बनने के प्रयास में है।

**विचार** ▶ अंतरराज्यीय परिषद की बैठक में उठा राज्यपालों की भूमिका का मुद्दा

## राजनीति से दूर रहें राज्यपाल

**गैर भाजपा शासित राज्यों ने दिया सुझाव, विवादों से दूर व्यक्ति ही बने राज्यपाल**

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

राजनीतिक अस्थिरता के दौरान राज्यपाल की भूमिका, कानून-व्यवस्था को लेकर केंद्र-राज्यों के बीच बनते-विगड़ते संबंध और वित्तीय प्रभाव, जैसे विषयों पर अंतरराज्यीय परिषद की स्थायी समिति में विस्तार से विचार किया गया। 11वीं समीक्षा बैठक में गैर भाजपा शासित राज्यों ने सुझाव दिया कि राज्यपालों की नियुक्ति में विवाद से दूर नामों पर ही विचार किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि पिछले कुछ महीनों में अरुणाचल प्रदेश से लेकर गोवा तक ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिनको लेकर विपक्ष का रुख आक्रामक रहा है। मामला कोर्ट तक पहुंचा और राज्यपालों की भूमिका को लेकर राजनीतिक बहस तेज हुई। ऐसे में रविवार को अंतरराज्यीय परिषद की स्थायी समिति की बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि खुशहाली और संपन्नता तभी आएगी, जब शांति कायम रहेगी। केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग के लिए परस्पर विश्वास ही मूल आधार है। रविवार को हुई यह बैठक अंतरराज्यीय परिषद की 16 जुलाई, 2016 की हुई बैठक से आगे की है।

आंध्र प्रदेश के वित्त मंत्री वार्ड कृष्णमुंडु ने कहा, ‘कई राज्यों ने राज्यपाल की योग्यता के बारे में अपना विचार रखा। इसके मुताबिक राज्यपाल

को निष्पक्ष और राजनीति से ऊपर होना चाहिए।’ बैठक में पुंछी आयोग के दूसरे और तीसरे खंड में उठाए गए विषयों की समीक्षा की गई। रिपोर्ट के दूसरे खंड में केंद्र-राज्य के बीच संवैधानिक प्रावधानों का जिक्र किया गया है। इसमें राज्यपालों की भूमिका के साथ केंद्रीय बलों की तैनाती और संघीय शक्ति संतुलन का ब्योरा दिया गया है। इसके तीसरे खंड में केंद्र व राज्यों के बीच वित्तीय संबंधों को विस्तार से रखा गया है। इसमें राज्यों के लिए राजकोष मुहैया कराना, जीएसटी और अन्य तरह के वित्तीय संबंधों का जिक्र है। जस्टिस मदन मोहन पुंछी आयोग का गठन 2005 में हुआ था। इसकी रिपोर्ट 2010 में पेश कर दी गई थी। आयोग की रिपोर्ट के कुल सात खंड हैं। आयोग की कुल 273 सिफारिशों में से 132 पर विचार किया जा चुका है। बचे खंडों पर स्टैंडिंग कमेटी की अगली बैठक में चर्चा होगी। इसमें जीएसटी से उपजने वाली चुनौतियों, 14वें वित्त आयोग की रिपोर्ट, नीति आयोग के गठन और केंद्र की प्रायोजित योजनाओं पर अमल जैसे मुद्दों को शामिल किया गया है। राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में वित्त मंत्री अरुण जेटली और उग्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री रमन सिंह, ओडिशा के नवीन पटनायक और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक सरकार ने भाग लिया। आंध्र प्रदेश, पंजाब और राजस्थान के मंत्रियों ने अपने राज्यों का प्रतिनिधित्व किया।

योगी आदित्यनाथ ने मांगा बुंदेलखंड और

पूजाचल के लिए पैसा



नई दिल्ली में रविवार को अंतरराज्यीय परिषद की स्थायी समिति की बैठक के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली और गृह मंत्री राजनाथ सिंह।

**प्रेट**

**राज्यपाल की भूमिका पर सिफारिशें**

पुंछी आयोग ने राज्यपालों की भूमिका में भारी परिवर्तन के सुझाव दिए हैं। राज्यपाल का कार्यकाल पांच वर्ष निश्चित करने और उसे हटाने के लिए राज्य विधानसभा द्वारा महाभियोग चलाए जाने की सिफारिश की गई है। इसके अलावा राज्यपाल की नियुक्ति में संबंधित राज्य के मुख्यमंत्री से बात करने की भी सिफारिश की गई है।

**पुंछी आयोग की अन्य सिफारिशें**  
**संविधान के अनुच्छेद 355 और 366 में संशोधन, जिससे केंद्र कुछ समय के लिए राज्य को अपने शासन के अंतर्गत ले सकेगा।**

**सांप्रदायिक हिंसा विधेयक में संशोधन, जिससे केंद्र बिना राज्य सरकार की अनुमति के केंद्रीय सुरक्षा बलों को संबंधित राज्य में तैनात कर सके।**

**राज्य सरकार की इच्छा के बगैर राज्यपाल को किसी मंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने का आदेश देने का अधिकार होना चाहिए।**

## मंत्रियों को बतानी होंगी पांच उपलब्धियां

नई दिल्ली, प्रेट : मोदी सरकार ने सत्ता में तीन साल पूरे होने से पहले ही सभी मंत्रालयों से कामकाज का हिसाब मांगा है। सरकार ने सभी मंत्रियों को पांच प्रमुख उपलब्धियों का ब्योरा देने को कहा है। वह उपलब्धियां ऐसी हों जिनसे लोगों को फायदा पहुंचा हो। साथ ही इस प्रमुख सुधारवादी कामों का जिक्र हो। इसके अलावा भाजपा के केंद्र की सत्ता में आने के समय से लेकर अब तक के आंकड़ों का तुलनात्मक ब्योरा भी मांगा है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री वेंकैया नायडू ने इसी हफ्ते सभी मंत्रियों को एक पत्र भेजा जिसमें ऐसे सभी आंकड़े और विश्लेषण देने को कहा गया है। सभी मंत्रालयों से उपलब्धियां हासिल करके इन सभी जानकारीयों को एक सरकारी पुस्तिका में प्रकाशित किया जाएगा। केंद्र सरकार की योजना इसे 26 मई से पहले प्रकाशित करने की है। इसी दिन नरेंद्र मोदी सरकार को सत्ता में भाले तीन साल पूरे हो रहे हैं। नायडू के लिखे इस पत्र में उन्होंने सभी मंत्रियों से जानकारीयों तीन पन्नों के नोट में मोटे अक्षरों में मांगी हैं। इस नोट में सभी मंत्रालयों को पांच बिंदुओं पर काम करना होगा।

1. अपने यहां की पांच प्रमुख उपलब्धियों



का उल्लेख करना होगा। वह उपलब्धियां जिनसे जनता को फायदा हुआ हो या लोगों ने जिसे बेहद पसंद किया हो। 2. हरेक मंत्रालय को अपने सबसे बेहतरीन काम का उल्लेख करना होगा। 3. मंत्रालयों को अपनी प्रमुख योजनाओं के तुलनात्मक आंकड़े या ब्योरे देने होंगे। ताकि वर्ष 2014 की स्थिति और आगामी 2017 की स्थिति स्पष्ट हो सके। 4. मंत्रालय ने प्रक्रिया, नीति, कार्यप्रणाली, कार्यक्रम आदि के स्तर पर क्या सुधार किए हैं। 5. सफलता की दो सार्वजनिक कहानियां एक पत्र में देनी होंगी।

इससे पहले भी 21 मार्च को लिखे एक पत्र में

नायडू ने मंत्रियों और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं

से अपील की थी कि मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार के लिए सकारात्मक बदलावों पर लोगों से बात करें।

नायडू ने अपने पत्र में जोर देकर कहा है कि साफ है कि देश का जनमानस भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पक्ष में है। हम सभी टीम मोदी का हिस्सा होने पर गौरव का अनुभव करें हैं। इस सरकार ने पिछली सरकारों से इतर करोड़ों लोगों के भाग्योदय में अपना योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि इसीलिए हम एक ठोस कार्ययोजना तैयार करनी होगी। हमें उन पथ्यों और आंकड़ों के साथ सरकार की उपलब्धियों को लोगों के सामने रखना होगा।

नायडू के इस पत्र के मुताबिक सरकार ने उन मंत्रियों की भी एक सूची बनाई है जो उन्हें दिए गए विशिष्ट विषयों पर अपने नोट लिखेंगे। उदाहरण के लिए विदेश राज्यमंत्री एमजे अकबर को प्रधानमंत्री के विदेश दौरे की झलकियों पर नोट लिखने को कहा गया है। इसमें इन दौरे से देश को हुए फायदे, विदेशी निवेश आदि का जिक्र होगा। इसी तरह सांसद स्वप्न दासगुप्ता और चंदन मिश्रा को बौद्धिक विषयों पर नोट लिखने को कहा गया है।

## सूचना आयोग ने तलब किया नगा समझौते का ब्योरा

**नई दिल्ली, प्रेट** : केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने केंद्रीय गृह मंत्रालय से नगा उखाड़ी संगठन से हुए शांति समझौते का ब्योरा तलब किया है। सीआईसी का कहना है कि गृह मंत्रालय के आरटीआई एक्ट के हवाले से जानकारी देने से मना करने के बाद उसे एनएससीएन-आइएम से जुड़े शांति समझौते को उससे साझा करना होगा।

मुख्य सूचना आयुक्त आरके माथुर ने अपने आदेश में कहा कि अगर गृह मंत्रालय यह तब करता है कि शांति का को सार्वजनिक नहीं किया जा सकता तो उसे संबंधित फाइलें उसे (सीआईसी) को उपलब्ध करनी होंगी। ताकि इस मामले में सुनवाई को अगली तारीख तक की जा सके। गृह राज्य मंत्री किरण रिंजिजु ने विगत 15 मार्च को संसद में कहा था कि समझौते की रूपरेखा के तहत अंतिम समझौते के ब्योरे पर काम किया जा रहा है। लिहाजा, इस समझौते की रूपरेखा को वक्त से पहले सार्वजनिक करना ठीक नहीं होगा। प्रधानमंत्री ने विगत 3 अगस्त,

2015 को मीडिया के समक्ष नगा उखाड़ी संगठन एनएससीएन-आइएम से शांति समझौते का ऐलान किया था। इसके बाद एक एनजीओ कॉमनवेलथ ह्यूमन राइट्स इनिशिएटिव के वेंकटेश नायक ने आरटीआई याचिका दायर करके समझौते से जुड़ी जानकारी मांगी थी। लेकिन गृह मंत्रालय ने आरटीआई अधिनियम की धारा 8(1)(ए) के तहत ऐसी जानकारी देने से मना कर दिया था। नायक के अनुसार गृह मंत्रालय ने अपने जवाब में यह नहीं बताया कि आरटीआई की धारा 8(1)(ए) के तहत समझौते के किन हिੱतों को आयात पहुंचा। याचिकाकर्ता ने आयोग से कहा कि नागरिकों के लिए यह जानना अहम होगा कि एक ( उखाड़ी) संगठन से ऐसा क्या अहम समझौता किया कि उसे सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। आयोग के समक्ष गृह मंत्रालय ने दावा किया कि उसके पास इस समझौते से जुड़ी कोई फाइल नहीं है।

समझौते का सच

पेज>>7



### न्यूज गैलरी

आसान रहा जेईई ऑनलाइन, ऊंची जा सकती है कटऑफ

**नई दिल्ली** : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ( सीबीएसई ) द्वारा आयोजित जेईई मेन ऑनलाइन परीक्षा का रविवार को समापन हो गया है। जेईई मेन ऑनलाइन परीक्षा के दूसरे दिन रविवार को आयोजित करगई गई परीक्षा को लेकर छात्रों ने गर्गित, भौतिक विज्ञान और रसायन विज्ञान के पेपर को लेकर मिलीजुली प्रतिक्रिया दी है, लेकिन छात्रों ने कुल मिलाकर पेपर को आसान बताया है। वहीं परीक्षा को लेकर विशेषज्ञों का मानना है कि पेपर आसान था, इस कारण इस बार जेईई मेन की कटऑफ ऊंची जा सकती है। रविवार को आयोजित जेईई मेन ऑनलाइन और इलेक्ट्रा स्टेटिक्स, जियामेट्रिकल ऑप्शन पर आधारित प्रश्न पूछे गए थे।

**गोरक्षा के नाम पर हिंसा के खिलाफ उपवास**

**नई दिल्ली** : गो रक्षा के नाम पर विभिन्न राज्यों में हिंसा की घटनाओं के खिलाफ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जत-मंतर पर एक दिन का उपवास रखा। इसमें संजय राय, दीपिका मित्तल, राममोहन व रवि नितेश शामिल रहे। इस मौके पर रवि नितेश ने कहा कि यह स्वस्थ समाज के लिए निंदनीय है, जहां एक जान बचाने के लिए दूसरे की जान ले ली जाए। ऐसी घटनाओं पर तत्काल लगाम लगाने की जरूरत है, जो समाज में दूरी बढ़ा रही है। दीपिका ने कहा कि जिस समाज में यह सब हो रहा है। उस समाज का हिस्सा हम भी हैं। इसलिए हम भी बरगबर के दोषी हैं। अपने दोष के प्रायश्चित के लिए उपवास रखा है।

**सुप्रीम कोर्ट के वकील और मुंशी को लूट**

**नई दिल्ली** : सुप्रीम कोर्ट से लौट रहे एक वकील और उसके मुंशी के साथ लूटपाट करने का मामला सामने आया है। घटना की शिकायत पर एसएस पीसीआर ने एक आरोपी को पकड़ भी लिया है। जबकि, दूसरे की तलाश जारी है। लक्ष्मी नगर निवासी सुधीर शर्मा सुप्रीम कोर्ट के वकील अमित सिंह के यहाँ बतौर मुंशी काम करता है। सात अप्रैल को वह कोर्ट से अपने मालिक के साथ कहीं जा रहा था। इसी दौरान सिरी फोर्ट के पास दो स्कूटी सवार युवकों ने कहा कि कार से तेल निकल रहा है। उन्होंने दोनों युवकों की बात सुनने के बाद बीआरटी अर्चना रेड लाइट के पास कार खड़ी कर दी। आरोप है कि दोनों युवकों ने कार पंकचर कर दी थी।

**इस सप्ताह भी जारी रहेगा तापमान में उतार चढ़ाव**

**नई दिल्ली** : राजधानी में मौसम का बदलाव और तापमान का उतार चढ़ाव जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले समय में तापमान के स्तर में बहुत बढ़ोतरी की संभावना नहीं है और सप्ताह के अंत तक राजधानी में गरज चमक के साथ बौछारें भी पड़ सकती हैं। भोर से ही चल रही ठंडी हवाएं और दिन में धूप खिलने के बाद भी राजधानी के अधिकतम तापमान में सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई। हालांकि न्यूनतम तापमान सामान्य दर्ज किया गया। मौसम विभाग का कहना है कि इस सप्ताह अधिकतम तापमान 35-36 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया जा सकता है। मौसम विभाग का कहना है कि सप्ताह के अंत तक राजधानी पर पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव देखा जा सकता है जिससे यहां के मौसम में बदलाव हो सकता है। लेकिन इस बीच तापमान में उतार चढ़ाव जारी रहने की संभावना है।

**स्वस्थ जीवन के लिए विकित्सक भी करें योग**

**महेंद्रगढ़** : योग गुरु बाबा रामदेव ने कहा है कि वह दिन दूर नहीं जब डॉक्टर भी योग करेंगे। रामदेव के अनुसार, आज की जीवनशैली बेहद विकट है। अब तो चिकित्सकों को भी स्वस्थ रहने के लिए योग की शरण में आना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि देशवासियों को योग करके मजबूत बना चाहिए, मजबूत नहीं। बाबा रामदेव रविवार को सीमा सुरक्षा बल के डीआईजी सुमेर सिंह की सेवानिवृत्ति पर आयोजित समारोह में बोल रहे थे। योग गुरु ने कहा कि हर अच्छा काम योग और बुरा काम भोग है। देश का प्रधानमंत्री भी योगी है, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी योगी हैं।

## नई पहल

गृह मंत्रालय से मिली मंजूरी, अब 10 साल में हवलदार, 20 साल में एएसआइ, 30 साल में एसआइ बन सकेंगे पुलिसकर्मी



**निगम का रण** ▶ बदरपुर में चुनावी जनसभा को बिहार के सीएम ने किया संबोधित

# बिहार के लोग दिल्ली में प्रवासी नहीं, निवासी हैं : नीतीश कुमार

**कहा, दिल्ली सरकार को भी राजधानी में शराब की बिक्री बंद करा देनी चाहिए**

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली**

दिल्ली में तीनों नगर निगम के चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक पार्टियों ने चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है। निगम चुनाव में जनता दल युनाइटेड ( जदयू ) ने भी करीब 100 से अधिक सीटों पर अपने उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार करने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बदरपुर इलाके में रविवार को रोड शो किया। बाद में उन्होंने इलाके के हरि नगर में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार के लोगों

### मुख्यमंत्री नीतीश को ‘ गुरु प्यारा ’ उपाधि

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली** : गुरु गोविंद सिंह की 350 जन्मशती के सफल आयोजन के लिए सिख समुदाय ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को ‘ गुरु प्यारा ’ की उपाधि से नवाजा है। शनिवार की रात दिल्ली के बिहार निवास मे आयोजित एक समारोह में केश संभाल प्रचार संस्था की ओर से यह उपाधि दी गई। नीतीश ने इसे पूरे बिहार

को प्रवासी समझने की भूल नहीं करना चाहिए। दिल्ली में बिहार के लोग प्रवासी नहीं, बल्कि अब निवासी बन गए हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार के लोगों को नगर में एक जनसभा को संबोधित किया। इस के लोग किसी पर बोझ नहीं बनते, बल्कि बोझ

होने का काम करते हैं। नीतीश कुमार ने कहा कि बिहारी लोग मेहनती हैं। देश के विकास में सहयोगी बन रहे हैं। निगम चुनाव में जदयू के नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार के लोगों को नगर में एक जनसभा को संबोधित किया। इस के लोग किसी पर बोझ नहीं बनते, बल्कि बोझ



### नीतीश कुमार को सम्मान

गुरु गोविंद सिंह की 350 जन्मशती के सफल आयोजन के लिए सिख समुदाय ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को शनिवार की रात ‘गुरु प्यारा ’ की उपाधि से नवाजा।

# नाती का इलाज कराने आई तंजानिया की बुजुर्ग से लूट

**विनीत त्रिपाठी, नई दिल्ली**

राजधानी में विदेशी पर्यटकों के साथ अपराधिक वादरात थमने का नाम नहीं ले रही है। दो दिनों में दो विदेशियों को अपराधियों ने अपना शिकार बनाकर पुलिस को चुनौती दी है। बता दें कि शुक्रवार की रात लालकिला के पीछे जर्मन नागरिक को चाकू मारकर लूटपाट की गई। उसी रात बदमाशों ने करोलबाग में तंजानिया की बुजुर्ग महिला को भी शिकार बनाया। बदमाशों ने महिला से चार लाख रुपये, गहने व पासपोर्ट से भग बैग लूट लिए। पुलिस ने रिपोर्ट तो दर्ज कर ली है, लेकिन दो दिन बाद भी पुलिस बदमाशों का सुराग नहीं लगा पाई है।

तंजानिया के शहर दर-ए-सलाम मगोमनी निवासी आरिफ के डेढ़ साल के बेटे जवान को जन्म के समय से ही पेशाब नली में समथसा था। वहां कई अस्पतालों में इलाज के बाद समस्या दूर नहीं हुई तो आरिफ 9 मार्च को सास फतमा असलम, पत्नी जैबुनिस बेगम असलम के साथ भारत आए थे। आरिफ पत्नी व सास के साथ करोलबाग स्थित सन स्टार होटल में रुके थे। उनके बेटे का इलाज वीएल कपूर अस्पताल में चल रहा है।

आरिफ को 9 अप्रैल को वापस जाना था, लेकिन डॉक्टरों की सलाह पर वापस जाने का प्लान 15 अप्रैल तक टाल दिया। 8 मार्च को वह पत्नी व सास के साथ सरस्वती रोड होते हुए अस्पताल से होटल जा रहे थे। रात करीब साढ़े दस बजे होटल चाइना टाउन के सामने पल्लर बाइक सवार दो बदमाशों ने आरिफ की सास फतमा असलम से पर्स लूट लिया और पूसा रोड

### अपराध

**करोलबाग में रुपये, गहने व पासपोर्ट से भरा बैग लेकर बदमाश फरार**

**लालकिला के पीछे उसी दिन जर्मन नागरिक से हुई थी लूटपाट**

**रिपोर्ट दर्ज करने के दो दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली**

की तरफ फरार हो गए। आरिफ ने बताया कि बैग के अंदर 6 हजार अमेरिकी डॉलर ( करीब 3.86 लाख रुपये), 7 लाख तंजानिया सीलिंग ( करीब 20,186 रुपये) और तीन हजार रुपये, सोने की चेन, सोने का पेंडेंट और तीन मोबाइल फोन थे। इसके अलावा बैग में आरिफ, उनकी पत्नी, सास व बेटे का पासपोर्ट भी था।

शिकायत दर्ज करने के बाद जांच अधिकारी धर्मेन्द्र सिंह ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी खंगाले, जिसमें बदमाश कैद हैं। हालांकि वाहन का नंबर साफ नहीं दिखने से करोलबाग स्थित सन स्टार होटल में रुके थे। उनके बेटे का इलाज वीएल कपूर अस्पताल में चल रहा है।

आरिफ को 9 अप्रैल को वापस जाना था, लेकिन डॉक्टरों की सलाह पर वापस जाने का प्लान 15 अप्रैल तक टाल दिया। 8 मार्च को वह पत्नी व सास के साथ सरस्वती रोड होते हुए अस्पताल से होटल जा रहे थे। रात करीब साढ़े दस बजे होटल चाइना टाउन के सामने पल्लर बाइक सवार दो बदमाशों ने आरिफ की सास फतमा असलम से पर्स लूट लिया और पूसा रोड

फतमा असलम से पर्स लूट लिया और पूसा रोड

फतमा असलम से पर्स लूट लिया और पूसा रोड

फतमा असलम से पर्स लूट लिया और पूसा रोड

फतमा असलम से पर्स लूट लिया और पूसा रोड

फतमा असलम से पर्स लूट लिया और पूसा रोड

फतमा असलम से पर्स लूट लिया और पूसा रोड

फतमा असलम से पर्स लूट लिया और पूसा रोड

फतमा असलम से पर्स लूट लिया और पूसा रोड

फतमा असलम से पर्स लूट लिया और पूसा रोड

फतमा असलम से पर्स लूट लिया और पूसा रोड

फतमा असलम से पर्स लूट लिया और पूसा रोड

फतमा असलम से पर्स लूट लिया और पूसा रोड

फतमा असलम से पर्स लूट लिया और पूसा रोड

फतमा असलम से पर्स लूट लिया और पूसा रोड

सर्विस वाले सिपाहियों को हवलदार का रैंक तो दे दिया गया है, लेकिन उन्हें नियमित तब माना जाएगा, जब रैंक मिले पांच साल पूरा होगा।

इसी तरह 25 साल सर्विस करने वाले हवलदार को एएसआइ का रैंक तो दे दिया गया, लेकिन रैंक मिलने के 6 साल बाद ही उन्हें नियमित माना जाएगा। इसके बाद इस प्रस्ताव को पुलिस

में शासन कर रही है, जबकि दूसरी पार्टी का निगम में पिछले 10 सालों से कब्जा है, लेकिन दिल्ली की अंदरूनी गलियां चलने लायक नहीं हैं। अधिकतर सड़कें बदहाल स्थिति में हैं।

नालियों व सीकर का पानी सड़क पर जमा रहता है और दिल्ली को वर्ल्ड क्लास सिटी बनाने की बात की जाती है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब हाइवे और राजमार्ग परशराब की दुकानें बंद करगई जा रही हैं, जबकि बिहार में एक साल पहले ही शराब बंद कर दी गई है। दिल्ली में भी सरकार को शराब बंद करा देनी चाहिए। उन्होंने यह भी दोहराया कि दिल्ली को पूर्ण राज्य बना दिया जाना चाहिए।

इस चुनावी जनसभा में सांसद अली अनवर, पूर्व सांसद केसी त्वागी, पार्टी के नेता संजय झा, राणवीर नंदन, मणजीत सिंह समेत भारी संख्या में पार्टी के नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# महंगी थाली की न्यायिक जांच कराई जाए : विजेंद्र

**राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली**

दिल्ली सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर मेहमानों को परेसी गई महंगी थाली पर सियासत तेज हो गई है। नगर निगम चुनाव से पहले हाथ लगे इस मामले को भाजपा चुनावी मुद्दा बनाने में जुट गई है। नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मुख्यमंत्री से इस मामले की न्यायिक जांच कराने और भोज का खर्च आम आदमी पार्टी ( आप ) से वसूलने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और वित्त सचिव ने जानबूझकर दो महीने तक फाइनल को दबाए रखा ताकि यह घोटाला सामने नहीं आ सके। सिसोदिया इस मामले की जांच कराने की बात कहकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। उन्हें लोगों को बताना चाहिए कि उन्होंने कब और किस अधिकारी से जांच कराई है। सच्चाई यह है कि जांच कराने के बजाय भोज की सेवा देने वाले पांच सितारा होटल से डिस्काउंट की मांग की गई थी। इसके लिए विभाग ने पत्र भी लिखा था। अब भाजपा द्वारा घोटाला उजागर करने के बाद घबराई और बौखलाई दिल्ली सरकार जनता को गुमराह कर

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कुछ माह पहले टोडापुर इलाके में जिस झुग्गी में रात बिताई थी। इस झुग्गीवासी महिला सुनीता कौशिक को भाजपा ने निगम चुनाव में टिकट दिया है, मगर यह करोड़पति निकलीं। इनके और पति के नाम पर दसघर में तीन मकान हैं। यह मामला प्रकाश में आने पर आम आदमी पार्टी ( आप ) के दिल्ली संयोजक दिलीप पांडेय ने मनोज तिवारी के झुग्गी में रात बिताने के अभियान को गरीब लोगों के साथ छलावा बताया है।

उन्होंने कहा कि इस मामले से और साफ हो गया है कि किस तरह भाजपा ने झुग्गी वालों के नाम पर भी करोड़पतियों को टिकट दी है। भाजपा के मेहनती कार्यकर्ता को दर्शिनार किया गया है। इनकी झुग्गी में रात बिताने का उनका अभियान ड्रामा नहीं था तो क्या था? दरअसल वह करोड़पतियों के घर रात बिता रहे थे।

सुनीता कौशिक को भाजपा ने वार्ड नंबर 103 से टिकट दी है। सुनीता कौशिक की ओर से दिल्ली राज्य चुनाव आयोग में दिए गए शपथपत्र में ये करोड़पति हैं। गत 3 अप्रैल को

# महंगी थाली की न्यायिक जांच कराई जाए : विजेंद्र

**राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली**

**16 हजार रुपये में परेसी गई थाली पर तेज हुई सियासत**

**भ्रष्टाचार खत्म करने का वादा करने वाली आप का असली चेहरा वेनकाब : भाजपा**

**भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए**

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए



### न्यूज गेलरी

### भारत विरोधी प्रचार का जवाब देगी प्रसार भारती

**नई दिल्ली :** विदेशी मीडिया में भारत विरोधी प्रचार का मुकाबला करने और दुनिया को भारतीय नजरिये से वाकफ़ कराने के लिए प्रसार भारती डिजिटल प्लेटफॉर्म का सहाय लेने पर विचार कर रही है। प्रसार भारती बोर्ड ने इसके लिए हाल में ही इंटरनेट आधारित एक नया प्लेटफार्म बनाने की मंजूरी दे दी है। यह दूरदर्शन और आकाशवाणी के अतिरिक्त होगा, जिनका फोकस मुख्य तौर पर घरेलू दर्शक और श्रोता होते हैं। इस प्रस्ताव को मंजूरी के लिए सुचना और प्रसारण मंत्री वेंकैया नायडू के पास भेजा गया है। प्रसार भारती अध्यक्ष ए सूर्यप्रकाश की अध्यक्षता में बनी समिति ने अपनी रिपोर्ट में राष्ट्रीय हितों की पैरवी करते हुए वैश्विक डिजिटल मंच बनाने की वकालत की है। सूर्यप्रकाश ने एक विशेष भेंट में बताया कि भारत सबसे तेजी से विकसित होने वाली अर्थव्यवस्था है। प्रशासन के स्तर पर सरकार असाधारण फैसले ले रही है। लेकिन, पश्चिमी मीडिया इसको लेकर दुष्प्रचार करता रहता है, जो पूरी तरह गलत है। हमें इसका जवाब देना होगा।

### चार दिवसीय भारत यात्रा पर आए आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री

**नई दिल्ली :** आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री मेल्व्कम टर्नबुल चार दिवसीय भारत यात्रा पर रविवार शाम को यहां पहुंचे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गोपाल बागले ने ट्वीट कर यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने आस्ट्रेलियाई समकक्ष के साथ सोमवार को द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। इसके बाद दोनों देशों के बीच कई समझौतों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। सितंबर 2015 में पट संभालने के बाद टर्नबुल की यह पहली भारत यात्रा है। उनके पूर्ववर्ती टॉनी एबॉट ने सितंबर 2014 में भारत की यात्रा की थी। इसके बाद उसी वर्ष नवंबर में मोदी ने आस्ट्रेलिया का दौरा किया था।

### सुप्रीम कोर्ट को बताया, नोटबंदी से 5400 करोड़ का पता चला

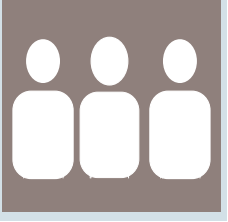
**नई दिल्ली :** केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को हालफनामे में बताया है कि जांच एजेंसियों ने दस जनवरी तक 5400 करोड़ के काले धन का पता लगाया है। नवंबर में नोटबंदी लागू होने के बाद लाखों लोगों की इस अचोपित आय का पता चला है। केंद्र सरकार ने अदालत को बताया कि नोटबंदी लागू होने के बाद लोगों ने अपने कालेधन को कई गैरकानूनी तरीकों से ठिकाने लगाने की कोशिश की। लोगों ने अपने पुराने नोटों के बदले बड़ी तादाद में सोना भी खरीदा था। जांच एजेंसियों की ओर से छापेमारी और अवैध धन की बरामदगी का ब्यौरा देते हुए बताया कि 9 नवंबर से 30 दिसंबर के बीच नोटबंदी के बाद आयकर विभाग के चलाए ‘ऑपरेशन क्लीन’ के जरिए इस अवधि में बैंकों में जमा कराई गई नकद राशि के आंकड़ों का डाटा एनालिसिस व ई-वैरिफिकेशन करया गया। वित्त मंत्रालय ने अपने हालफनामे में कहा है कि 9 नवंबर 2016 से 10 जनवरी 2017 के बीच आयकर विभाग ने विभिन्न लोगों के परिसरों पर 1100 छापे मारे या सर्वे किए। इस दौरान बैंक खातों में जमा कराए गए मोटी नकद राशि के संबंध में 5100 नोटिस जारी किए गए। जांच एजेंसियों को कुल 610 करोड़ रुपये का नकद मिला। इसमें से 513 करोड़ रुपये पुरानी करेंसी और 110 करोड़ रुपये नई करेंसी के थे।

### राम मंदिर के लिए जान दे सकते हैं तो ले भी सकते हैं

**नई दिल्ली :** जो अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का विरोध करेगा, उसका मैं सिर काट दूंगा। यह बात हैदराबाद के घोपमहल क्षेत्र के विधायक टी राजा सिंह ने कही। गौरतलब है कि बीती 5 अप्रैल को एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें राम नवमी समारोह के दौरान विधायक यह बात कह रहे थे। रविवार को उन्होंने फिर से कहा कि मंदिर निर्माण के लिए वह अपनी जान दे भी सकते हैं तो इसका विरोध करने वाले की जान ले भी सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम उन लोगों को बदमाश नहीं करेंगे जो रहते इस देश में हैं लेकिन काम करते हैंइसकी बर्बादी के लिए। उधर, कांग्रेस ने इस बात का विरोध करते हुए कहा कि भाजपा का दोहरा चरित्र उजागर हो गया है। अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों में भय व्याप्त है जिसके लिए पार्टी कोई ध्यान नहीं दे रही। कांग्रेस का कहना है कि राजनीतिक साजिश के तहत भाजपा नेता इस तरह के बयान दे रहे हैं।

## कवायद

सरकार के गठन के बाद पहली बार राजग की विस्तृत बैठक आज , भाजपा समेत तमिलनाडु, केरल, जम्मू- कश्मीर और पूर्वोत्तर के छोटे- बड़े 32 दल होगे मौजूद



**दावा** ▶ वोटिंग मशीन में गड़बड़ी की शिकायत पर चुनाव आयोग की सफाई

# निर्माता भी चाहे तो नहीं कर सकता वोटिंग मशीन में कोई छेड़छाड़

## विपक्षी दलों की आशंकाओं का दिया सवाल जवाब के क्रम में दिया उत्तर

**नई दिल्ली, प्रे़र :** चुनावों के दौरान इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में गड़बड़ी किए जाने संबंधी विपक्षी दलों की आशंकाओं पर निर्वाचन आयोग ने सफाई दी है। उसने कहा है कि वोटिंग मशीनों से छेड़छाड़ करना संभव नहीं है। ये इतनी मजबूत है कि यदि निर्माता भी चाहे तो इनमें कोई छेड़छाड़ नहीं कर सकता है। विपक्षी दलों द्वारा ईवीएम की विवर्तनीयता पर सवाल उठाए जाने के मद्देनजर चुनाव आयोग ने सभी आशंकाओं का सवाल-जवाब के क्रम में उत्तर दिया है। जैसे ईवीएम को क्या हैक किया जा सकता है? आयोग ने इसका जवाब ‘नहीं’ में दिया है।

**हैकिंग संभव नहीं :** उसने स्पष्ट किया है कि एम1 (मॉडल वन) ईवीएम का उत्पादन 2006 तक किया गया। इसमें वह सभी तकनीकी फीचर थे, जिससे इसे हैक किया जाना संभव नहीं था। 2006 के बाद एम2 (मॉडल टू) से ईवीएम तैयार की गई। 2012 तक इनके ‘को कोड की डेवेलोपमिक कोडिंग’ कर इन्हें तकनीकी रूप से और भी उन्नत किया गया ताकि बटन दबाने पर संदेश वॉलेट यूनिट से कंट्रोल यूनिट तक कूट भाषा (एनक्रिप्टेड फार्म) में पहुंचना

# बुलेट ट्रेन परियोजना की बड़ी बाधा दूर

**नई दिल्ली, प्रे़र :** रेलवे ने देश की पहली बुलेट ट्रेन दौड़ाने की परियोजना की एक बड़ी बाधा को पार कर लिया है। महाराष्ट्र सरकार इसके लिए बांद्रा-कुर्ला कॉन्लेक्स (बीकेसी) में जमीन देने को राजी हो गई है। अब उम्मीद है कि मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड कॉरिडोर का निर्माण 2018 में शुरू हो जाएगा। 2023 तक इसके पूरा हो जाने का अनुमान है।

इस हाई स्पीड कॉरिडोर के शुरुआती स्थल बीकेसी को लेकर रेलवे और मुंबई मेट्रोपॉलिटन क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) के बीच विवाद था। एमएमआरडीए रेलवे को जमीन देने का विरोध कर रहा था। एमएमआरडीए बीकेसी की जमीन प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आइएफएससी) के लिए इस्तेमाल करना चाहता था। राज्य के शहरी विकास विभाग ने भी रेलवे को बांद्रा टर्मिनस और कुर्ला के नजदीक विकल्प तलाशने को कहा था। हालांकि रेलवे ने इसे खारिज कर दिया था। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि रेलवे एमएमआरडीए को इस बात पर राजी कराने में सफल हो गया कि बीकेसी में परियोजना के लिए भूमिगत टर्मिनस का निर्माण करया जाएगा।

प्रस्तावित ट्रेन बीकेसी से भूमिगत रवाना होगी

# उपभोक्ता अधिकारों के मामले में त्यवहारिक रुख अपनाएं अदालतें

**नई दिल्ली, प्रे़र :** उपभोक्ता से जुड़े विवादों की सुनवाई के दौरान अदालतें व्यवहारिक रुख अपनाएं। यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई के दौरान की। सर्वोच्च अदालत का कहना है कि ऐसे विवादों में सर्विस प्रदाता की झुलना में उपभोक्ता हमेशा कमजोर स्थिति में होता है।

जस्टिस मदन बी लोकुर व पीसी पंत की बेंच उन्होंने कहा कि हम उन लोगों को बदमाश नहीं करेंगे जो रहते इस देश में हैं लेकिन काम करते हैंइसकी बर्बादी के लिए। उधर, कांग्रेस ने इस बात का विरोध करते हुए कहा कि भाजपा का दोहरा चरित्र उजागर हो गया है। अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों में भय व्याप्त है जिसके लिए पार्टी कोई ध्यान नहीं दे रही। कांग्रेस का कहना है कि राजनीतिक साजिश के तहत भाजपा नेता इस तरह के बयान दे रहे हैं।

**आशुतोष झा, नई दिल्ली**

हाल के चुनावों में अभूतपूर्व जीत के बाद अब जबकि भाजपा की नज़रें पूर्व और दक्षिण की ओर हैं। इसीलिए वर्तमान सहयोगी दलों के साथ ही भावी साथियों के लिए भी संकेत देने की कवायद शुरू हो गई है। लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार सोमवार को होने वाली राजग की विस्तृत बैठक में जहां भाजपा के भोगोलिक, राजनीतिक और वैचारिक विस्तार और स्वीकार्यता का संकेत दिया जाएगा, वहीं यह संदेश भी होगा कि पार्टी भविष्य में भी हर किसी का साथ चाहती है। जाहिर है कि बदले में सबका विकास होगा। बैठक का महत्व इसलिए भी बढ़ गया है कि क्योंकि अगले कुछ महीनों में हो राष्ट्रपति चुनाव भी होना है।

यूं तो संसद में मौजूद राजग के घटक दलों की बैठकें पहले भी एक-दो बार हो चुकी हैं, लेकिन सोमवार की बैठक महज सामन्यतः तक सीमित नहीं है। इसके विशेष रूप से राजनीतिक निहितार्थ माने जा रहे हैं। बताते हैं कि दिल्ली व प्रवासी भारतीय केंद्र में होने वाली इस बैठक में भाजपा समेत 32 पार्टियां शामिल होंगी जिसमें तमिलनाडु और केरल



**हेरफेर संभव नहीं**

**आयोग ने इस आशंका को भी खारिज कर दिया है कि इन मशीनों में निर्माता द्वारा हेरफेर किया जा सकता है। उसने बताया है कि इन मशीनों का निर्माण 2006 से अलग-अलग वर्षों में कर करविभिन्न रण्यों को भेजा गया। इसी तरह ईवीएम निर्माता कंपनियां इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन ऑफ इंडिया (ईसीआइएल) और भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड (बीईएल) वर्षों पहले यह कैसे जान लेंगी कि किस क्षेत्र से कौन सा उम्मीदवार है और मत पत्र पर उसका क्रमांक क्या होगा ?**

सुनिश्चित हो जाता है।

**कंप्यूटर नियंत्रित नहीं ईवीएम :** आयोग ने यह भी साफ किया है कि उसका ईवीएम कंप्यूटर नियंत्रित नहीं है। यह इंटरनेट अथवा किसी भी दूसरे नेटवर्क से नहीं जुड़ी है। इसे रिमोट से हैक नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा इन मशीनों में फ्रीक्वेंसी रिसीवर या वायरलेस डाटा के लिए डिकोडर नहीं है। लिहाजा इनको किसी भी दूसरे उपकरण से नहीं जोड़ा जा सकता है। ऐसे में वोटिंग मशीनों से छेड़छाड़ करना संभव ही नहीं है।

**छेड़छाड़ होते ही मशीन निष्क्रिय :** चुनाव आयोग ने इस आशंका को भी निराधार कर दिया है कि मतदान से पूर्व ईवीएम में ट्रोजन हॉर्स ( एक हानिकारक कंप्यूटर प्रोग्राम,



**महाराष्ट्र सरकार बांद्रा-कुर्ला कॉन्लेक्स में रेलों को जमीन देने को राजी**

### बुलेट ट्रेन से जुड़े तथ्य

▶ **बीकेसी में कुल 67 एकड़ जमीन उपलब्ध है। जबकि बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए करीब 10 एकड़ की जरूरत होगी।**

▶ **परियोजना पर करीब 97,636 करोड़ रुपये खर्च का अनुमान है।**

▶ **बुलेट ट्रेन से मुंबई से अहमदाबाद की 508 किमी की दूरी दो घंटे में तय होगी।**

▶ **ट्रेन के रास्ते में 12 स्टेशन पड़ेंगे। इनमें चार महाराष्ट्र और आठ गुजरात में होंगे।**

और सुरुंग के जरिये समुद्र से होकर ठाणे में जमीन पर आएगी। इसलिए जमीन के ऊपर आइएम्पएससी का निर्माण किया जा सकेगा।



**सुप्रीम कोर्ट ने कहा, विवादों में सर्विस प्रदाता की स्थिति होती है ज्यादा मजबूत**

अनुमान लगाकर ही इस एक्ट का सुजन किया गया, लेकिन अक्सर देखा गया है कि सर्विस प्रदाता क्लेम के निपटारे में देरी करता है।

मामले के अनुसार हिदुस्तान सेप्टी ग्लास वर्क्स लि. ने कोलकाता स्थित कारखाने के लिए इश्वरॉरेस कंपनी से दो पालिसी ली थीं।

**राज्य ब्यूरो, लखनऊ :** भाजपा 2014 के चुनाव में जित रण्यों में उपलब्धियों की कहानी नहीं लिख सकी, वहां के लिए बहुत ही अहम कार्ययोजना तैयार कर रही है। मिसान 2019 के लिए उत्तर प्रदेश से एक हजार प्रतिबद्ध रणनीतिकार तैयार किए जाएंगे जिन्हें विस्तारक का नाम मिलेगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तर्ज पर तैयार किए जा रहे इन कार्यकर्ताओं को दूसरे रण्यों में लोकसभा चुनाव में विजयश्री हासिल कराने की जिम्मेदारी होगी। जून, 2016 में इलाहाबाद में हुई राष्ट्रीय कार्यसम्मिति में भाजपा ने भविष्य की दिशा तय की थी। तब भाजपा ने यह तय किया कि उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, मेघालय, पंजाब और तमिलनाडु जैसे रण्यों में भी 2019 के चुनाव में भाजपा को उत्तर

समेत जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के छोटे-बड़े दल होंगे। ध्यान रहे कि सरकार अपना तीसरा साल पूरा करने वाली है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड की अभूतपूर्व

प्रदेश जैसी जीत मिले। विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश को मिली ऐतिहासिक जीत ने सबका ध्यान यहां के चुनाव प्रबंधन पर केंद्रित किया है। इसीलिए उन रण्यों में ‘जीत’ हासिल करने को भाजपा के संगठन महामंत्री सुनील बंसल ने ब्लू प्रिंट तैयार किया है। भाजपा या उसके अनुयायिक संगठनों में बेहतरी परिणाम देने वाले कार्यकर्ताओं को चर्चनित कर उन्हें ही जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष

जेपीएस राठौर बताते हैं कि विस्तारक योजना के तहत चर्चनित किए गए कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए सीतापुर के नैमिषारण्य को प्रस्तावित किया गया है। वहां एक टीम दौरे पर जाएगी और इसके बाद स्थल चयन को अंतिम रूप देगी।

विजय, मणिपुर और गोवा में सरकार गठन के बाद अब दक्षिण और पूर्व को लेकर रणनीति को धार दी जा रही है। पार्टी अब तक जहां सत्ता से दूर रही है- तब्दली कर विदेशी चिप निर्माताओं को दिया जाता है। देश में अभी सेमी कंडक्टर माइक्रोचिप बनाने की सुविधा नहीं है।

**हर माइक्रोचिप पर निर्माता के हस्ताक्षर :** हर माइक्रोचिप की अलग पहचान संख्या होती है, जो मेमोरी में दर्ज होती है और उन पर निर्माताओं के डिजिटल हस्ताक्षर होते हैं। इसलिए माइक्रोचिप को बदले जाने की आशंका भी निर्मूल है। माइक्रोचिप बदलने की किसी भी कोशिश को पकड़ने का इंतजाम है और ईवीएम फौरन निष्क्रिय हो जाएगी।

**कड़ी सुरक्षा में रखी जाती हैं मशीनें** : आयोग ने बताया है कि जिला मुख्यालय पर इन मशीनों को डबल लॉक सिस्टम के तहत बहुस्तरीय कड़ी सुरक्षा में रखा जाता है। कोई भी अधिकारी स्टॉप रूम का ताला नहीं खोल सकता। वे केवल यह सुनिश्चित करते रहते हैं कि ताला ठीक तरीके से लगा और सुरक्षित है अथवा नहीं।

**हैकिंग के डर से अमेरिका में ईवीएम नहीं :** अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे विकसित देशों में ईवीएम का इस्तेमाल नहीं किए जाने के बारे में भी आयोग ने सफाई दी है। उसका कहना है कि इन देशों में मशीनें पूरी तरह से कंप्यूटर नियंत्रित और नेटवर्क से जुड़ी होती हैं। इससे इनके हैक होने का खतरा बना रहता है।

## योगी ने मांगा बुंदेलखंड और पूर्वांचल के लिए पैसा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

किसानों को कर्ज माफी की सौगात देने के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के पिछड़े क्षेत्रों बुंदेलखंड और पूर्वांचल में विकास के लिए केंद्र सरकार से धन की मांग की है। योगी ने रविवार को अंतरराज्यीय परिषद की स्थायी समिति की बैठक में यह मांग उठाई।

सूत्रों के मुताबिक, योगी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सभी रण्यों को विभिन्न विकास गतिविधियों के लिए अधिक धनराशि मिलनी चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में योगी ने जिस समय यह बात कही उस समय केंद्रीय वित्त मंत्री भी मौजूद थे। योगी का यह बयान ऐसे समय आया है जब उत्तर प्रदेश सरकार ने कुछ दिन पहले ही प्रदेश के 86 लाख किसानों का 36,359 करोड़ रुपये कर्ज माफ किया है।

बता दें कि पूर्वांचल और बुंदेलखंड विकास की दृष्टि से पिछड़े हुए हैं। प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकारें भी समय-समय पर इन क्षेत्रों के विकास के लिए पैकेज की मांग करती रही हैं। पूर्ववर्ती संग्र सरकार ने बुंदेलखंड के लिए विकास पैकेज दिया भी था, लेकिन उत्तर प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में इसका क्रियान्वयन ठीक से नहीं हो पाया। वैसे पूर्वांचल के लिए अलग से कोई एकमुश्त पैकेज पूर्ववर्ती संग्र सरकार ने नहीं दिया था।



नवंबर 1994 में उसने रिपोर्ट दी कि फर्म का नुकसान 26 लाख रुपये का है। फर्म ने एनसीडीआरसी से संपर्क साधा। आयोग ने फर्म के हक में फैसला सुनाते हुए 21 लाख 5 हजार 803 रुपये वतीत क्लेम फर्म को जारी करने के निर्देश दिए। इश्वरॉरेस कंपनी ने फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगाई थी। बेंच ने इसी तरह की एक अन्य अपील को भी खारिज कर दिया। यह मामला भी एक निजी फर्म के क्लेम से जुड़ा था।

नवंबर 1994 में उसने रिपोर्ट दी कि फर्म का नुकसान 26 लाख रुपये का है। फर्म ने एनसीडीआरसी से संपर्क साधा। आयोग ने फर्म के हक में फैसला सुनाते हुए 21 लाख 5 हजार 803 रुपये वतीत क्लेम फर्म को जारी करने के निर्देश दिए। इश्वरॉरेस कंपनी ने फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगाई थी। बेंच ने इसी तरह की एक अन्य अपील को भी खारिज कर दिया। यह मामला भी एक निजी फर्म के क्लेम से जुड़ा था।

विजय, मणिपुर और गोवा में सरकार गठन के बाद अब दक्षिण और पूर्व को लेकर रणनीति को धार दी जा रही है। पार्टी अब तक जहां सत्ता से दूर रही है-



उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

## गुजरात में एनएसजी का नया बना केंद्र

**नई दिल्ली, प्रे़र :** गुजरात में आतंकरोधी बल राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) का नया केंद्र (हब) बनाया गया है। केंद्र सरकार ने एनएसजी के कमांडो को स्थायी तौर पर यहां भेजा है। यह देश में एनएसजी का पांचवां हब होगा। 2008 के मुंबई आतंकी हमले के बाद मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद और चेन्नई में एनएसजी के केंद्र बनाए गए। अधिकारियों के मुताबिक, हाल ही में गुजरात की राजधानी गांधीनगर के नजदीक नए केंद्र का कामकाज शुरू किया गया। इसे गुजरात से राजस्थान तक पूरे पश्चिमी किनारे की सुरक्षा का जिम्मा सौंपा गया है। इस केंद्र में आतंकरोधी और हाइजैकरोधी स्कवाड के करीब 100 कमांडो रहेंगे। गुजरात में आतंकी हमले की खफिया सुचना मिलने पर पिछले साल मार्च में इन्हें रण्य में भेजा गया था। अब ये कमांडो स्थायी तौर पर यहां रहेंगे। इस केंद्र में कमांडो प्रशिक्षण में समेत कई अन्य सुविधाएं बढ़ाने के प्रस्ताव पर काम हो रहा है। पाकिस्तान से लग्ी 512 किमी लंबी सीमा और 1,640 किमी लंबी तटीय सीमा को देखते हुए केंद्र ने रण्य में एनएसजी हब बनाने का फैसला किया था।

# कूरियर के जरिये विदेश भेजे जा रहे बंद नोट

**नई दिल्ली, प्रे़र :** बंद हो गए 500 और 1,000 रुपये के नोट बदलने का नया तरीका उजागर हुआ है। लोग इन नोटों को कूरियर के जरिये विदेश भेजते हैं ताकि बाद में इन्हें देश में बदलवा लिया जाए। कस्टम विभाग ने ऐसे कई मामले पकड़े हैं। अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) के लिए बंद नोट बदलवाने की समय सीमा 30 जून है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कस्टम अधिकारियों ने कूरियर के जरिये बंद नोट विदेश भेजे जाने के कुछ मामले दर्ज किए हैं और करीब एक लाख रुपये के ऐसे नोट जब्त किए हैं। कुछ लोग पुराने नोट को किताब जैसे सामान बताकर भेजने का प्रयास करते पाए गए। ऐसा इन नोटों को बदलने में विदेश में रह रहे अपने परिजनों या मित्रों की मदद लेने के उद्देश्य से किया जा रहा था। विदेश सेवा वाले डाकघर से भेजे जाने वाले पार्सल पर कस्टम अधिकारी नजर रख रहे थे। इसी क्रम में उन्हें पार्सल में बंद नोट मिले। अधिकारी ने कहा कि कोश्या और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भेजी जा रही खेप पकड़ी गई। ऐसे मामले देश के कई अन्य विदेश सेवा वाले डाकघर में भी दर्ज किए गए हैं।

गौरतलब है कि पिछले साल आठ नवंबर को 500 और 1,000 रुपये के नोट बंद करने के बाद सरकार ने लोगों को 30 दिसंबर 2016 तक बंद नोट बैंकों में जमा कराने का समय दिया था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नवंबर-दिसंबर 2016 के दौरान विदेश में रहने वाले भारतीयों के लिए 31 मार्च 2017 तक बंद नोट जमा कराने की समय सीमा तय की थी। इसी तरह एनआरआई 30 जून तक केवल मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और नागपुर के आरबीआई

## कार्यालयों में बंद नोट जमा कर सकते हैं। ऐसे एनआरआई को भारत आने पर हवाई अड्डे पर बंद नोटों का ब्यौर कस्टम अधिकारियों को देना होगा। इस संबंध में कस्टम अधिकारियों उन्हें सर्टिफिकेट देंगे जिस बंद नोट बदलते समय आरबीआई को देना होगा।



**कस्टम ने उजागर किया मामला, एनआरआई 30 जून तक बदल सकते हैं बंद नोट**

**डीआरआई ने जब्त किए 16 करोड़ के पुराने नोट**

**नई दिल्ली :** राजस्व खुफिया निदेशालय ने रविवार को 15.75 करोड़ रुपये के पुराने नोट जब्त किए हैं। अधिकारी ने बताया कि झुंडेवालान मेट्रो स्टेशन के नजदीक आवासीय ठिकानों पर छापे में 1,000 और 500 के बंद नोट बरामद किए गए। इस सिलसिले में 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपी रियल एस्टेट, ज्वेलरी और अन्य कारोबार से जुड़े हैं। इसके लिए उन पर 78.75 करोड़ तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। नए कानून के मुताबिक, बंद नोट रखना दंडनीय है। इसके लिए 10,000 रुपये या बरामद राशि के मूल्य का पांच गुणा जुर्माना लगाया जा सकता है।

कार्यालयों में बंद नोट जमा कर सकते हैं। ऐसे एनआरआई को भारत आने पर हवाई अड्डे पर बंद नोटों का ब्यौर कस्टम अधिकारियों को देना होगा। इस संबंध में कस्टम अधिकारियों उन्हें सर्टिफिकेट देंगे जिस बंद नोट बदलते समय आरबीआई को देना होगा।

## मोदी और शाह से मिले योगी

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली :** सत्ता में एक पखवाड़ा गुजार चुके उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह से मुलाकात कर राजकाज पर चर्चा की। शाम को उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी भेंट की। मोदी और शाह ने उग्र में भाजपा की सरकार बनने पर राज्य कैबिनेट की पहली बैठक में ही फसली ऋण माफी पर फैसला लेने का वादा किया था। योगी ने उसे निभाया। बताते हैं कि शाह ने उन्हें संकल्प पत्र के बाकी वादों पर भी तेजी से बढ़ने का सुझाव दिया।

यूं तो योगी की दोनों नेताओं के साथ मुलाकात को औपचारिक शिफ्टाचार बैठक बताया जा रहा है। लेकिन सूत्रों का मानना है कि अमित शाह के साथ लगभग आधे घंटे की चर्चा में राजनीतिक घटनाक्रम के साथ-साथ भावी प्रदेश अध्यक्ष तक के मुद्दे पर भी विचार हुआ। केशव प्रसाद मौर्य के उपमुख्यमंत्री बनने के बाद उग्र में ऐसे फुलटाइम अध्यक्ष की जरूरत है, जो केवल संगठन पर ध्यान दे सके। अगले शनिवार से भुवनेश्वर में भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक है। बताते हैं कि उससे पहले नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति मुश्किल है। बैठक के बाद ही किसी नाम की घोषणा हो सकती है।

# 20 साल बाद डॉक्टर चिकित्सीय लापरवाही के आरोप से मुक्त

**नई दिल्ली, प्रे़र :** सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र की एक डॉक्टर को 20 साल बाद चिकित्सीय लापरवाही के आरोप से मुक्त कर दिया है। सड़क दुर्घटना के एक पीड़ित की अस्पताल में मौत के बाद उन पर यह आरोप लगा था।

जस्टिस एमबी लोकुर और जस्टिस दीपक गुला की पीठ ने कहा, ‘किसी डॉक्टर के लिए यह कतई संभव नहीं है कि वह इलाज को लेकर यह आश्वासन या गारंटी दे सके कि उसका परिणाम सकारात्मक ही होगा।

एक पेशेवर सिर्फ यही आश्वासन दे सकता है कि वह पेशेवर रूप से सक्षम है और उसके पास सोंपे गए कार्य को सावधानी पूर्वक करने की जरूरतें कुशलता है।’ दरअसल, 29 अगस्त, 1997 को अमरावती के इरविन अस्पताल में एक मरीज को देखने के लिए आरोपी डॉक्टर (सर्जन) को बुलाया गया था। उसकी जांच करने के बाद डॉक्टर ने पाया कि मरीज के पेट में दर्द था। लिहाजा उन्होंने फिजीशियन को बुलाने की सलाह दी, लेकिन कोई भी फिजीशियन

मरीज को देखने नहीं आया। आरोपी सर्जन पर प्रमुख आरोप यह था कि उन्होंने फिजीशियन के आने का इंतजार नहीं किया, जबकि मरीज हैमोफीलिया से पीड़ित था। इस बीमारी में मरीज के खून में थक्का जमने की क्षमता प्रभावित हो जाती है। इस वजह से मरीज की अगले ही दिन मौत हो गई थी। मरीज के भाई ने आरोपी सर्जन के अलावा दो और डॉक्टरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। महाराष्ट्र हाई कोर्ट की नानापुर पीठ ने आरोपी सर्जन को दोषी पाया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सर्जन को मरीज के शरीर पर खून बहने या चोट का कोई साक्ष्य नहीं मिला था। लिहाजा उन्होंने फिजीशियन को बुलाने का सुझाव दिया था।

वह अस्पताल से इसलिए चर्ली गई क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि फिजीशियन जल्द ही आ जाएगा। अगर अस्पताल स्टॉफ ने देखा कि फिजीशियन नहीं आ सका तो उन्हें सर्जन को फिर बुला लेना चाहिए था, लेकिन ऐसा भी नहीं किया गया।

कह के रहेंगे

माधव जोशी

यूपी का विकास

उज्जत मॉडल







#### न्यूज गेलरी

**वर्दीधारी बना रोमियो, ब्रिगेडियर की पत्नी से की छेड़छाड़**

बरौली : एंटी रोमियो टीम सड़क से गाथब और वर्दीधारी रोमियो बन रहे हैं। रविवार को उग्र के बरेली शहर के सबसे पॉश इलाके सिविल लाइंस में स्टायडर्ड ब्रिगेडियर की पत्न ी वर्दीधारी रोमियो की छेड़छाड़ की शिकार हुई। हालाँकि, उन्होंने हिम्मत दिखाई। अन्य महिलाएं भी मदद को दौड़ीं और उसे भागना पड़ा। शिकायत के बाद पुलिसकर्मियों की परेड भी कराई गई, लेकिन आरोपी पकड़ में नहीं आया। स्टायरड ब्रिगेडियर पत्नी के साथ खरीददारी करने पहुंचे थे। वह काम से सड़क के दूसरी ओर गए थे। पत्नी खरीदारी कर सड़क पर पहुंचीं, उसी दौरान पीछे आ रहे खाकी वर्दीधारी ने उन पर अश्लील कमेंट पास कर दिया। अफसर की पत्नी ने विरोध किया तो वर्दीधारी ने बदसलूकी की है। अफसर की पत्नी ने उसका कॉलर पकड़कर शोर मचा दिया। इस पर अन्य महिलाएं मदद के लिए लपकीं तो वर्दीधारी ने धक्का देकर अपना कॉलर छुड़ाया और फरार हो गया। पीड़ित दंपती एसपी सिटी ऑफिस पहुंचा। जिसके बाद एसपी सिटी समीर सौरभ ने इंस्पेक्टर समेत चौकी डेचार्ज को माँके पर भेजा। उन्होंने वर्दीधारी की तलाश की, लेकिन कुछ थता नहीं चला। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से आरोपी की तलाश में जुट गई है। डीजीपी को टवीर कर शिकायत की गई तो उन्होंने इसका संज्ञान लिया। उनके पीआरओ ने आइजी को मामले की जांच व कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। आइजी विजय प्रकाश का कहना है कि एसपी सिटी को पूरा प्रकरण देखने और कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

**भारत-नेपाल संबंधों पर चर्चा को जुटेंगे विशेषज्ञ**

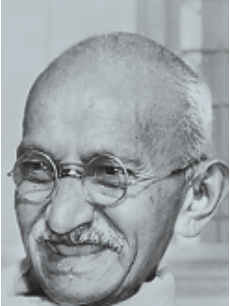
देहरादून : मंगलवार को नेपाल और भारत के विशेषज्ञ सुरक्षा मसलों पर मंथन को देहरादून में जुटेंगे। इसमें आर्कौ की घुसपैठ पर अंकुश और बदले हालात में राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चर्चा होगी। भारत की अंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद और नेपाल के नीति अनुसंधान प्रतिष्ठान संयुक्त रूप से इस दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन करेंगे। अंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद के अध्यक्ष गजीब बेरी ने बताया कि भारत-नेपाल मैत्री संबंधों को नया आयाम देने के उद्देश्य से दोनों संस्थाओं ने कुल पांच सेमिनार की श्रृंखला तय की है। इसके तहत पहला सेमिनार फरवरी में दिल्ली, दूसरा मार्च में वीरगंज नेपाल और तीसरा देहगढ़ून में आयोजित किया जा रहा है। चौथा बनारस और अंतिम नेपाल में होगा। पांचों सेमिनारों की रिपोर्ट दोनों देशों की सरकारों को भेजी जाएगी। उन्होंने बताया कि भारतीय वन अनुसंधान संस्थान के सभागार में होने वाले आयोजन का उद्घाटन उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत करेंगे। उन्होंने बताया कि इसमें पूर्व विदेश सचिव शशांक प्रोखरा, बीएसएसफ के पूर्व महानिदेशक शक्रा सिंह, नेपाल में भारत के पूर्व राजदूत केवी रंजन, नेपाल के पूर्व विदेश सचिव मधु रम्ण आचार्य, नेपाल पूर्व चीफ ऑफ कमांडी स्टॉफ जनरल रकुमनाथ कुटुवाल, जनरल (सेन) गौरव शमशेर जेबी राय, जनरल (सेन) रन बहादुर केडेल जैसी शख्सियतें शिरकत करेंगी।

**वीरभद्र के आय से अधिक संपत्ति केस में आज होगी अहम सुनवाई**

नई दिल्ली : हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह पर दर्ज आय से अधिक संपत्ति के मामले में सोमवार को पटियाला हाउस कोर्ट की विशेष सीबीआइ अदालत में अहम सुनवाई होगी। न्यायाधीश विवेंद्र कुमार गोयल सीबीआई के आरोप पत्र पर संज्ञान लेने के बाद मुख्यमंत्री, उनकी पत्नी सहित सभी नौ आरोपियों को बतौर आरोपी अदालत में पेश होने का आदेश दे सकते हैं। सीबीआई ने बीते सप्ताह मुख्यमंत्री व उनकी पत्नी सहित कुल नौ लोगों के खिलाफ अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया था। जांच एजेंसी ने दावा किया था कि मुख्यमंत्री के पास तय आय से 10 करोड़ अधिक संपत्ति पाई गई थी। यह पाया उनकी परिश्रित आय से 192 फीसद अधिक है। सीबीआई का कहना है कि केन्द्र में संग्र-2 सरकार के दौरान मंत्री रहते हुए वीरभद्र सिंह ने यह अवैध रकम अर्जित की थी।

## यादें

शिक्षा का प्रकाश फैलाने के लिए भित्तिहरवा में पाठशाला के लिए दान मांगी जमीन, भित्तिहरवा मठ के बाबा राम नारायण दास ने बापू के आग्रह पर दी जमीन



**फील गुड** ▶ आर्थिकी के बाद अब पर्यटन भी बढ़ाएगा हिमाचल प्रदेश का सेब

# सेब के बगीचों की सैर करेंगे पर्यटक

**पर्यटन निगम ने ब्लूमिंग सीजन को सैलानियों से जोड़ने का किया प्रयास**

**रविंद्र शर्मा, शिमला**

हिमाचल प्रदेश की आमदनी की रीढ़ माने जाना वाला सेब अब प्रदेश के पर्यटन उद्योग को भी बढ़ाने में मदद करेगा। पर्यटन निगम ने ब्लूमिंग सीजन यानी सेब के पौधों में फूल आने के समय को पर्यटकों के साथ जोड़ने के लिए नई योजना तैयार की है। इस योजना के तहत पर्यटकों को ब्लूमिंग सीजन के दौरान अपर शिमला में मौजूद सेब के बगीचों की सैर करवाई जाएगी। इसके लिए निगम ने शिमला से 50 से 60 किलोमीटर के दायरे में आने वाले शिलारू, कंडवाली और मल्पाणा में मौजूद सेब के बगीचों का चयन किया है। इसके अलावा कोटगढ़ में भी पर्यटकों को घुमाने के लिए ले जाया जाएगा।

पर्यटन निगम ने एक हजार और 3500 रुपये कीमत के दो पैकेज तैयार किए हैं। एक हजार के पैकेज में पर्यटकों को बगीचों की सैर करवाने के अलावा दिन का खाना और चाय दी जाएगी, 3500 के पैकेज में शिलारू, कंडवाली और मल्पाणा में घुमाने के बाद रात को नारकंडा में होटल में ठहराया जाएगा। अगले दिन सुबह कोटगढ़ स्थिम बगीचों की सैर करवाई जाएगी। **होम स्टे भी चल रहे** : पर्यटकों को हिमाचल की संस्कृति और परंपरा से रूबरू करवाने के लिएपर्यटन निगम ने होम स्टे योजना भी चलाई थी। कुछ वागवानों ने अपने सेब के बगीचों में होम स्टे बनाकर पर्यटकों को आकर्षित किया है। ऐसे में कम पर्यटकों को ही ब्लूमिंग सीजन का लुत्फ उठाने का मौका मिलता है। सेब बगीचों की सैर करवाने के लिए पर्यटन निगम की साइट पर ऑनलाइन बुकिंग करवा की जा सकती है। इसके अलावा शिमला में टूरिस्म के होटल व सूचना केंद्र में भी पर्यटक संपर्क कर सकते हैं।

# 1300 करोड़ की हेराफेरी में कुडोज कंपनी पर छापा

**जागरण संवाददाता, मोहाली**

डेराबस्सी की कुडोज कंपनी में रविवार सुबह दिल्ली से आई सीबीआई की टीम ने छापामारी की। टीम में तीन अधिकारी और पंजाब नेशनल को बैंक के करीब 6 कर्मचारी शामिल थे, जिन्होंने करीब करीब मिनट तक जांच की। कंपनी के गेट गेट नंबर-1 पर तैनात अरुण कुमार और 2 पर तैनात सिक्कीमटी गाई बंसी ने बताया कि उनसे किसी तरह की पूछताछ नहीं की गई। बीस मिनट के दौरान टीम के कर्मी फोन पर भी जानकारी लेते दिखे। इस दौरान सीबीआई टीम की फेज-7 स्थित कार्यालय पर भी गई लेकिन वहां अब कंपनी का कार्यालय बंद हो चुका है।

कंपनी प्रबंधन पर पंजाब नेशनल बैंक से लगभग 1,300 करोड़ रुपये की हेराफेरी करने का आरोप है। कुडोज केमि लिमिटेड, चंडीगढ़ और इसके तीन निदेशकों जितेंद्र सिंह, कबीर सोढ़ी और गुरमीत सोढ़ी पर आपराधिक साजिश और हेराफेरी के तहत मामला दर्ज किया गया है। पीएनबी ने शिकायत की थी कि कंपनी के

# कलयुगी बेटे ने दी मां की बलि

**जागरण न्यूज नेटवर्क, कोलकाता**

देवी को खुश करने के लिए एक बेटे ने अपनी मां की ही बलि चढ़ा दी। स्तब्ध करने वाली यह खोफनाक घटना पुरालिया जिले के बड़ाबाजार थानाक्षेत्र के बागूमार्ग में घटी। मां की बलि चढ़ाने के बाद कलयुगी बेटा मौके से फरार हो गया। ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया और पिटाई करने के बाद पुलिस के हवाले कर दिया।

सूत्रों के मुताबिक, बागूमार्ग निवासी फुली महतो (55) के पुत्र नारायण महतो (35) ने घर में मां काली के मंदिर का निर्माण किया था। वह दिनभर पूजा-अर्चना एवं तंत्र-साधना में मग्न रहता था। इसे लेकर मां से असरर उसका झगड़ा होता था। नारायण शादी करना चाहता था। इस पर मां ने उसे कहा था कि शादी करने के लिए उसे

**सुदर्शन पटनायक**  
**मास्को चैंपियनशिप**  
**के लिए चयनित**

**भुवनेश्वर** : प्रख्यात रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक का चयन 10वीं मास्को सैंड आर्ट चैंपियनशिन 2017 में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए हुआ है। 'द वर्ल्ड अगउंड अस' थीम वाली इस चैंपियनशिप का आयोजन 22 से 28 अप्रैल तक मास्को में होना है। इसमें दुनिया के विभिन्न देशों के शीर्ष रेत कलाकार भाग लेंगे।

**1000** और 3500 रुपये कीमत के दो पैकेज पर्यटन निगम ने तैयार किए हैं।

**पहला पैकेज इसी माह**

पर्यटकों को सेब के बगीचों में घुमाने के लिए निगम को ओर से तैयार किया गया पैकेज 15 से 30 अप्रैल तक लागू रहेगा। पर्यटन निगम के अधिकारियों की मानें तो उन्हें अभी से इस पैकेज लिए पर्यटकों के फोन आने शुरू हो गए हैं। सेब के पौधे के बारे में जानने की इच्छा रखने वाले पर्यटकों के लिए ये अच्छा मौका है।

**पर्यटन निगम ने पहली बार इस प्रकार का पैकेज तैयार किया है। ब्लूमिंग सीजन के दौरान पर्यटकों को प्रदेश की और आकर्षित करने के लिए इस पैकेज को तैयार किया गया है।**

**- विजय शर्मा, जीएम पर्यटन निगम।**

# फिल्मी सितारे खूबसूरत मनाली पर दिल हारे

**जागरण संवाददाता, मनाली**

हिमाचल की वादियां फिल्मी सितारों को अपनी ओर खींच रही हैं। ज़िंदगी के सुकून भर पल इन शांत वादियों में गुज़रने के लिए फिल्मी सितारे अब यहां आशियाने के लिए जगह तलाश रहे हैं। मनाली इनको खूब वा रही है। हाल ही में मनाली क्षेत्र में अभिनेत्री कंगना रनौत ने घर बनाया है, तो बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल भी यहां आशियाना बनाना चाहते हैं। अपने बेटे को फिल्म 'पल-पल दिल के पास' से लांच करने के लिए उन्होंने शूटिंग के लिए कई लोकेशन देखी तो आशियाने के लिए जगह भी। वह सिमसा, रामेड़ी, गधेरनी, बुरुआ, शानाग, बटाहर, हरिपुर जैसे घाटी क्षेत्रों में आशियाने के लिए जगह भी देख रहे हैं।

पर्यटन नगरी मनाली फिल्मी जगत को 60 के



दशक में अपनी ओर आकर्षित करने में सफल रही थी, लेकिन बॉलीवुड अभिनेताओं के यहां बसने का क्रम 80 के दशक में ही शुरू हुआ था। बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार ने 80 के दशक में पर्यटन नगरी मनाली में अपना आशियाना बनाया था। धारावाहिक रामायण के निर्माता रामानंद सागर ने भी कुछ साल बाद 80 के ही दशक

## केदारधाम की महिमा से भी रूबरू होंगे यात्री

**संबाद सहयोगी, रुद्रप्रयाग** : आगामी यात्रा सीजन में यात्री केदारनाथ की महिमा से भी रूबरू होंगे। केदारनाथ मंदिर के पीछे बनाई गई त्रिस्तरीय सुरक्षा दीवार पर धाम के इतिहास समेत अन्य प्रामाणिक जानकारीयों अंकित की गई हैं। इसके अलावा केदारनाथ आपदा में हुए नुकसान और वर्ष 2014 से हो रहे पुनर्निर्माण कार्यों की जानकारी भी दीवार पर दर्ज है। नेहरू पर्वतारोहण संस्थान (निम) की ओर से केदारपुरी में वर्ष 2014 से पुनर्निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। निम वहां तीन हेलीपैड, वैली ब्रिज, पैदल रास्ते, हट, मंदिर तक 50 फीट लंबा रास्ता, सुरक्षा दीवार, प्रदर्शन किया था, लेकिन इसके बावजूद कंपनी प्रबंधन ने ताला जड़ दिया था। कंपनी में कॉफी में पड़ने वाली केफी और सिगरेट में इस्तेमाल होने वाले पदार्थ बनाए जाते हैं।

तीन निदेशकों के अलावा कई अज्ञात लोगों ने जाली रस्तावेजों से ऋण सुविधा का लाभ उठाते हुए वैसे से 1301 करोड़ रुपये निकाल लिए। इसको लेकर टीमां की ओर से रविवार को अलग-अलग जगह पर छापेमारी की गई। लेकिन टीमां के हाथ कुछ नहीं लगा।

तंत्र साधना छोड़नी होगी। इसे लेकर शुक्रवार को दोनों में काफी झगड़ा हुआ था। शुक्रवार शाम जब मां घर में स्थित मंदिर की सफाई कर रही थी, उसी समय नारायण ने खड्ग से उनके सिर पर वार करके उनकी हत्या कर दी और भाग गया। मुत्का का बड़ा बेटा थोड़ी देर बाद जब घर आया तो मां की सिरकटी खून से लथपथ लाश देखी। इसके बाद पूरे गांव में आग की तरह खबर फैल गई। गांववालों ने नारायण की तलाश शुरू की और थोड़ी देर में उसे घर दबोचा। पिटाई करने के बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। पूछताछ में उसने बताया कि परिवार की खुशहाली के लिए ही मां की बलि चढ़ाई। बलि से मां काली खुश रहता था। इसे लेकर मां से अक्सर उसका झगड़ा होता था। नारायण शादी करना चाहता था। इस पर मां ने उसे कहा था कि शादी करने के लिए उसे

तंत्र साधना छोड़नी होगी। इसे लेकर शुक्रवार को दोनों में काफी झगड़ा हुआ था। शुक्रवार शाम जब मां घर में स्थित मंदिर की सफाई कर रही थी, उसी समय नारायण ने खड्ग से उनके सिर पर वार करके उनकी हत्या कर दी और भाग गया। मुत्का का बड़ा बेटा थोड़ी देर बाद जब घर आया तो मां की सिरकटी खून से लथपथ लाश देखी। इसके बाद पूरे गांव में आग की तरह खबर फैल गई। गांववालों ने नारायण की तलाश शुरू की और थोड़ी देर में उसे घर दबोचा। पिटाई करने के बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। पूछताछ में उसने बताया कि परिवार की खुशहाली के लिए ही मां की बलि चढ़ाई। बलि से मां काली खुश रहता था। इसे लेकर मां से अक्सर उसका झगड़ा होता था। नारायण शादी करना चाहता था। इस पर मां ने उसे कहा था कि शादी करने के लिए उसे

अप्रैल महीने के बाद गांधी जी दोबारा भित्तिहरवा पर छठरें। वे भित्तिहरवा में महउआ के एक पेड़ के नीचे बैठ जब किसानों की समस्या सुन रहे थे उसी दौरान उन्होंने यहां पाठशाला स्थापना की इच्छा जाहिर की। बापू ने महसूस किया था कि इलाके में किसानों के शोणण की एक बड़ी वजह अशिक्षा भी है।

**भुवनेश्वर** : प्रख्यात रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक का चयन 10वीं मास्को सैंड आर्ट चैंपियनशिन 2017 में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए हुआ है। 'द वर्ल्ड अगउंड अस' थीम वाली इस चैंपियनशिप का आयोजन 22 से 28 अप्रैल तक मास्को में होना है। इसमें दुनिया के विभिन्न देशों के शीर्ष रेत कलाकार भाग लेंगे।



## गोसेवा के लिए गिरवी रख दी जमीन

मंनारली को अपना घर माना और यहां सागर रिजॉर्ट का निर्माण किया। 2015 में बॉलीवुड स्टार कंगणा रनौत ने भी अपनी पसंद में विदेशी पर्यटकों के लिए जिला प्रशासन की अनुमति अनिवार्य कर दी गई। मनाली में फिल्म सिटी को लेकर अभिनेता सनी देओल 2012 में तत्काल भू-राजस्व मंत्री गुलाब सिंह से भी मिले थे और सरकारी भूमि उपलब्ध करवाने का आग्रह किया था, लेकिन औपचारिकताओं की रुकावट से उनकी यह योजना अभी सिरे चढ़ती नहीं दिख रही है। शानाग के पूर्व प्रधान वेद राम ठाकुर ने बताया कि सनी देओल उनके बहुत अच्छे मित्र हैं। वह उनके साथ भी यहां आशियाना बनाने को लेकर उनके साथ चर्चा कर चुके हैं तथा जगह भी देख चुके हैं। सनी के समन्वयक विक्रम सिंह ने भी इस बात की पुष्टि की है।

# विशेष

# घर बैठे लीजिए प्रतिबंधित क्षेत्र में सैर की अनुमति

**शैलेंद्र गोदियाल, उत्तरकाशी**

उत्तरकाशी के बर्फीले बियाबान का रोमांच अब पर्यटकों के लिए रहस्य नहीं रहेगा। हर्षिल से शुरू होने वाली इनर लाइन ( वह सीमा जिससे आगे जाने के लिए प्रशासन की अनुमति जरूरी है ) में प्रवेश के लिए सस्कार ने सिंगल विंडो सिस्टम को 'पथिक' नाम से लांच किया है। उत्तरखंड पर्यटन विभाग की वेबसाइट पर मौजूद 'पथिक' के जरिये पर्यटक घर बैठे ही अनुमति के लिए आवेदन कर सकते हैं। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र रावत ने सात अप्रैल को 'पथिक' सिस्टम लांच किया है। सैलानी सोमवार से अनुमति के लिए आवेदन कर सकेंगे।

उत्तरकाशी का करीब चालीस फीसद भाग समुद्र तल से साढ़े तीन से चार हजार मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। शुष्क पहाड़ और छोटी-छोटी नदियां वाले इस इलाके में हर्षिल, नेलांग घाटी, कालिंदी पास और गंगोत्री नेशनल पार्क का एक बड़ा भाग है। वर्ष 1962 में भारत-चीन युद्ध से पहले यहां देशी-विदेशी सैलानियों का आना-जाना लगा रहता था। युद्ध के बाद विदेशी सैलानियों पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी गई और देशी पर्यटकों के लिए जिला प्रशासन की अनुमति अनिवार्य कर दी गई।

उत्तरकाशी के जिलाधिकारी डॉ. आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि वर्ष 2014 में जिला प्रशासन और गंगोत्री नेशनल पार्क ने यह इलाका पर्यटकों के लिए खोले जाने को संयुक्त पहल शुरू की, जिसके बाद रक्षा मंत्रालय के सहयोग से नियमों में कुछ ढील दी गई। अब देशी और विदेशी सैलानी यहां सैर कर सकते हैं, लेकिन विदेशी सैलानियों को यहां रात्रि विश्राम की अनुमति नहीं है। दिनभर घूमने के बाद उन्हें हर्षिल लौटना होता है।

सिंगल विंडो सिस्टम 'पथिक' से यह

# गोसेवा के लिए गिरवी रख दी जमीन



बांदा : नरैनी क्षेत्र के नहरी गांव स्थित गोशाला की देखरेख करते ब्रजकिशोर।

अपनी 25 बीघा जमीन गिरवी रख दी। 2012 में ब्रजकिशोर ने गोशाला समिति रजिस्टर्ड कराई और अपने ही एक एकड़ खेत में गोशाला बनाकर गोसेवा में लग गए। इस समय वह लगभग एक सैकड़ा गावों का पालन-पोषण कर रहे हैं। शुरुआत उन्होंने अकेले को लेकिन, अब गांव के ही दयाराम अहिरवार उन्हें एक साथी के रूप में मिल गए हैं। उन्होंने बताया कि मदद मिले या न मिले यह अभिभाव आगे भी जारी रहेगा। **नई सरकार से जगी उम्मीद :**

# हकीकत से दूर मोगली गर्ल को बेटी बताने वालों के दावे

**जेएनएन, लखनऊ**

उग्र के बहराइच स्थित तर्नियाघाट के जंगलों में मिली मोगली गर्ल को अपनी बेटी बताने वाले परिवार के दावे हकीकत से मेल नहीं खा रहे। शनिवार को जौनपुर का यह परिवार एक इशितहार का पर्चा लेकर बहराइच पहुंचा था जिसमें एक बच्ची की तस्वीर है और पहुंचाने के लिए तीन नंबर दिए हैं। परिवार का दावा है कि यह उनकी बेटी है जो पिछले साल 28 मार्च को घर के बाहर खेलते हुए लापता हो गई थी।

मोगली गर्ल को अपने छोटे भाई की बेटी बताने वाले हमिद अली व खुद को बच्ची का दावेदार को बालिका तभी सीपी जाएगी जब तक दावा करने वालों की पूरी जांच न करा ली जाए। उन्होंने कहा कि एसपी जौनपुर से लातन कर जांच कराई जाएगी। बालिका को दोनो इस बात की जवाब नहीं दे पाए कि बच्ची को लेने उसके माता पिता क्यों नहीं आए। और बच्ची का पिता बाहर मजदूरी करता है। कहां? यह नहीं बता पाए। जौनपुर से वह

**दावों से अलग है हकीकत**

**दावा :** दावेदारों के मुताबिक बालिका जन्मजात गूंगी व बहरी है। **हकीकत :** बालिका को सुनने में परेशानी नहीं। हां, वह अभी शब्द नहीं बोल पाती लेकिन चौखटी है।

**दावा :** निवांण संस्था पहुंचे लोगों ने खुद को बच्ची का दादा व ताऊ बताया है। **हकीकत :** जब बच्ची से उनकी मुलाकात कराई गई तो उसका दोनों के प्रति ऐसा कोई रिएक्शन नहीं था जिससे लगे कि वह उन्हें पहले से जानती है।



**1962** में चीन के साथ युद्ध से पहले इस इलाके में देशी-विदेशी सैलानियों का आना-जाना लगा रहता था।

**2014** में जिला प्रशासन और गंगोत्री नेशनल पार्क ने इलाका पर्यटकों के लिए खोले की पहल की

**200** रुपये देशी सैलानियों के लिए और 600 रुपये विदेशियों के लिए रखा गया है

**इनर लाइन के पर्यटन स्थल** हर्षिल, नेलांग एवं कालिंदी पास, गंगोत्री नेशनल पार्क में गोमुख, तपोवन, नन्दन वन, सुन्दरवन, वासुकीताल, केदारताल के अलावा गाँवदेव पशु विहार में पड़ने वाले हरकौटून, केदारकोटा, रूपिन पास, चाँदसिल बुग्याल, देवक्यारा, स्वर्गारोहणी

अनुमति सिर्फ तीन दिन में मिल जाएगी। उन्होंने बताया कि देशी सैलानियों के लिए प्रति व्यक्ति शुल्क 200 रुपये और विदेशियों के लिए 600 रुपये रखा गया है। इसके अलावा वाहन शुल्क के तौर पर 250 रुपये लिए जाएंगे। वाहन शुल्क देशी और विदेशी के लिए समान होगा।

जागरण



यहां बहराइच के जंगलों तक कैसे पहुंच गईं, इसका भी कोई जवाब नहीं है जबकि वहां से न कोई सीधी बस सेवा है और न ट्रेन। बहराइच एसपी डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि किसी भी दावेदार को बालिका तभी सीपी जाएगी जब तक दावा करने वालों की पूरी जांच न करा ली जाए। उन्होंने कहा कि एसपी जौनपुर से लातन कर जांच कराई जाएगी। बालिका को दोनो इस बात की जवाब नहीं दे पाए कि बच्ची को लेने उसके माता पिता क्यों नहीं आए। और बच्ची का पिता बाहर मजदूरी करता है। कहां? यह नहीं बता पाए। जौनपुर से वह

**दावा :** दावेदारों के मुताबिक बालिका जन्मजात गूंगी व बहरी है। **हकीकत :** बालिका को सुनने में परेशानी नहीं। हां, वह अभी शब्द नहीं बोल पाती लेकिन चौखटी है। **दावा :** निवांण संस्था पहुंचे लोगों ने खुद को बच्ची का दादा व ताऊ बताया है। **हकीकत :** जब बच्ची से उनकी मुलाकात कराई गई तो उसका दोनों के प्रति ऐसा कोई रिएक्शन नहीं था जिससे लगे कि वह उन्हें पहले से जानती है।



न्यूज गेलरी

दो से अधिक बच्चे वालों को सरकारी नौकरी नहीं

**गुवाहाटी** : असम सरकार ने रविवार को जनसंख्या नीति का मसौदा घोषित किया। इसमें दो से अधिक बच्चे वाले लोगों को सरकारी नौकरी नहीं देने की बात कही गई है। इसके अलावा राज्य में लड़कियों के लिए विश्वविद्यालय स्तर तक निशुल्क शिक्षा की बात कही गई है। असम के स्वास्थ्य मंत्री हेमंत विश्व शर्मा ने गुवाहाटी में प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'हमने जनसंख्या नीति के मसौदे में सुझाव दिया है कि जिन लोगों के दो से अधिक बच्चे होंगे उन्हें सरकारी नौकरी के योग्य नहीं माना जाएगा। इस शर्त को पूरा करने के बाद नौकरी पाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को सेवा की समाप्ति तक इस नियम का पालन करना होगा। वहीं राज्य चुनाव आयोग द्वारा कराए जाने वाले पंचायत और नगरपालिका चुनाव के उम्मीदवारों पर भी यह नियम लागू होगा।' मंत्री के मुताबिक बाल विवाह करने वाले लोग सरकारी नौकरी के लिए अयोग्य हो जाएंगे। इस नीति में राज्य जनसंख्या परिषद और राज्य जनसंख्या शोध केंद्र के गठन का भी प्रस्ताव किया गया है।

सेल्फी लेते खाई में गिरी पर्यटक, मौत

**चंबा** : परिवार के साथ पंजाब से खजियार घूमने आई महिला को सेल्फी के चक्कर में जान से हाथ धोना पड़ा। मृतका की पहचान राजवीर कौर पत्नी जगदीप कौर (37) निवासी बदला पंजाब के रूप में हुई है। महिला परिवार के साथ खजियार के साथ गेट व दुगली में घूमने आई थीं। इस दौरान सेल्फी लेने के लिए एक बड़े पत्थर पर चढ़ गईं। अचानक उसका पांव फिसल गया और वह खाई में जा गिरी। परिजनों ने घायलवस्था में महिला को क्षेत्रीय अस्पताल चंबा पहुंचाया। वहां महिला ने दम तोड़ दिया। मामले में पुलिस मायके पक्ष का भी बयान दर्ज करेगी। इसके बाद पुलिस अगली कार्रवाई करेगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनोद शर्मा का कहना है कि अस्पताल में पहुंचने से कुछ समय पहले ही महिला की मौत हुई है।

बिहार के भागलपुर में दो पक्षों के बीच तनाव, आगजनी

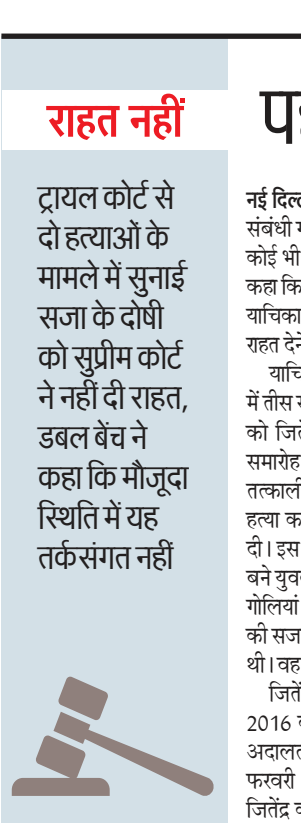
**भागलपुर** : बिहार के भागलपुर जिले के मोजाहिंदपुर थाना क्षेत्र के बाल्टी कारखाना चौक के पास स्थित एक धार्मिक स्थल पर रविवार सुबह शरती तत्वों ने एक डिब्बे में अपवित्र सामान और आपत्तिजनक पत्र रख दिया। इसे लेकर दो पक्षों के बीच तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। लोगों ने मुख्य सड़क पर जाम लगाते हुए आगजनी की और नारे लगाए। प्रशासन ने तीन घंटे की मशकत के बाद लोगों को समझाकर शांति किया।

रायपुर रेलवे स्टेशन की पार्किंग में आग, सैकड़ों वाहन जले

**रायपुर** : छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर रेलवे स्टेशन स्थित दोपहिया पार्किंग में रविवार दोपहर भीषण आग लग गई। गाड़ियों के फ्यूल टैंक लगातार फटते रहे। कुछ लोग बाइक को खींचते दौड़े, लेकिन तेज लपटों के अगे उनको एक न चली। घटना स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। कुछ ही देर में आग बेकाबू हो चुकी थी। दमकल की चार गाड़ियों को आग पर काबू पाने में दो घंटे लग गए। जीआरपी के अनुसार, लगभग 230 दोपहिया वाहन खाक हो गए। पार्किंग में दो हजार से अधिक दोपहिया वाहन खड़े थे। घटना की सूचना मिलते ही रेल व पुलिस के अफसर मौके पर पहुंचे। आग की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि शहर के हर कोने से आसमान में गहका काला धुआं दिखाई दे रहा था। पार्किंग के एक तरफ होटल, धर्मशाला और कॉलोनी है, जबकि दूसरी तरफ रेलवे पार्सल गोदाम। अच्छा रहा कि न आग फैली और न ही कोहनाभि हुई।

तिरंगे की वेअदवी पर गृह मंत्रालय में शिकायत

**अमृतसर** : अटारी सीमा पर देश के सबसे ऊंचे 350 फुट और अमृत आनंद बाग में 170 फुट ऊंचाई पर लगे तिरंगे का विवाद थमना दिखाई नहीं दे रहा है। बार-बार तिरंगे के फटने का कड़ा संचालन लेते हुए आरटीआई एक्टिविस्ट एडवोकेट पीपी शर्मा ने मिनिस्ट्री आफ होम अफेयर्स के ज्वाइंट सेक्रेटरी डॉ. आरके मित्रा को इसकी आनलाइन शिकायत भेजी है।



लाल आतंक ▶ झारखंड में पीएलएफआइ की फायरिंग में थाना प्रभारी और सिपाही शहीद

सरेंडर के लिए हाथ उठा झोंक दी गोलियां

डीजीपी ने कहा, झारखंड से उग्रवादियों का नौ माह में करेंगे समूल नाश

जागरण संवाददाता, सिमडेगा

**झारखंड के सिमडेगा** जिले में शनिवार की देर रात पीएलएफआइ ( पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया ) उग्रवादियों की फायरिंग में बानो थाना प्रभारी विद्यापति सिंह और सिपाही तुलम बिरूली शहीद हो गए।

सिमडेगा के एसपी राजीव रंजन ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि बानो मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूरी पर स्थित बड़काटोली में बिरसा मकतो के घर में पीएलएफआइ कमांडर गुज्जू गोप तथा अन्य बड़े उग्रवादी ठहरे हुए हैं। जानकारी के बाद उन्होंने बानो, कोलेबिरा तथा महाबुआंग थाना प्रभारी के नेतृत्व में टीम का गठन कर छापामारी करने का निर्देश दिया था।

इसके बाद पुलिस ने उक्त घर की घेराबंदी की और उग्रवादियों को सरेंडर करने को कहा। उग्रवादियों ने हथियार गिराकर हाथ खड़े कर दिए, इसी क्रम में अचानक उग्रवादी हथियार उठाकर अंधाधुंध फायरिंग करने लगे। इसमें विद्यापति और तुलम को गोली लग गई। तुलम ने घटनास्थल पर और विद्यापति ने अस्पताल



उग्रवादियों से मुठभेड़ में शहीद हुए थाना प्रभारी विद्यापति सिंह को श्रद्धांजलि देते डीजीपी डीके पांडेय।

में दम तोड़ दिया। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की, लेकिन अंधेरा तथा जंगल का लाभ उठाकर उग्रवादी भाग गए। घटना में एक अन्य पुलिस

बंदीगढ़ : तेज रफ्तार इनोवा कार चालक ने दो बाइक्स पर सवार होकर जा रहे पांच दोस्तों में पहले दो को टक्कर मार दी। उनसे हुई बहस के बाद दूसरे बाइक पर सवार तीन दोस्तों को रेंड दिया। इससे दो की मौत हो गई व एक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इनोवा चालक राजकुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

वंडीगढ़ : तेज रफ्तार इनोवा कार चालक ने दो बाइक्स पर सवार होकर जा रहे पांच दोस्तों में पहले दो को टक्कर मार दी। उनसे हुई बहस के बाद दूसरे बाइक पर सवार तीन दोस्तों को रेंड दिया। इससे दो की मौत हो गई व एक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इनोवा चालक राजकुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

वंडीगढ़ : तेज रफ्तार इनोवा कार चालक ने दो बाइक्स पर सवार होकर जा रहे पांच दोस्तों में पहले दो को टक्कर मार दी। उनसे हुई बहस के बाद दूसरे बाइक पर सवार तीन दोस्तों को रेंड दिया। इससे दो की मौत हो गई व एक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इनोवा चालक राजकुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

वंडीगढ़ : तेज रफ्तार इनोवा कार चालक ने दो बाइक्स पर सवार होकर जा रहे पांच दोस्तों में पहले दो को टक्कर मार दी। उनसे हुई बहस के बाद दूसरे बाइक पर सवार तीन दोस्तों को रेंड दिया। इससे दो की मौत हो गई व एक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इनोवा चालक राजकुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

वंडीगढ़ : तेज रफ्तार इनोवा कार चालक ने दो बाइक्स पर सवार होकर जा रहे पांच दोस्तों में पहले दो को टक्कर मार दी। उनसे हुई बहस के बाद दूसरे बाइक पर सवार तीन दोस्तों को रेंड दिया। इससे दो की मौत हो गई व एक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इनोवा चालक राजकुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

वंडीगढ़ : तेज रफ्तार इनोवा कार चालक ने दो बाइक्स पर सवार होकर जा रहे पांच दोस्तों में पहले दो को टक्कर मार दी। उनसे हुई बहस के बाद दूसरे बाइक पर सवार तीन दोस्तों को रेंड दिया। इससे दो की मौत हो गई व एक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इनोवा चालक राजकुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

वंडीगढ़ : तेज रफ्तार इनोवा कार चालक ने दो बाइक्स पर सवार होकर जा रहे पांच दोस्तों में पहले दो को टक्कर मार दी। उनसे हुई बहस के बाद दूसरे बाइक पर सवार तीन दोस्तों को रेंड दिया। इससे दो की मौत हो गई व एक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इनोवा चालक राजकुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

वंडीगढ़ : तेज रफ्तार इनोवा कार चालक ने दो बाइक्स पर सवार होकर जा रहे पांच दोस्तों में पहले दो को टक्कर मार दी। उनसे हुई बहस के बाद दूसरे बाइक पर सवार तीन दोस्तों को रेंड दिया। इससे दो की मौत हो गई व एक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इनोवा चालक राजकुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

वंडीगढ़ : तेज रफ्तार इनोवा कार चालक ने दो बाइक्स पर सवार होकर जा रहे पांच दोस्तों में पहले दो को टक्कर मार दी। उनसे हुई बहस के बाद दूसरे बाइक पर सवार तीन दोस्तों को रेंड दिया। इससे दो की मौत हो गई व एक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इनोवा चालक राजकुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

वंडीगढ़ : तेज रफ्तार इनोवा कार चालक ने दो बाइक्स पर सवार होकर जा रहे पांच दोस्तों में पहले दो को टक्कर मार दी। उनसे हुई बहस के बाद दूसरे बाइक पर सवार तीन दोस्तों को रेंड दिया। इससे दो की मौत हो गई व एक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इनोवा चालक राजकुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

वंडीगढ़ : तेज रफ्तार इनोवा कार चालक ने दो बाइक्स पर सवार होकर जा रहे पांच दोस्तों में पहले दो को टक्कर मार दी। उनसे हुई बहस के बाद दूसरे बाइक पर सवार तीन दोस्तों को रेंड दिया। इससे दो की मौत हो गई व एक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इनोवा चालक राजकुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

वंडीगढ़ : तेज रफ्तार इनोवा कार चालक ने दो बाइक्स पर सवार होकर जा रहे पांच दोस्तों में पहले दो को टक्कर मार दी। उनसे हुई बहस के बाद दूसरे बाइक पर सवार तीन दोस्तों को रेंड दिया। इससे दो की मौत हो गई व एक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इनोवा चालक राजकुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

वंडीगढ़ : तेज रफ्तार इनोवा कार चालक ने दो बाइक्स पर सवार होकर जा रहे पांच दोस्तों में पहले दो को टक्कर मार दी। उनसे हुई बहस के बाद दूसरे बाइक पर सवार तीन दोस्तों को रेंड दिया। इससे दो की मौत हो गई व एक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इनोवा चालक राजकुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

वंडीगढ़ : तेज रफ्तार इनोवा कार चालक ने दो बाइक्स पर सवार होकर जा रहे पांच दोस्तों में पहले दो को टक्कर मार दी। उनसे हुई बहस के बाद दूसरे बाइक पर सवार तीन दोस्तों को रेंड दिया। इससे दो की मौत हो गई व एक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इनोवा चालक राजकुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

वंडीगढ़ : तेज रफ्तार इनोवा कार चालक ने दो बाइक्स पर सवार होकर जा रहे पांच दोस्तों में पहले दो को टक्कर मार दी। उनसे हुई बहस के बाद दूसरे बाइक पर सवार तीन दोस्तों को रेंड दिया। इससे दो की मौत हो गई व एक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इनोवा चालक राजकुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

वंडीगढ़ : तेज रफ्तार इनोवा कार चालक ने दो बाइक्स पर सवार होकर जा रहे पांच दोस्तों में पहले दो को टक्कर मार दी। उनसे हुई बहस के बाद दूसरे बाइक पर सवार तीन दोस्तों को रेंड दिया। इससे दो की मौत हो गई व एक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इनोवा चालक राजकुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

वंडीगढ़ : तेज रफ्तार इनोवा कार चालक ने दो बाइक्स पर सवार होकर जा रहे पांच दोस्तों में पहले दो को टक्कर मार दी। उनसे हुई बहस के बाद दूसरे बाइक पर सवार तीन दोस्तों को रेंड दिया। इससे दो की मौत हो गई व एक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इनोवा चालक राजकुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

वंडीगढ़ : तेज रफ्तार इनोवा कार चालक ने दो बाइक्स पर सवार होकर जा रहे पांच दोस्तों में पहले दो को टक्कर मार दी। उनसे हुई बहस के बाद दूसरे बाइक पर सवार तीन दोस्तों को रेंड दिया। इससे दो की मौत हो गई व एक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इनोवा चालक राजकुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

वंडीगढ़ : तेज रफ्तार इनोवा कार चालक ने दो बाइक्स पर सवार होकर जा रहे पांच दोस्तों में पहले दो को टक्कर मार दी। उनसे हुई बहस के बाद दूसरे बाइक पर सवार तीन दोस्तों को रेंड दिया। इससे दो की मौत हो गई व एक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इनोवा चालक राजकुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

वंडीगढ़ : तेज रफ्तार इनोवा कार चालक ने दो बाइक्स पर सवार होकर जा रहे पांच दोस्तों में पहले दो को टक्कर मार दी। उनसे हुई बहस के बाद दूसरे बाइक पर सवार तीन दोस्तों को रेंड दिया। इससे दो की मौत हो गई व एक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इनोवा चालक राजकुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

वंडीगढ़ : तेज रफ्तार इनोवा कार चालक ने दो बाइक्स पर सवार होकर जा रहे पांच दोस्तों में पहले दो को टक्कर मार दी। उनसे हुई बहस के बाद दूसरे बाइक पर सवार तीन दोस्तों को रेंड दिया। इससे दो की मौत हो गई व एक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इनोवा चालक राजकुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

वंडीगढ़ : तेज रफ्तार इनोवा कार चालक ने दो बाइक्स पर सवार होकर जा रहे पांच दोस्तों में पहले दो को टक्कर मार दी। उनसे हुई बहस के बाद दूसरे बाइक पर सवार तीन दोस्तों को रेंड दिया। इससे दो की मौत हो गई व एक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इनोवा चालक राजकुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

राजधानी एक्सप्रेस में लूटपाट, छह जवान निलंबित

जागरण संवाददाता, गाजीपुर

**पूर्व मध्य रेलवे** दानापुर मंडल के गहमर होम सिग्नल के पास रविवार भोर में नई दिल्ली-राजेंद्रनगर राजधानी एक्सप्रेस की चार बोगियों में डकैतों का कहर बरपा। राजेंद्रनगर जा रही राजधानी एक्सप्रेस के दर्जनभर यात्रियों से हजारों की नकदी, मोबाइल फोन सहित अन्य सामान लूटकर डकैत आराम से फरार हो गए। ट्रेन की सुरक्षा में तैनात दस्ते को इसकी भनक तक नहीं लगी। ट्रेन जब पटना पहुंची और यात्रियों ने हंगामा करना शुरू किया तब जीआरपी को जानकारी हुई। इसके बाद उच्चाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच-पड़ताल के बाद ट्रेन की सुरक्षा में लगे एक उपनिरीक्षक व छह जवानों को निलंबित कर दिया गया। जबकि कोच अटेंडेंट संजय पासवान को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। ए-3, ए-4, बी-7, बी-8 तथा बीई-1 कोच के यात्री लुटेरों के शिकार बने।

जीआरपी के अधिकारी लूट से इन्कार कर रहे हैं। उनका कहना है कि ट्रेन में लूटपाट नहीं बल्कि चोरी हुई है। नई दिल्ली से राजेंद्र नगर जा रही राजधानी एक्सप्रेस गहमर पहुंची तो भोर के तीन बजकर 24 मिनट पर अचानक सिग्नल लाल हो गया। यह देख चालक ने ट्रेन रोक दी। उसी दौरान बोगी ए-4 में सात के अलावा लूट अन्य बोगियों में दर्जनभर बदमाश घुस गए। वे यात्रियों से लूटपाट करने लगे। डर के चलते यात्री इसका विरोध नहीं कर सके। करीब 3.53 बजे ट्रेन खुलने से पहले बदमाश भाग निकले। करीब आधे घंटे तक ट्रेन में यात्रियों से लूटपाट होती रही पर ट्रेन सुरक्षा में तैनात जीआरपी बंद कार दिया। लोगों ने चांदपुर में ठेके पर तोड़फोड़ की। अन्य कई जगहों पर भी ठेकों के खिलाफ आंदोलन जारी है।

**ये यात्री हुए शिकार** : मनीषा अग्रवाल से डकैत 15 हजार रुपये, चार मोबाइल,

कैराना के गुनहगार फुरकान को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा

जागरण संवाददाता, शामली

**उग्र के शामली जिला** स्थित कैराना में व्यापारियों के पलायन की बड़ी वजह बने 50 हजारी फुरकान को पुलिस ने शनिवार को मुठभेड़ के बाद दबोच लिया था। चार गोलियां लगने से वह गंभीर रूप से घायल भी है। उसे रविवार को अवकाश के दिन संगीनों के साथ में शामली से कैराना कोट में लाया गया। कोर्ट ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। उसने एंबुलेंस में कोर्ट लाया गया। इन हालात में एंबुलेंस में ही उसकी बयान की प्रक्रिया पूरी की गई। इस दौरान वह कभी आंख खोलता तो कभी बंद कर लेता था। सिविल जज जूनियर डिवीजन कलल सिंह ने फुरकान को 14 दिन न्यायिक हिरासत में जिला कारागार भेज दिया। भीड़ और मीडिया को फुरकान से दूर ही रखा गया।

**जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज** : शनिवार की सुबह पुलिस ने मुक्यात फुरकान को आल्दी के जंगल में घेर लिया था। फुरकान



कड़ी सुरक्षा में शामली से कैराना लाया गया कुख्यात, हालत गंभीर होने के कारण एंबुलेंस में पूरी हुई बयान प्रक्रिया

ने पुलिस पर पिस्टल से फायरिंग शुरू कर दी थी। जवाब में पुलिस ने भी कुख्यात पर आठ राउंड फायरिंग की थी। आधे घंटे चली मुठभेड़ में पुलिस की ओर से की गई फायरिंग में फुरकान

सर्गाफ को कार में बांधकर जिंदा जलाया

**जागरण संवाददाता, गोरखपुर** : राष्ट्रीय राजमार्ग 28 पर तेनुआ टोल प्लाजा के पास रविवार दोपहर कार में सवार शहर के सर्गाफ नितिन अग्रवाल को अज्ञात लोगों ने जिंदा जला दिया। सड़क के किनारे खड़ी कार से आग की लपट उठती देख रहगीर ने टोल प्लाजा के कर्मचारियों को सूचना दी। दमकल गाड़ी के साथ पहुंचे कर्मचारियों ने आग बुझाई। कार का शीशा तोड़कर अंदर देखा तो अगली सीट पर बुरी तरह झुलसने से सर्गाफ की मौत हो चुकी थी। उनका हाथ और पैर तार से बेधा था। वह रविवार की सुबह घर से बकाए धन की वसूली के लिए निकले थे।

दोपहर 12 बजे तेनुआ टोला प्लाजा से 500 मीटर पहले नीले रंग की एक कार रुकी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ ही देर बाद दो युवक कार से उतरे और गोरखपुर शहर की तरफ जा रही एक कार में बैठ गए। इसी बीच, टोल प्लाजा पर पहुंचे कर्मचारियों ने कार में आग की लपट उठते देखी। उसने इसकी सूचना टोला प्लाजा के कर्मचारियों को दी। गाड़ी नंबर के आधार पर मृतक की पहचान घंटाघर के सर्गाफ नितिन अग्रवाल के रूप में हुई।

शहीद के परिजनों को एक करोड़ से कम न मिले मुआवजा



नई दिल्ली में शीर्ष दिवस समारोह में वेब पोर्टल और मोबाइल एप्लीकेशन ‘भारत के वीर’ लांच किया गया। एक शहीद की मां को सम्मानित करते राजनाथ सिंह, साथ में अभिनेता अक्षय कुमार।

**नई दिल्ली, प्रे़** : केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि सरकार को कोशिश है कि किसी भी शहीद के परिवार को कम से कम एक करोड़ रुपये मुआवजा मिले। रविवार को वह एक सरकारी वेबसाइट के उद्घाटन के मौके पर बोले रह थे। उनके साथ अभिनेता अक्षय कुमार भी मौजूद थे। वेबसाइट के जरिए कोई भी आम आदमी शहीद के परिवार को अधिकतम 15 लाख रुपये तक की सहायता दे सकता है। राजनाथ ने कहा कि इसके लिए वह अपने देश के लोगों के समक्ष हाथ फैलाने को भी तैयार हैं। देश इन जवानों का ऋणी रहेगा। उन्होंने कहा कि अर्धसैनिक बलों के जवान के शहीद होने पर 50 से 60 लाख रुपये का मुआवजा मिल

पाता है। हमारी कोशिश है कि बाकी जो अंतर बचा है उसे पूरा करके इस राशि को एक करोड़ किया जाए। वेबसाइट लांच करने की योजना तब बनी जब लगभग ढाई माह पहले अभिनेता अक्षय कुमार ने उनसे संपर्क किया। उनका इरादा था कि देश की 125 करोड़ की जनता को शहीदों की मदद के लिए तैयार किया जाए। गृह मंत्री ने कहा कि जवानों के अदम्य साहस का ही फल है कि अब पूर्वोत्तर के राज्यों के साथ कश्मीर में भी हालात काफी हद तक सुधर रहे हैं। वेबसाइट के जरिए पैसा एकत्र करने में स्टेट बैंक आफ इंडिया भी अपनी सेवा दे रहा है। गृह मंत्री ने इस मौके पर 93 वर्षीय हवलदार बलजीत सिंह व कमांडेंट बीएस त्यागी को सम्मानित किया।

राजधानी एक्सप्रेस में लूटपाट, छह जवान निलंबित



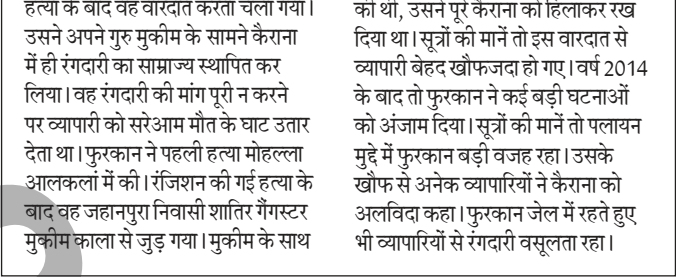
पटना में रविवार को पटना जंक्शन पर नई दिल्ली-पटना राजधानी एक्सप्रेस के लूटपाट पीड़ित यात्रियों ने हंगामा किया।

कागजात व एटीएम कार्ड समेत अन्य सामान लेकर चलते बने। बोगी ए-4 में सफर कर रहे वैशाली बिहार के जंदाहा निवासी नीरज कुमार जायसवाल की मां प्रेमशीला से हजारों रुपये लूट लिए। इसी बोगी से डकैतों ने डॉ. नेहा प्रसाद व उनके पति डॉ. अभिषेक कुमार का भी पर्स लूट लिया। गर्दनीबाग पटना की मंजू सिंह से हजारों पैसे देकर ए-4, बी-7, बी-8 और दूसरे कोच में सवार हो गए थे। पहले उन लोगों ने रेकी की। उनके कुछ साथी गहमर स्टेशन पर पहले से खड़े थे। ट्रेन के वहां पहुंचने से पहले ही उन लोगों ने सिक्का फंसाकर सिग्नल को लाल कर दिया।

मुगलसराय के बाद सारे टीटीई पैंटीकार में जाकर चादर तानकर सो जाते हैं। एक्सीकॉट की टीम भी थे। घटना को अंजाम देने के बाद गहमर स्टेशन पर उतरकर फरार हो गए। यात्रियों द्वारा बताया गए हूलिए के आधार पर बदमाशों की तलाश की जा रही है। ट्रेन सुरक्षा में तैनात एक उपनिरीक्षक व छह जीआरपी के जवानों को निलंबित कर दिया गया है।

**गायी बोले, पैसे देकर मुगलसराय में चढ़े लुटेरे** : राजधानी एक्सप्रेस में योजना बनाकर लूट की गई है। यात्रियों का कहना है कि मुगलसराय में ही छह-सात अपराधी टीटीई को पैसे देकर ए-4, बी-7, बी-8 और दूसरे कोच में सवार हो गए थे। पहले उन लोगों ने रेकी की। उनके कुछ साथी गहमर स्टेशन पर पहले से खड़े थे। ट्रेन के वहां पहुंचने से पहले ही उन लोगों ने सिक्का फंसाकर सिग्नल को लाल कर दिया। मुगलसराय के बाद सारे टीटीई पैंटीकार में जाकर चादर तानकर सो जाते हैं। एक्सीकॉट की टीम भी थे। घटना को अंजाम देने के बाद गहमर स्टेशन पर उतरकर फरार हो गए। यात्रियों द्वारा बताया गए हूलिए के आधार पर बदमाशों की तलाश की जा रही है। ट्रेन सुरक्षा में तैनात एक उपनिरीक्षक व छह जीआरपी के जवानों को निलंबित कर दिया गया है।

**रेल मंत्री सक्रिय** : रेल मंत्री सुरेश प्रभु ने ट्वीट कर कहा है कि इस मामले में रेल मंत्रालय गंभीर है। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन एक मित्तल को उत्तर प्रदेश और बिहार के मुख्य सचिव से यात्रियों की सुरक्षा के संबंध में बात कर कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।



मुकीम के साथे में फैलाया रंगदारी का कारोबार

**शामली** : कैराना में आतंक का पर्चाय बना फुरकान कभी मुकीम काला के साथ अपराध करता था। रॉिशम में पड़ोसी की हत्या के बाद वह वारदात करता चला गया। उसने अपने गुरु मुकीम के सामने कैराना में ही रंगदारी का साम्राज्य स्थापित कर लिया। वह रंगदारी की मांग पूरी न करने पर व्यापारी को सरेआम मौत के घाट उतार देता था। फुरकान ने पहली हत्या मोहल्ला आलकला में की। रॉिशम की गई हत्या के बाद वह जहानपुरा निवासी शातिर गैंगस्टर मुकीम काला से जुड़ गया। मुकीम के साथ

को चार गोलियां लगी थीं, जबकि गोली लगने से सिपाही शहजद अली व अंकित तोमर भी घायल हो गए थे। घटना के संबंध में शनिवार देर एसपी अजयपाल शर्मा ने अपनी ओर से

हिरयाणा के सीनियर आइएएस अधिकारी डॉ. अशोक खेमका अक्सर चर्चाओं में रहते हैं। तीन भाइयों के बीच जमीनी विवाद में नेपाल बैठे एक भाई को वाट्सएप पर नोटिस भेजकर तकनीक का नया प्रयोग करने वाले खेमका ने अब एडवोकेट जनरल कार्यालय में तैनात कुछ वकीलों को काबिलियत पर सवाल उठाए हैं।

अशोक खेमका ने एक ट्वीट के जरिये कहा है कि एडवोकेट जनरल कार्यालय में कमजोर वकीलों के स्टाफ की वजह से सरकार का गुड गवर्नेंस ( सुशासन ) का लक्ष्य प्रभावित होता है। उनका वह ट्वीट विभिन्न अदालतों मामलों में मजबूत पैरवी पर सवाल खड़े कर रहा है। हिरयाणा के एडवोकेट जनरल कार्यालय में उप महाधिवक्ता और अतिरिक्त महाधिवक्ता काफी संख्या में तैनात हैं। दिल्ली में अलग से खेमका ने लगे हाथ विभिन्न जांच आयोग बनाने पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि जांच आयोग बनाना न्याय में देरी की प्रक्रिया है। माना जा रहा कि जस्टिस एसएन ढींगरा आयोग की रिपोर्ट पर अभी तक कोई नतीजा नहीं आने को लेकर खेमका ने यह प्रतिक्रिया जाहिर की है।



हरियाणा के सीनियर आइएएस अधिकारी ने विभिन्न जांच आयोग बनाने पर भी खड़े किए सवाल

खुद ही प्रतिक्रिया जताई है। उन्होंने कहा कि तकनीक किसी भी समस्या के समाधान के लिए अच्छा साधन हो सकता है। अगर इसे अच्छे के लिए इस्तेमाल किया जाए तब। वाड़ा-डीएलफ लैंड डील का इंतकाल रद्द कर सुविधियों में आए खेमका ने लगे हाथ विभिन्न जांच आयोग बनाने पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि जांच आयोग बनाना न्याय में देरी की प्रक्रिया है। माना जा रहा कि जस्टिस एसएन ढींगरा आयोग की रिपोर्ट पर अभी तक कोई नतीजा नहीं आने को लेकर खेमका ने यह प्रतिक्रिया जाहिर की है।



पहले आत्मसमर्पण करे दोषी, फिर होगी सुनवाई

**नई दिल्ली, प्रे़** : दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश की टाइप संबंधी गलती से रिल हुए एक दोषी को सुप्रीम कोर्ट ने कोई भी रहत देने से मना कर दिया है। डबल बेंच ने कहा कि पहले दोषी आत्मसमर्पण करे, उसके बाद ही याचिका पर सुनवाई होगी और तभी उसे किसी तरह की रहत देने पर विचार किया जा सकता है। याचिकाकर्ता जितेंद्र को ट्रायल कोर्ट ने दो मामलों में तीस साल कैद की सजा सुनाई थी। 10 मार्च 1999 को जितेंद्र नार्थ दिल्ली में आयोजित एक विवाह समारोह में जबरन घुसा और सत्यवती कालेज के तत्कालीन अध्यक्ष अनिल भदानी की गोली मारकर हत्या कर दी। अगले दिन उसने एक और हत्या कर दी। इस बार उसका शिकार छातना मामले में गवाह बने युवक का पिता था। उनकी भतीजी में जितेंद्र ने तीन गोलियां मारीं। निचली अदालत ने उसे तीस साल कैद की सजा सुनाई। यानि उसे सारी उम्र जेल में ही काटनी थी। वह दिल्ली विश्वविद्यालय का पूर्व छात्र है। जितेंद्र की रिहाई दिल्ली हाईकोर्ट के 24 दिसंबर 2016 के आदेश से संभव हो सकी। हालांकि इसी अदालत ने अपनी गलती में सुधार करते हुए 14 फरवरी 2017 को एक नया आदेश दिया, जिसमें जितेंद्र को फिर से गिरफ्तार करने की बात कही गई।



पहले के आदेश में हाईकोर्ट ने कहा था कि जितेंद्र 16 साल 10 माह जेल में काट चुका है। अगर किसी और मामले में उसकी जरूरत नहीं है तो वह रिहा किया जाना चाहिए। तब हाईकोर्ट ने माना था कि जितेंद्र को मिली सजा बहुत ज्यादा है। जितेंद्र एक बार बाहर आया तो हमेशा के लिए गायब हो गया। हाईकोर्ट ने अपने पुनर्ने फैसले से दो लाईनों को हटाते हुए दिल्ली पुलिस के आयुक्त को आदेश दिया कि वह तत्काल दोषी को गिरफ्तार करें। इस फैसले के खिलाफ जितेंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की। सर्वोच्च अदालत की डबल बेंच









खामोशी भी अक्सर कई सवालों का जवाब होती है

## आस्था का सवाल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने यह जो इच्छा प्रकट की कि देश भर में गोहत्या पर प्रतिबंध लगना चाहिए वह नई नहीं है। आरएसएस के साथ-साथ अन्य अनेक धार्मिक-सामाजिक और सांस्कृतिक संगठन इस तरह की मांग एक लंबे अर्से से करते चले आ रहे हैं। ऐसी मांग आजादी के बाद पहले भी की गई और बाद में भी। इससे भी सभी अवगत हैं कि इसके लिए समय-समय पर आंदोलन भी हुए। जो लोग यह समझ रहे हैं कि हिंदू समाज गोहत्या के लिए सहमत हो जाएगा वे एक तरह से जानबूझकर इस तथ्य की अनदेखी कर रहे हैं कि हिंदुओं के लिए गाय सदियों से आस्था का प्रतीक है और ऐसे प्रतीक कभी ओझल नहीं होते। आखिर इस देश में गाय के प्रति व्यापक हिंदू समाज की जो आस्था है उसका सम्मान क्यों नहीं हो सकता? जब अकबर समेत कई अन्य मुगल शासकों ने गोहत्या को निषेध बनाने की जरूरत समझी तो फिर आज कुछ लोग यह समझने से क्यों इन्कार कर रहे हैं कि हिंदू समाज में गाय की क्या महत्ता है? यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब कभी हिंदू संगठन अपनी यह इच्छा प्रकट करते हैं कि गाय के प्रति उनकी भावनाओं को सम्मान मिले और उन राज्यों में चोरी-छिपे गोहत्या को गोमांस सेवन आवश्यक नहीं है। निःसंदेह यह भी नहीं कहा जा सकता कि इसके बिना किसी का काम नहीं चल सकता। आज जब मुस्लिम समाज के भी अनेक धार्मिक-राजनीतिक नेता गोहत्या पर प्रतिबंध की मांग के साथ गोमांस से परहेज करने का आग्रह कर रहे हैं तब फिर यह आवश्यक हो जाता है कि सभी लोग ऐसा माहौल बनाने में योगदान दें जिससे गोहत्या पर प्रभावी ढंग से प्रतिबंध लग सके। मोहन भागवत ने गोहत्या पर देशव्यापी प्रतिबंध की अपेक्षा प्रकट करने के साथ यह जो कहा कि गोश्वा का कार्य अहिंसा का पालन करते हुए किया जाना चाहिए उस पर भी सभी को और विशेष रूप से उन हिंदू संगठनों को अनिवार्य रूप से गौर करना चाहिए जो गोश्वा को लेकर सक्रिय हैं। गोश्वा के नाम पर किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की अनुमति नहीं मिल सकती। अलवर की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद गोश्वा को लेकर सक्रिय संगठनों को चेत जाना चाहिए। ऐसी घटनाएं गोश्वा संगठनों के साथ-साथ अन्य अनेक हिंदू संगठनों की बदनामी का कारण बनती हैं। निःसंदेह गायों की देखभाल के तौर-तरीकों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है और इस पर भी विचार करने की कि बूढ़ी-बीमार गायों की देखभाल कैसे की जाए।

## खतरे की आहट

जम्मू के विभिन्न क्षेत्रों में विदेशी मूल के म्यांमार के रोहिंग्या नागरिकों को अवैध रूप से बसाए जाने के मामले में जम्मूवासी एकजुट होना शुरू हो गए हैं। इतना ही नहीं, इस पर राजनीति भी गरमाने लगी है। रोहिंग्याओं को राज्य से बाहर निकालने को लेकर जम्मू चैंबर ऑफ कॉमर्स के बयान के बाद कश्मीर चैंबर ने तो यहां तक कह दिया कि पश्चिम पाकिस्तान के शरणार्थी भी विदेशी मूल के हैं तो फिर उन्हें भी बाहर निकाल देना चाहिए। वैसे तो पश्चिमी पाकिस्तानी शरणार्थियों की इनके साथ तुलना करने का कोई औचित्य ही नहीं है। उन्हें हिंदुस्तान के नागरिक होने का अधिकार प्राप्त है। यह दीगर बात है कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 होने के कारण उन्हें राज्य की नागरिकता नहीं है। विडंबना यह है कि सरकार भी रोहिंग्याओं और बांग्लादेशी नागरिकों को राज्य से बाहर निकालने के पक्ष में नहीं दिख रही है। यह मुद्दा हालांकि विधानसभा में भी उठ चुका है, लेकिन मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती का कहना है कि राज्य में तेरह हजार के करीब रोहिंग्या और तिब्बती हैं। इतना ही नहीं, सरकार ने यूनाइटेड नेशन रिफ्यूजी कन्वेंशन, 1951 पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं और उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत बाहर निकालना उचित नहीं होगा। जम्मू संभाग के लोगों का तर्क है कि रोहिंग्याओं को एक साक्षर के तहत यहां बसाया जा रहा और विदेशी मूल के नागरिक अपराध और आतंकवादी घटनाओं में संलिप्त हैं। इनके यहां बसाए जाने के पीछे जम्मू की वास्तविक स्थिति से खिलवाड़ है। रोहिंग्याओं और बांग्लादेशियों से जम्मू क्षेत्र की सुरक्षा को ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र को खतरा है, क्योंकि वे विदेशी नागरिक आतंकवादियों और उनके चहेतों के हाथों में खेल सकते हैं। यहां तक कि कुछ सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों ने एकजुट होकर रोहिंग्याओं के खिलाफ रैली निकाली और राजस्थाल को ज्ञापन सौंपा। उनका मानना है कि रोहिंग्या व बांग्लादेशी जम्मू के डोंगरेों की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक पहचान के लिए खतरा हैं।

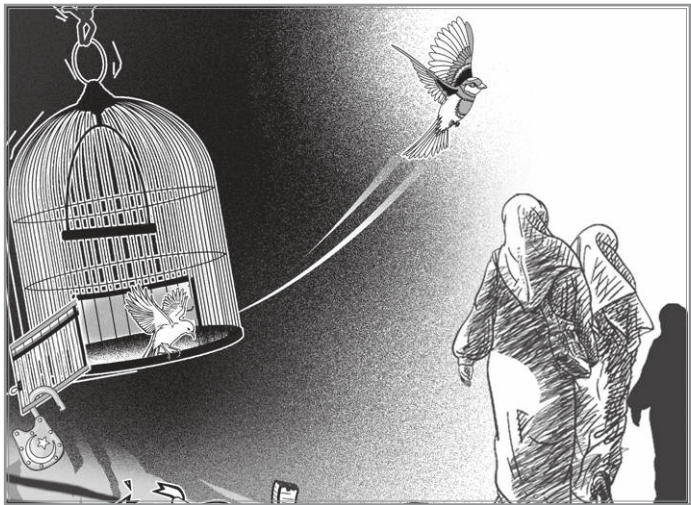


नाइश हसन

अपने अधिकारों के लिए खासी मुखर  
हुई मुसलमान औरतों का संदेश  
साफ है कि अब उन्हें मजहबी खोफ  
से डराया नहीं जा सकता

मशहर शायर फैज अहमद फैज ने अरसा पहले अपनी एक नन्म के जोरिये औरतों को झकझोरने की कोशिश की थी। नन्म कुछ यूँ है, ‘बोल कि लव आजाद हैं तेरे, बोल जुवां अब तक तेरी है।’ उनकी इस नन्म ने महिलाओं पर गहरा असर डाला। यह नन्म जगह-जगह गुनगुनाई जाने लगी और अब इसका असर भी दिखने लगा है। यूं तो औरतों पर बंदिशों की कमी नहीं, लेकिन मुस्लिम समुदाय में ये कुछ ज्यादा नजर आती हैं। बहरहाल औरतें अब बोलने लगी हैं। फैज आज जिंदा होते तो यकीनन बेहद खुश होते कि औरतों ने अपने हक में अपनी आवाज बुलंद करनी शुरू कर दी है। यह एक खुशनुमा सफेरी की दस्तक है। देश ही नहीं दुनिया भर में मुसलमान औरतें बदल रही हैं और सही मायनों में अपनी मौजूदगी दर्ज कर रही हैं। हालांकि के वषों में औरतों ने कई झंड़े गाड़े हैं जो किसी नजीर से कम नहीं। इनमें से एक नाम है इराक में वजीदी समुदाय की 15 साल की लड़की लाम्या का। नौवीं कक्षा की छात्रा लाम्या को वर्ष 2014 में आइएसआइएस ने बंधक बना लिया था। पांच महीने उसकी खरिद-फरोख्त की गई।

किसी तरह आतंकियों के चंगुल से निकलकर छूटी यह लड़की आज दुनिया भर में घूम-घूमकर अपनी दास्तान सुना रही है। वह उम्मीद जताती है कि एक दिन दुनिया आइएसआइएस नाम के नासूर से जरूर मुक्ति पा लेगी। पड़ोसी पाकिस्तान में पख्तून और भी बगावत पर उतर आई हैं और वजीरिस्तान में उन्होंने खुद को ‘सेक्स स्लेव’ बनाए जाने का तगड़ा विरोध किया। फ्रांस की



अवधेश राजपूत

इस पर बहस-मुवाहिसा किया। उससे बात नहीं बनी तो उन्होंने अदालत का रुख किया। इस पर अदालत में उन्हें मिली जीत से धर्म के ठेकेदार मुंह ताकते रह गए। शाहबानो मामले से लेकर सायर बानो मामले तक आते-आते मुस्लिम महिलाएं काफी बदल गईं। उन्होंने तीन तलाक के मुद्दे को भी अदालत में चुनौती दे डाली और किसी भी स्त्री विरोधी मजहबी व्याख्या को मानने से इन्कार कर दिया। हरियाणा में एक साधारण सी लड़की ने सिर्फ इस वजह से निकाह करने से इन्कार कर दिया, क्योंकि वर पक्ष के यहां शौचालय नहीं था।

उत्तर प्रदेश में नई सरकार बनने के साथ ही रोजाना बड़ी संख्या में आ रहे तीन तलाक के मामलों को लेकर महिलाएं मुख्यमंत्री से मुलाकात कर रही हैं। महिलाएं बाकायदा प्रतिनिधिमंडल गठित कर महिला कल्याण मंत्री डॉ. रोता बहुगुणा जोशी के पास चली जाती हैं और उनसे पछुती हैं कि आप की पार्टी के चुनावी संकल्प पत्र में तीन तलाक का मसला भी था तो इस पर अब आप क्या कर रही हैं? यह वही है कि भारत के

इतिहास में पहली बार किसी राजनीतिक दल के चुनावी घोषणा पत्र में मुस्लिम महिलाओं की पीड़ा का पर्याय बने तीन तलाक के मसले को शामिल किया गया है। इसलिए अब जवाबदेही भी सरकार की बनती है। महिलाएं बहुत उत्साह में हैं, आशान्वित हैं विशेषकर पीड़ित महिलाएं बार-बार सवाल कर रही हैं। मुस्लिम महिलाओं से जुड़े मुद्दे पिछले सत्तर सालों के इतिहास में हमेशा हाशिये पर ही रहे। अल्पसंख्यक अधिकारों के नाम पर मुसलमान मर्द अपने लिए तो सब कुछ लेना चाहते हैं, लेकिन औरतों को वे अपनी मर्जी के मुताबिक ही देना चाहते हैं। कौम की आधी आबादी को तबज्जो ही नहीं मिली। उसे अनुसुना किया गया। उसी कौम के तथाकथित रहनुमाओं ने उसकी लगातार अनदेखी की। उनकी बदजुबानी और मजहबी जकड़बंदी ने भी औरत को पीछे धकेल दिया। स्वयंभू उलमाओं ने खुद की गद्दी किताबों के जरिये उसकी भूमिका को सीमित करने का काम किया। पतृसत्ता इतना डरती है औरत से। ये

## ईवीएम पर उतरती हार की खीझ

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे सवाल उसकी हताशा ही बयान करते हैं

दुनिया के दिग्गज बुद्धिजीवियों में शुमार नोम चोमस्की ने एक लेख में उन दस रणनीतियों का उल्लेख किया है जिन्हें दुनिया के विभिन्न नेताओं ने जनता को अपनी ओर मोड़ने के लिए धूर्ततापूर्वक इस्तेमाल किया है। इनमें पहली है ‘बगमलाओ और बसफाओ’ और दूसरी ‘समस्या पैदा करो, समाधान देखा जाएगा।’ चोमस्की की इन रणनीतियों का भारतीय राजनीति में किसी ने सर्वाधिक इस्तेमाल किया है तो वह हैं आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल। 2015 में दिल्ली की सत्ता संभालने के चंद दिनों बाद से ही केजरीवाल ने जिस तरह के आरोपों एवं मुद्दों से भटकाने और रसक समस्याएं खड़ी करने वाली राजनीति शुरू की उसकी नवीनतम कड़ी है इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से जुड़ा विवाद। केजरीवाल ने एक तरह से चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाते हुए ईवीएम में भाजपा द्वारा छेड़छाड़ और गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं। उनसे पहले मायावती और फिर कांग्रेस भी यही राग अलाप चुके हैं। यहां कटवरे में भाजपा के साथ-साथ चुनाव आयोग भी है, क्योंकि चुनाव आयोग से बिना मिले भाजपा ईवीएम में अकेले इतने बड़े पैमाने पर गड़बड़ी नहीं कर सकती। आखिर इन आरोपों में कितना दम है?

हालिया विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद किसी भी हद तक जाकर अपनी राजनीतिक लिप्सा पूरी करने में केजरीवाल के साथ-साथ मायावती और कांग्रेस उन लोकतांत्रिक संस्थाओं को भी कुर्बान कर देने पर उत्तारू हैं जो भारतीय राज्यव्यवस्था की बुनियाद हैं। इन संस्थाओं में एक भारतीय चुनाव आयोग आजकल केजरीवाल के निशाने पर है। उन्हें के सुर में मायावती, कांग्रेस के साथ-साथ समाजवादी पार्टी आदि के नेता भी सुर मिला रहे हैं। ये लोग आगामी चुनावों को ईवीएम की जगह मतपत्र वाली पुरानी प्रणाली से कराने की मांग कर रहे हैं जो समय, धन, ऊर्जा और मानव संसाधनों की दृष्टि से न केवल बहुत खर्चीली है, बल्कि उसमें गड़बड़ी की संभावनाएं अपेक्षाकृत ज्यादा हैं। केजरीवाल ने तो सीधे-सीधे आयोग को चुनौती देते हुए कहा कि वह 72 घंटों के लिए ईवीएम खोलकर हवाले कर दे फिर उनके एक्सपर्ट्स यह दिखा देंगे कि मशीन के साथ छेड़छाड़ कैसे की जाती है। यहां जान लिया जाए कि 2015 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में आरोप केजरीवाल को कुल 70 सीटों में 67 सीटें मिली थीं तो यह परिणाम इन्हीं ईवीएम द्वारा आया था और उस समय भी केंद्र में भाजपा सरकार थी, लेकिन तब केजरीवाल को ईवीएम में दोष नजर नहीं आ रहा



डॉ. निरंजन कुमार



हार से हताश कुछ नेता उन संस्थाओं को भी निशाना बना रहे हैं जो भारतीय राज्यव्यवस्था की बुनियाद हैं

था। 1982 में पहली बार प्रयोग के बाद से ईवीएम द्वारा देश में अब तक ढेरें चुनाव संपन्न कराए जा चुके हैं। 2004 और 2009 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस नीत संग्रग की जब जीत मिली थी तब ईवीएम का ही उपयोग किया गया था। ध्यातव्य है कि 2004 में कांग्रेस की जीत के समय केंद्र में भाजपा नीत राजग की सरकार थी। उसी तरह 2007 में उत्तर प्रदेश के चुनाव में माया वती की बहुजन समाज पार्टी और 2012 में मुलायम की समाजवादी पार्टी की पूर्ण बहुमत से विजय के दौरान भी इन्हीं ईवीएम का उपयोग हुआ था। हालांकि इन राजनीतिक पार्टियों के भ्रष्टाचार, गुंडाराज, भाई-भतीजावाद और जाति-मजहब की राजनीति से परेशान अवाम ने चुनावों में उनको माफ़ूक जवाब दिया। केजरीवाल के संदर्भ में देखें तो 2015 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में जनता ने उन पर बहुत विश्वास व्यक्त किया था, लेकिन केजरीवाल की सतत नकारात्मक राजनीति से उनका लगातार खरण हो रहा है। यह अकारण नहीं है कि 2015 के बाद से विभिन्न चुनावों में उन्हें लगातार शिकस्त मिल रही है। हालिया चुनावों में दिल्ली के बाद अगले दिल्ली विधानसभा चुनाव में आरोप केजरीवाल की पार्टी को अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई तो गोवा में वह अपना खाता भी नहीं खोल सकी। दिल्ली में एमसीडी चुनाव से पहले अपनी नाकामियों को छिपाने और जनता का ध्यान

भटकाने के लिए केजरीवाल अब ड्रगड्रुगी पीट रहे हैं कि भाजपा सरकार ने ईवीएम में गड़बड़ी की है। इसी तरह कांग्रेसी नेता अपने नेतृत्व की कमजोरी, लचर सांगठनिक ढांचे और वैचारिक शून्यता आदि को ढकने के लिए भटकाने वाला आरोप लगा रहे हैं।

इनके आरोप वास्तविकता की कसौटी पर खरे नहीं उतरते हैं। अगर भाजपा ने ईवीएम में गड़बड़ी की तो पंजाब में इसकी सबसे कट्टर प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस को अभूतपूर्व बहुमत क्यों मिला और भाजपा-अकाली गठबंधन तीसरे स्थान पर क्यों रहा? फिर गोवा और मणिपुर में भी कांग्रेस को सबसे ज्यादा सीटें क्यों मिलीं और भाजपा दूसरे स्थान पर क्यों रही? उसी तरह 2016 के विधानसभा चुनावों में भी भाजपा को केरल में एकी सीटें तो बंगाल में छह और तमिलनाडु में तो एक भी सीट हासिल न हो सकी। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसबाबू कुरैशी ने स्पष्ट कहा है कि एकाध इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन भले कभी-कभार खराब हो जाती है, लेकिन पूर्ण जांच के बाद ही चुनाव आयोग उनका उपयोग करता है। भाजपा ईवीएम में अकेले इतनी बड़ी गड़बड़ी नहीं कर सकती। इसके लिए उसें चुनाव आयोग और राज्य सरकार के तंत्र से मिलीभगत करनी होगी, लेकिन वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त नसीम जैदी 2012 में कांग्रेस नीत संग्रग सरकार द्वारा नियुक्त किए गए थे न कि भाजपा सरकार द्वारा तो वहीं राज्य में भी अधिकतर सरकारें भाजपा विरोधी दलों की ही थीं। चुनाव आयोग ने ईवीएम में गड़बड़ी से इन्कार करते हुए एक वीडियो जारी किया है। वीडियो में स्पष्ट दिखाया गया है कि वर्तमान में प्रयुक्त ईवीएम में त्रिस्तरीय सुरक्षा प्रणाली लगी है और राजनीतिक पार्टियों के एजेंटों के सामने तीनों स्तरों की जांच में सही साबित होने पर ही इनका उपयोग किया जाता है। आयोग ने चुनौती दी है कि लोग साबित करें कि मशीनों के साथ छेड़छाड़ की गई है। आयोग ने डेमो के लिए टेक्नोक्रेट, इंजीनियर, वैज्ञानिक और केजरीवाल समेत राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया है, लेकिन आयोग की इस चुनौती का जवाब देते की जगह केजरीवाल वही पुराना राग अलाप रहे हैं। 72 घंटे में छेड़छाड़ और गड़बड़ी सिद्ध करने का दावा करने वाले केजरीवाल अब क्यों टालटोल कर रहे हैं? क्या वह आगामी चुनावों को ध्यान में रखकर झूठ विवाद, हथमा और बगमलाते वाली राजनीति ही कर रहे हैं? यह बात अन्य राजनीतिक दलों पर भी लागू होती है।

(लेखक दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं)

response@jagran.com



जनहित

इंसान समाज में रहता है। इसलिए समाज ने उसके कुछ दायित्व भी तय किए हैं। मनुष्य को कभी भी यह नहीं भूलना चाहिए कि उसका अस्तित्व समाज से है। जो मनुष्य समाज से अलग-थलग चलते हैं उन्हें जीवनभर मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, जबकि जो व्यक्ति समाज के साथ चलते हैं उनकी बड़ी समस्या भी मिटती में हल हो जाती है। इसका कारण यही है कि सामाजिक होने के कारण ही प्रत्येक व्यक्ति हमारी समस्या या चिंता का निदान खोजने की कोशिश करता है। प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह निजी स्वार्थों से ऊपर उठकर जनहित और लोक-कल्याण के बारे में सोचे। जब हम दूसरों के लिए सोचकर कर्म करते हैं तो हमें दोहरा भला मिलता है। हमें आत्मसंतुष्टि का अहसास होता है। ऐसा कर हम अपने भविष्य के कष्टों को भी कम करते हैं। हमारे जनहित के कार्य से जितने भी लोग प्रभावित-लाभान्वित होते हैं वे बखले में हमें प्यार, स्नेह, आशीर्वाद और दुआ देते हैं जिससे हमारे कष्ट अप्रभावी हो जाते हैं या फिर हममें उन्हें सहने की असीम ताकत आ जाती है। इसी तरह यदि हमसे भूतकाल में जाने-अनजाने कोई पाप या गलत कार्य हो गया हो तो भी जनहित से जुड़े कार्य करके मनुष्य पक्षपात या मुक्ति प्राप्त कर सकता है। धर्म शास्त्रों में कहा गया है कि यदि किसी मनुष्य ने अपने जीवन का तीन चौथाई हिस्सा गलत कार्यों में खर्च कर दिया है तो भी वह शेष बचे समय में सद्कर्म या जनहित के कार्य करके परचाताप कर सकता है। अर्थात् अनिष्ट भला तो सब भला। जिस बात से मनुष्य अनजान है वह वह है कि जनहित के कार्य करने के लिए मनुष्य को केवल एक छोटा-सा प्रयास करना होता है। इसके बाद बड़े से बड़ा काम भी बहुत आसानी से हो जाता है। उदाहरण के लिए यहां पीडित मदन मोहन मालवीय का जिक्र किया जा सकता है जिन्होंने दान के पैसे से काशी जैसे प्रसिद्ध विश्वविद्यालय का निर्माण कराया। ऐसे बहुत से उदाहरण हमारे आसपास मौजूद हैं। दुख-दर्द सभी के जीवन में हैं, लेकिन जो व्यक्ति अपने दुखों को ही सबसे बड़ा और जटिल मान लेता है उससे जनहित के कार्य करने की अपेक्षा नहीं की जा सकती। इसके विपरीत जो व्यक्ति दूसरों के दुखों को महसूस करे और उनके सामने अपने दुख को भूल जाए, वास्तव में वही जनहित के बारे में सोच सकता है।

आचार्य अनिल वत्स

## कांग्रेस मुक्त भारत नारा अच्छा है!

मई 2014 के बाद जिस तेजी से देश के अलग-अलग राज्यों से कांग्रेस पार्टी खत्म होती जा रही है वह भाजपा के कांग्रेस मुक्त भारत के नारे को साकार करता दिखाता है, लेकिन क्या भाजपा के लिए सबसे उपयुक्त स्थिति है ‘कांग्रेस मुक्त भारत’ का होना? मुझे लगता है- इसका जवाब ना मैं है। दरअसल यह कांग्रेस का होना ही था जिसकी वजह से देश में भाजपा अपनी स्थापना के सिर्फ 37 साल में ही सत्ता के सर्वोच्च शिखर पर है।

‘कांग्रेस मुक्त भारत’ की बात करते हुए भाजपा के बड़े नेताओं से लेकर छोटा कार्यकर्ता तक हमेशा इस बात की वकालत करते हैं कि महात्मा गांधी ने भी कांग्रेस को आजादी के बाद खत्म करने की बात की थी, लेकिन कांग्रेस को खत्म करने का महात्मा गांधी का तर्क बड़ा साफ था। कांग्रेस दरअसल भारत की पाटी पर संघ से निपटने के आंदोलन में सर्वजन की एक पार्टी नहीं, बल्कि आंदोलन बढ़ाने का जरिया थी। इसीलिए जब देश आजाद हुआ तो जरूरी था कि देश को आजादी के आंदोलन वाली उच्च आदर्शों वाली पार्टी सत्ता हथियाने के लिए किसी परिवार, किसी एक विचार की पार्टी होकर न रह जाए, लेकिन दुर्भाग्य कि ऐसा न हो सका। जवाहरलाल नेहरू

फिर से ‘कांग्रेस मुक्त भारत’ नारा अच्छा है, पर कांग्रेस युक्त भारत ‘ही है जिसकी वजह से किसी दूसरे विपक्षी गठजोड़ की जमीन तैयार नहीं हो पा रही है

और उसके बाद इंदिरा गांधी ने और मजबूती से उसे महात्मा गांधी का नाम लगाकर गांधी परिवार को पार्टी बना दिया। सिर्फ परिवार की पार्टी ही नहीं बनाया, बल्कि उस परिवार के दायरे से बाहर जाने वालों को कांग्रेस में भी लोकतंत्र का दुश्मन बना दिया गया। आपातकाल के बाद इंदिरा गांधी को लगा कि वैचारिक तौर पर संघ से निपटने में हो रही मुश्किल का सबसे आसान इलाज है कि वामपंथियों को वैचारिक लड़ाई का जिम्मा दे दिया जाए। वामपंथ की अपनी एक वैचारिक धारा है जो सरकार से लेकर समाज तक की बात तो करती है, लेकिन दुर्भाग्य देखिए कि भारतीय वामपंथ के पास एक भी अपना नायक नहीं है। अभी भी भारतीय वामपंथ को नायक के तौर पर

(साभार: बतंगड ब्लॉग में हर्षवर्धन त्रिपाठी)

### मोदी की कूटनीति

विदेश नीति का मजबूत होता मोचा शीर्षक से लिखे अपने लेख में संजय गुप्त ने देश की मजबूत होती विश्व नीति का जिस तरह से उल्लेख किया है वह कथित रूप से मजबूत होने के बावजूद पूरी तरह से सुरक्षित नहीं मानी जा सकती, क्योंकि सीरियाई गृह युद्ध की वर्तमान स्थिति में अमेरिका और रूस जिस तरह से आमने-सामने आ गए हैं उससे निकट भविष्य में भारत के लिए दुविधा की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसी तरह पड़ोसी देश चीन जिस तरह से भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने का दुःसाहस कर रहा है, वह भी भारत के लिए एक बड़ी समस्या है। कम्बोवेष यही स्थिति हमेशा भारत का अग्रभ सोचने वाले पड़ोसी पाकिस्तान की भी है। यद्यपि इस स्थिति से निपटने के लिए भारत सक्षम है, लेकिन जिस तरह से अपने निहित स्वार्थ को पूर्ण के लिए चीन और पाकिस्तान एक-दूसरे को संबल प्रदान कर रहे हैं वह भारत के लिए चिंतानकर है, क्योंकि शक्तिशाली चीन से स्वायत्तक मित्रता के कारण पाकिस्तान के हौसले बुलंद हैं और वह भारत के विरुद्ध अपनी बेजा हकतों से बाज नहीं आ रहा। यही वजह है कि अब भारत अपनी कूटनीति से बांग्लादेश सहित दक्षिण एशियाई देशों पर अपनी मजबूत कब्जा बना रहा है ताकि इन देशों को साथ लेकर वह चीन की अकड़ को ढीला कर सके। यदि भारत अपनी इस मुहिम में कामयाब हो जाता है तो यह मोदी की सबसे बड़ी कूटनीतिक सफलता होगी और वह वैश्विक शक्ति संतुलन में चीन को मात दे सकते हैं।

डॉ. वीपी पाण्डेय, अलीगढ़

### पूर्वाग्रह से ग्रसित सोच

पिछले कुछ समय में जिस प्रकार की घटनाएं हमारे देश में हुई हैं

### मेलबाक्स

वह हमारी पूर्वाग्रह से ग्रसित सोच का नतीजा ही हैं। दादरी का इकलाख हत्याकांड हो चाहे फिर अभी हाल ही में राजस्थान के अलवर में हुई घटना हो। लोग जहां-पड़ता किए बिना ही नतीजे पर पहुंच जाते हैं और किसी व्यक्ति विशेष अथवा समुदाय विशेष को घटना के लिए जिम्मेदार ठहरा देते हैं। इतना ही नहीं वे कानून को अपने हाथ में लेकर स्वयं ही न्याय भी कर देते हैं। दरअसल पूर्वाग्रह एक खतरनाक मानसिक रोग है जिसमें बिना किसी तथ्य के जाने ही धारणा बना ली जाती है। ज्यादातर घटनाओं में यही लोग शामिल होते हैं। इन लोगों की व्यवहार के अंतर्गत ही एक साधारण नतीजा ही कर रहे हैं। चाहे दादरी में छटास आती है वहीं समाज में समुदाय में हुआ पहलू खान हत्याकांड हों दोनों ही घटनाओं में एक बात तो समान है और वह है पूर्वाग्रह। अगर मुसलमान गाय के साथ दिखाता हैं तो इसका तात्पर्य हुआ कि वह जरूर गाय को काटने के लिए ले जा रहा है। परंतु सच्चाई तो यह कि मुसलमान भी खेती करते हैं गाय भैंस पालते हैं। और पहलू खान भी उनमे से एक था परंतु पूर्वाग्रह से ग्रसित लोगों ने वह जानने की कोशिश तक नहीं की और उसकी हत्या कर दी।

akhlaque.1104@gmail.com

### ...तो भारत में क्यों नहीं

तीन तलाक ऐसा शब्द है जो एक खुशहाल परिवार को एक ही झटके में दुखों का पहाड़ खड़ा करने में महारत रखता है,

इस संभ के किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :  
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,  
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा  
ई-मेल : mailbox@jagran.com

pathaknirajkumar2013@gmail.com



प्रमोद भार्गव

भारत और बांग्लादेश के बीच 22 समझौतों के जरिए सहयोग का एक नया अध्याय शुरू हुआ है। दोनों देशों के बीच रक्षा, असेैन्य परमाणु सहयोग, रेल एवं बस यात्रा शुरू करने समेत साहबर सुरक्षा से जुड़े अहम समझौते हुए हैं। भारत बांग्लादेश को 29 हजार करोड़ रुपये रियायती ब्याज दर पर कर्ज भी देगा। इसके अलावा बांग्लादेश को रक्षा सामग्री की आपूर्ति के लिए 50 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त कर्ज देने की घोषणा की है। भारत की ओर से इतनी उदारता बरती जाने के बावजूद पिछले सात वर्ष से अनसुलझा पड़ा तीस्ता जल बंटवारे का मुद्दा लंबित ही रह गया। हालांकि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भरोसा जताया है कि इस मुद्दे का हल जल्दी ही निकलेगा। तात्कालिक परिस्थितियों में भारत की इस उदारता को इसलिए औचित्यपूर्ण ठहराया जा सकता है क्योंकि पड़ोसी देश पाकिस्तान भारत में जहां निरंतर आतंक का निर्यात करने में लगा है, वहीं चीन तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा की अरुणाचल प्रदेश की यात्रा पर चीन बौद्धलाया हुआ है। इन हालातों में भारत सरकार की इस नीति को बांग्लादेश को अपने पक्ष में बनाए रखने का कूटनीतिक पहल कही जा सकती है। लेकिन यहीं वह सुनहरा अवसर था, जब तीस्ता जल बंटवारे पर मुहर लगने की अधिकतम संभावना थी।

नदियों के बंटवारे का विवाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं राष्ट्रीय स्तर पर भी विवाद का विषय बना रहा है। ब्रह्मपुत्र को लेकर चीन से, तीस्ता का बांग्लादेश से, झेलम, सतलुज और सिंधु का पाकिस्तान से, और कोसी को लेकर नेपाल से विरोधाभास कायम है। भारत और बांग्लादेश के बीच रिशतों में खटास सीमाई क्षेत्र में कुछ भूखंडों, मानव-बस्तियों और तीस्ता नदी के जल बंटवारे को लेकर पैदा होती रही है। पिछले साल दोनों देशों के बीच संपन्न हुए भू-सीमा समझौते के जरिए इस विवाद पर तो कम्बोवेश विराम लग गया, लेकिन तीस्ता की उलझन बरकरार है। वीते वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बांग्लादेश यात्रा पर भी गए थे, ढाका में द्विपक्षीय वार्ता भी हुई, लेकिन तीस्ता की उलझन, सुलझ नहीं पाई। अब शेख हसीना की भारत यात्रा और 22 समझौतों पर हस्ताक्षर होने के बावजूद तीस्ता का विवाद यथावत बना रह जाना हमारी कूटनीतिक कमजोरी को रेशता है।

मौजूदा केंद्र सरकार से यह उम्मीद इसलिए ज्यादा थी, क्योंकि शेख हसीना दोनों देशों में परस्पर दोस्ती की मजबूत गांठ बांधने के लिए भारत आई थीं। यह उम्मीद इसलिए भी थी क्योंकि पिछले साल नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने बांग्लादेश के साथ कुछ बरितियों और भूक्षेत्रों की अदला-बदली को मंजूरी दी थी। यह समझौता संसद में आम राय से पारित भी हो चुका है। इसलिए उम्मीद की जा रही थी कि तीस्ता नदी से जुड़े जल बंटवारे का मसला भी हल हो जाएगा।

माना जा रहा है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और केंद्र सरकार

आजकल

# बांग्लादेश से दोस्ती का नया अध्याय

मौजूदा हालात में बांग्लादेश के प्रति भारत की उदारता को इसलिए तार्किक ठहराया जा सकता है क्योंकि पाकिस्तान अपनी जमीन से आतंकवादी गतिविधियों को निरंतर बढ़ावा दे रहा है जबकि दलाई लामा की अरुणाचल यात्रा पर चीन बौखलाया हुआ है। ऐसे में भारत सरकार की ऐसी पहल को बांग्लादेश को अपने पक्ष में बनाए रखने का कूटनीतिक दांव कहा जा सकता है। हालांकि तीस्ता जल बंटवारे के मसले पर बात फिर बनते-बनते रह गई

के बीच राजनीतिक दूरियों के चलते इस मुद्दे का हल नहीं निकल पा रहा है। हालांकि इस बार ममता बनर्जी खुद इस द्विपक्षीय वार्ता के अवसर पर मोदी और शेख हसीना के साथ हैदराबाद हाउस में मौजूद थीं। यह विवाद 2011 में ही हल हो गया होता, यदि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सहमति जताई होती तो। लेकिन मोदी की ढाका यात्रा और अब शेख हसीना की भारत यात्रा पर भी यह मुद्दा लटका ही रह गया। तीस्ता जल बंटवारे पर दोनों देशों के बीच कोई समझौता नहीं हो पाया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस समझौते का अब भी विरोध कर रही हैं। बांग्लादेश के लिए यह समझौता नहीं होना निराशाजनक है। तीस्ता नदी से पश्चिम बंगाल से बंगलादेश की ओर बहती है। इस समझौते में खराब मौसम में दोनों देशों के बीच 50-50 जल बंटवारे की बात है। लेकिन ममता बनर्जी का मानना है कि इस समझौते से उनके राज्य पश्चिम बंगाल के किसानों को नुकसान पहुंचेगा।

वर्ष 2011 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के बांग्लादेश दौरे से पहले तीस्ता जल बंटवारे पर प्रस्तावित अनुबंध की सभी शर्तें सुनिश्चित हो गई थीं। लेकिन पानी की मात्रा के सवाल पर ममता ने आपत्ति जताकर ऐन वक़्त पर डॉ. सिंह के साथ ढाका जाने से इनकार कर दिया था। माना जाता है कि बारिश के दौरान तीस्ता का पश्चिम बंगाल को 50 प्रतिशत पानी मिलेगा भारत आई थीं। यह उम्मीद इसलिए भी थी क्योंकि पिछले साल नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने बांग्लादेश के साथ कुछ बरितियों और भूक्षेत्रों की अदला-बदली को मंजूरी दी थी। यह समझौता संसद में आम राय से पारित भी हो चुका है। इसलिए उम्मीद की जा रही थी कि तीस्ता नदी से जुड़े जल बंटवारे का मसला भी हल हो जाएगा।

माना जा रहा है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और केंद्र सरकार

पड़ोसी को मदद देने की कूटनीति

भारत और बांग्लादेश के बीच 22 समझौते हुए हैं। इसके तहत बांग्लादेश को 29 हजार करोड़ रुपये का रियायती ब्याज दर पर कर्ज मिलेगा। साथ ही भारत ने बांग्लादेश को सैन्य सामग्री की आपूर्ति के लिए 50 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त कर्ज देने की घोषणा भी की है

की मात्रा बढ़ाकर 65-70 फीसदी तक पहुंचाई जा सकती है? तीस्ता जल बंटवारा समझौता पश्चिम बंगाल के अधिकरम हितों को ध्यान में रखते हुए होता है तो ममता बंगाल की जनता में यह संदेश देने में सफल होगी कि रक्षा का हित उनकी पहली प्राथमिकता है। जल बंटवारे के अलावा ममता की दिलचस्पी भारत और बांग्लादेश के बीच नई रेल और बस सेवाएं शुरू करने की थी। इसके लिए मोदी और हसीना भी सहमत थे। नतीजतन दोनों देशों एशियाई पड़ोसी देशों के बीच एक बंद पड़ा पुराना रेल मार्ग बहाल कर दिया गया। इस अवसर पर ममता बनर्जी भी मोदी और हसीना के साथ उपस्थित थीं। अब कोलकाता से बांग्लादेश के लिए खुलना शहर के बीच रेल सेवा चलेगी। साथ ही उत्तरी बंगाल के राधिकापुर और बांग्लादेश के बिरल शहर के बीच बंद हो चुके रेल मार्ग को भी खोला गया है। यह रेल सेवा 1965 में भारत पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध के बाद बंद कर दी गई थी। खुलना से होते हुए कोलकाता और ढाका के बीच नई बस सेवा शुरू की गई है।

कालांतर में दक्षिण पूर्व एशियाई देशों से व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा देने के मकसद से बांग्लादेश से भी भारत को मदद मिलेगी। वैश्वे भी मोदी सरकार का मुख्य मकसद व्यापार को बढ़ावा देना है। लेकिन इन जरूरी समस्याओं के निदान के साथ साहित्य और संस्कृति के आदान-प्रदान की भी जरूरत है। क्योंकि एक समय बांग्लादेश भारत का ही भूभाग रहा है। इसलिए दोनों देशों के बीच तमाम सांस्कृतिक समानताएँ हैं। ध्यान रहे सांस्कृतिक समानताएँ सांप्रदायिक सद्भाव की पृष्ठभूमि रचने का काम करती हैं और इसमें साहित्य का प्रमुख योगदान रहता है। बहरहाल, तीस्ता जल बंटवारे का समझौता हो गया होता तो दोनों देशों के बीच शांति और समन्वय के नए आयाम खुलते।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)



# प्राथमिकता से निपटाने होंगे विवादित मुद्दे

रीता सिंह

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की भारत यात्रा से दोनों देशों के रिश्ते मिठास से भर गए हैं। दोनों



देशों ने परमाणु ऊर्जा के उपयोग में सहयोग के साथ 22 अन्य हितकारी समझौतों को अमलीजामा पहनाया है जिससे भविष्य की चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी। लेकिन दोनों देशों के बीच कुछ ऐसे विवादास्पद मसले जस के तस हैं जिन पर अभी तक आम सहमति नहीं बन सकी है और तनाव बना हुआ है। इन विवादास्पद मसलों में तीस्ता नदी जल विवाद सबसे अधिक पेंचोदा है। अगर यह विवाद सुलझ जाता तो निश्चित तौर पर दोनों देशों के तकरीबन 25 करोड़ लोगों का भला होता। चूंकि दोनों देश कुशलतापूर्वक विवादित गंगा नदी के पानी का बंटवारा करने में सफल रहे हैं। ऐसे में सभी को उम्मीद थी कि शेख हसीना की भारत यात्रा से इस विवादित मसले का हल निकलेगा। लेकिन दोनों देशों के बीच इस मसले को सुलझाने का संकल्प भर व्यक्ति का हल गया है।

तीस्ता नदी सिक्किम से निकलकर भारत के पश्चिम बंगाल से बहती हुई बांग्लादेश को जाती है। बांग्लादेश में ब्रह्मपुत्र की सहायक नदी बनने से पहले यह पश्चिम बंगाल और समझौता हो गया होता तो दोनों देशों के बीच शांति और समन्वय के नए आयाम खुलते।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

महत्वपूर्ण है। इसके किनारे पर धान की खेती होती है। दोनों देश सूखे से निपटने के लिए बिना किसी समझौता के ही इस नदी पर बांध बना लिए हैं जिससे तनाव बढ़ा है। भारत ने तीस्ता पर पानी का बहाव नियंत्रित करने के लिए गोजालडोबा बांध निर्मित किया है वहीं बांग्लादेश ने दलिया बांध का निर्माण किया है। भारत चाहता है कि तीस्ता का 52 फीसदी जल उस मिले और शेष 48 फीसदी को बांग्लादेश को। जबकि बांग्लादेश का कहना है कि भारत तीस्ता का 20 फीसदी पानी का प्राकृतिक बहाव उसके लिए छोड़े और उसके बाद बराबर तरीके से बंटवारा करे। भारत को यह मंजूर नहीं है।

गौर करें तो तीस्ता नदी जल बंटवारा विवाद 1950 से बना हुआ है जब बांग्लादेश पूर्वी पाकिस्तान हुआ करता था। हालांकि दोनों देश अस्सी के दशक से तीस्ता और फेनी नदियों के अंतरिम जल बंटवारे को लेकर प्रयासरत हैं। लेकिन राजनीतिक वजहों से इसे निपटाने में सफलता नहीं मिली है। इसके लिए बांग्लादेश की राजनीतिक परिस्थितियां विशेषकर राजनीतिक उठापटक, तख्तापलट और अव्यवस्था ज्यादा जिम्मेदार है। हालांकि बांग्लादेश इस विवाद का समाधान न होने के लिए भारत को भी जिम्मेदार ठहराता है। वह जब तक इस मसले को अंतरराष्ट्रीय मंच से उठाने की धमकी भी देता है। याद होगा बांग्लादेश ने गंगा के पानी के बंटवारे की नदी बनने से पहले यह पश्चिम बंगाल और सिक्किम को बांटती है। यह नदी भारत व बांग्लादेश दोनों देशों की समृद्धि के लिए

तब भारत ने बांग्लादेश को इस जल विवाद को अंतरराष्ट्रीय मुद्दा नहीं बनाने के लिए मना लिया और ढाका एवं दिल्ली में बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच 26 सितंबर 1977 को एक समझौता हुआ जो फरक्का समझौता के नाम से जाना जाता है। बेहतर होगा कि दोनों देश तीस्ता नदी जल विवाद के निपटारे के लिए आपसी सुझबुझ का परिचय दें। तीस्ता नदी जल विवाद के अलावा दोनों देशों के बीच गंगा-ब्रह्मपुत्र नहर बनाने, नवमूर द्वीप विवाद और सीमा पर बाड़ के मसले पर भी मतभेद बरकरार है। हालांकि इन सभी मतभेदों के बावजूद दोनों देशों के बीच प्रगाढ़ता यह मंजूर नहीं है।

गौर करें तो तीस्ता नदी जल बंटवारा विवाद 1950 से बना हुआ है जब बांग्लादेश पूर्वी पाकिस्तान हुआ करता था। हालांकि दोनों देश अस्सी के दशक से तीस्ता और फेनी नदियों के अंतरिम जल बंटवारे को लेकर प्रयासरत हैं। लेकिन राजनीतिक वजहों से इसे निपटाने में सफलता नहीं मिली है। इसके लिए बांग्लादेश की राजनीतिक परिस्थितियां विशेषकर राजनीतिक उठापटक, तख्तापलट और अव्यवस्था ज्यादा जिम्मेदार है। हालांकि बांग्लादेश इस विवाद का समाधान न होने के लिए भारत को भी जिम्मेदार ठहराता है। वह जब तक इस मसले को अंतरराष्ट्रीय मंच से उठाने की धमकी भी देता है। याद होगा बांग्लादेश ने गंगा के पानी के बंटवारे की नदी बनने से पहले यह पश्चिम बंगाल और सिक्किम को बांटती है। यह नदी भारत व बांग्लादेश दोनों देशों की समृद्धि के लिए

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

खरी-खरी

अंतिम संस्कार का टंटा और वसीयत डॉ. दीपा मनीष व्यास

ओ भिया चतुर्वेदी, कहां दौड़े जा रहे हो? वकील के यहां जा रहे हैं मियां, तुमको कछु काम हो तो बोलो। अरे नई, एसेइ पूछ रिये थे। कोनो मुस्लिम में तो नई हो? नहीं तो हम बड़ते हैं। हमें बताओ, सब ठीक कर देंगे। अरे नहीं मियां, सब ठीकइ है। सोचा कि वसीयत में एक लाइन और जुड़वा दू... वसीयत? पंडी जी, सब ठीक तो है न, अबी तो तुमकु खूब जीना है या! और अभी से वसीयत। न-न अभी निकलने नहीं देंगे तुम्हें। कइसी बात कर रियो हो भिया। अरे मियां, कल बेटा परीक्षा देकर आया और हमसे पूछता है कि अंतिम संस्कार जलाकर अच्छा है या दफना कर? हमने कहा बेटा हिंदू संस्कृति में अनिम का महत्व है इसलिए हम तो पंचतत्व को प्रधानता देते हैं। तो वो कहने लगा कि कुछ लोग कह रहे हैं दफनाना श्रेष्ठ है, पर्यावरण अच्छा रहता है। हम बोले- एक देंगे कान के नीचे। मूरख कहीं का, संस्कृति-परंपरा के लिए उल्टी बात कर रहा है, देखो तो। पूरी रात हमें नींद न आई। सपना आया कि हमारी मृत देर रखी है और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पर वैसा वाद-विवाद मचा हुआ जैसा समाचार चैनलों पर रोजइ मचता है। उधर, हम पड़े-पड़े कसमसा रहे हैं। मगर हम तो भरे हुए हैं न, बोले तो कइसे? पड़े हैं सुनसुट्ट। पर्यावरण हमारे ही अंतिम संस्कार पर टिका हुआ लग रहा था।

आपके प्रश्न ने तो भिन्नटी ला दी पंडी जी। ये हो क्या रिया है देस में या! बड़ें-बड़ें मुद्दे पड़े हुवे हैं, पेले उनको निपटाओ नी, ये क्या रोज नया बखड़ेइ सामने आ रिया है। कभी बोलते हैं भगवान है तो कभी बोलते हैं कि पर्यावरण लाओ। कभी कहेंगे इस धर्मग्रंथ में ऐसा लिखा तो उत्तम में ऐसा। भिया अब तो इन ग्रंथों को खोलने में भी डर लगने लगा है। कब, क्या अच्छी कह तो हम बोल दें और पता नहीं का बतंगड़ बन जाए। हाँ, मियां। अब तो समझ नो आ रिया कि क्या करें। अब देखियो सब गऊ माता के पीछे लूटते पड़े। उधर घड़ाघड़ दारू के 'ठेके' बंद हो रिये हैं और इधर भाई लोगो ने धर्म को ही 'ठेके' पर उठा लिया है। और रई-रई कसर बेटे ने अंतिम संस्कार की पूछ के पूरी कर दी। हमें तो लगा कि अब तो निपटे रे। पर पंडी जी, मरने के बाद का चैन लेने देंगे लोग। पता चला कि पर्यावरण, संस्कार के चक्कर में हमारे शव को लखड़ा दें। अब मरा हुआ तो बोलने से रहा, इसलिए अच्छा है खुद ही जीते जी वसीयत में लिख दू कि जलाकर ही ऊपर पहुंचाऊ। पंडी जी, बात तो सई है। चलो, मैं भी लिखवा ही लूँ के सुपुर्दे-खाक ही करान।

ट्वीट-ट्वीट

परंपरागत रूप से अधिक मतदान वाले बड्याम जैसे इलाकों में अगर ऐसी स्थिति है तो फिर कल्पना कीजिए कि दक्षिण कश्मीर में कैसे हालात होते?

अंकुश भारद्वाज@Bhayankur

चुनावों के चलते श्रीनगर में भारी पथरबाजी हो रही है। यह अगले 72 घंटे तक जारी रहेगी और फिर अमानक रुक जाएगी।

मेजर गौरव आर्या@majorgauravarya



हेलमेट डालो। सड़क सुरक्षा हर किसी की प्राथमिकता होनी चाहिए। कृपया हेलमेट के बिना गाड़ी न चलाएं।

सचिन तेंदुलकर@sachin\_rt

बड़ी दिलचस्प दस्तान है। अदन की खाड़ी में समुद्री दरुओं से निपटने में भारत और चीन की नौसेनाओं ने मिलकर अभियान को अंजाम तक पहुंचाया।

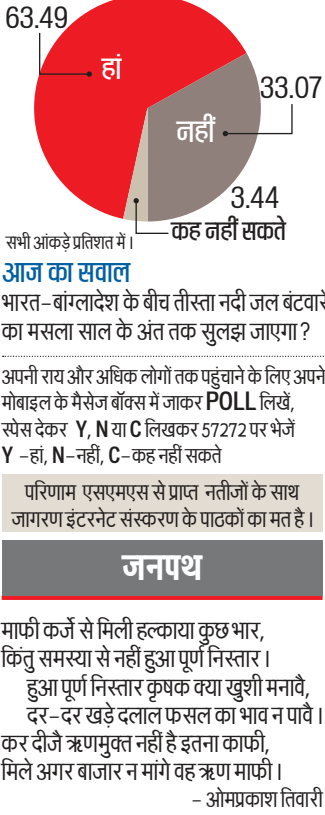
विष्णु सोम@VishnuNDTV

अल्पसंख्यक हितों की बात करने वालों को भारतीय सेव्युलरिस्ट नायक मानते हैं, मगर मैं उन्हें दुश्मन लगती हूं जबकि मैंने अपने देश में अल्पसंख्यकों के लिए आवाज उठाई

तसलीमा नसरीन@taslimanasreen

जागरण जनमत कल का परिणाम

क्या सीरिया पर अमेरिकी हमले ने रूस और अमेरिका में युद्ध के हालात पैदा कर दिए हैं?



सत्याग्रह शताब्दी वर्ष

अफरोज आलम साहिल

देश में 10 अप्रैल यानी आज से चंपारण सत्याग्रह शताब्दी वर्ष का जश्न का आगाज हो चुका है। आज के ही दिन महात्मा गांधी



ने बिहार की धरती पर कदम रखा और चंपारण सत्याग्रह ने तो आजादी की लड़ाई का कलेवर ही बरल दिया। लेकिन आज के दिन गांधी जी के साथ उस शख्स को भी याद किया जाना जरूरी है, जिनकी वजह से गांधी बिहार में टिके और आजादी की लड़ाई में अंजाम दिया। उस शख्स का नाम है बैरिस्टर मौलाना मजहरुल हक। 10 अप्रैल 1917 को गांधी चंपारण के राजकुमार शुक्ल के साथ कलकत्ता से पटना पहुंचे। पटना पहुंचने पर राजकुमार शुक्ल उन्हें डॉ. राजेंद्र प्रसाद के घर ले गए। डॉ. प्रसाद घर पर नहीं थे। इस दौरान गांधी को टॉयलेट जाने की जरूरत महसूस हुई पर डॉ. प्रसाद के नौकरों ने उन्हें घर का टॉयलेट इस्तेमाल नहीं करने दिया।

इस भेदभाव से आहत गांधी जी वापस जाने की सोचने लगे। लेकिन फिर उन्हें याद आया कि पटना के मौलाना मजहरुल हक लंदन में उनके साथ पढ़ते थे। 1915 में कांग्रेस के बंबई अधिवेशन में हुई उनसे मुलाकात की याद भी गांधी को आई। बस फिर क्या था, गांधी जी

# ...तो बिहार से लौट जाते गांधी

अपने अपमान से आहत महात्मा गांधी को बैरिस्टर मौलाना मजहरुल हक पटना में अपने घर न ले जाते तो शायद चंपारण सत्याग्रह को आज हम इस रूप में न याद कर रहे होते

ने फौरन उन्हें सूचना भेजी और मजहरुल हक साहब आए और अपनी गाड़ी में बैठाकर गांधी जी को अपने घर लेकर गए। उन्होंने गांधी को उचित सम्मान दिया और आगे के मकसद पर बातचीत की। चंपारण जाने के रास्तों से उन्हें रू-ब-रू कराया और इस तरह चंपारण सत्याग्रह की शुरुआत हुई। इसके बाद स्वतंत्रता के संघर्ष में जो कुछ हुआ वह इतिहास है। जरा सोचिए अगर मजहरुल हक उस अहम मोड़ पर गांधी जी का साथ न देते तो शायद देश की तकदीर और खुद गांधी की तकदीर कुछ अलग ही होती।

चंपारण के मोतिहारी में गांधी पर जब मुकदमा हुआ तो इसकी खबर मिलते ही मजहरुल हक वहां पहुंच गए। बल्कि गांधी ने एक बैठक भी आयोजित किया, जिसमें यह निर्णय लिया गया कि उनके जेल जाने के बाद मजहरुल हक और ब्रज किशोर प्रसाद आंदोलन का नेतृत्व करेंगे। हालांकि बाद में गांधी के खिलाफ दर्ज मुकदमा वापस ले लिया गया। चंपारण के रैयतों पर ब्रिटिश जुल्म के खिलाफ गांधी ने अपनी जांच-पड़ताल शुरू कर दी। इसमें भी मजहरुल हक ने सक्रिय

भूमिका निभाई और शान-शौकत की ज़िंदगी छोड़कर सीधा-सादा जीवन बिताने लगे। गांधी ने इसका जिक्र अपनी आत्मकथा में कई जगह किया है। कुछ जगहों पर मजहरुल हक को गांधी ने 'जॉटिल बिहारी' के नाम से याद किया है। मजहरुल हक अपने शान-शौकत के लिए मशहूर थे। लेकिन चंपारण सत्याग्रह ने उन पर गहरा प्रभाव डाला और वह पूरी तरह से गांधीवादी हो गए। चंपारण में गांधी की जांच मुकम्मल होने के बाद मजहरुल हक गांधी को जनवरी 1918 में मोतिहारी से छपरा ले गए, जहां गांधी ने मुसलमानों की एक सभा में हिंदू-मुस्लिम एकता को मजबूत करने वाली बातों को रखा। इस सभा में मजहरुल हक ने तकरीर को और सबको सोचने पर मजबूर कर दिया।

चंपारण सत्याग्रह के सूत्रधार और कानपुर से प्रकाशित होने वाले अखबार 'प्रताप' के संवाददाता पीर मुहम्मद मुनिस ने 16 सितंबर 1920 को मौलाना मजहरुल हक से बातचीत की। यह बातचीत प्रताप के 11 अक्टूबर, 1920 के अंक में 'असहयोग और मजहरुल हक' शीर्षक से प्रकाशित हुआ था। इस बातचीत की भूमिका में पीर मुहम्मद मुनिस

लिखते हैं कि महात्मा गांधी के असहयोग कार्यक्रम के संबंध में मुझे पटना जाना पड़ा। तारीख 16 सितंबर को सुबह करीब सात बजे मजहरुल हक के सिकंदर मंजिल में पहुंचा। भीतर दाखिल होने पर मैं अवाक रह गया, क्योंकि इस स्थान को कुछ दिन पहले मैंने देखा था, अब वह स्थान उस शानों-शौकत का नहीं रहा। [जिन जगहों पर विलायती कुर्तियां रहती थीं, वहां पर कालीन बिछाई हुए थे। आराम मुकम्मल होने के बाद मजहरुल हक गांधी को जनवरी 1918 में मोतिहारी से छपरा ले गए, जहां गांधी ने मुसलमानों की एक सभा में हिंदू-मुस्लिम एकता को मजबूत करने वाली बातों को रखा। इस सभा में मजहरुल हक ने तकरीर को और सबको सोचने पर मजबूर कर दिया। चंपारण सत्याग्रह के सूत्रधार और कानपुर से प्रकाशित होने वाले अखबार 'प्रताप' के संवाददाता पीर मुहम्मद मुनिस ने 16 सितंबर 1920 को मौलाना मजहरुल हक से बातचीत की। यह बातचीत प्रताप के 11 अक्टूबर, 1920 के अंक में 'असहयोग और मजहरुल हक' शीर्षक से प्रकाशित हुआ था। इस बातचीत की भूमिका में पीर मुहम्मद मुनिस



जवाब था 'मैं कार्सिल की उम्मीदवारी से हट जाऊंगा, मैं अपने बेटे की स्कूल से हटा लेने के लिए हेडमास्टर को पत्र लिख चुका हूं, मैं बैरिस्टर छोड़ दूंगा, मेरे पास खिताब तो है नहीं, अगर होता तो उसे भी वापस कर देता...'। रबुल सांकृत्यायन अपनी पुस्तक 'मेरे असहयोग के साथी' में मजहरुल हक के बारे में लिखते हैं, 'राष्ट्रियता और देश के लिए इतना जबरदस्त दीवाना बीसवीं शताब्दी में मजहरुल हक के अलावा दूसरा कोई मुसलमान हुआ, इसका मुझे पता नहीं।' उनके बारे में गांधी ने लिखा था, 'वह एक निष्ठान देशभक्त और दार्शनिक थे। बड़ी ऐश और आराम की ज़िंदगी बिताते थे, पर जब असहयोग का अवसर आता तो पुराने किचली की तरह सब आईवरों का त्याग कर दिया। राजकुमारों जैसी ठाठबाट वाली ज़िंदगी को छोड़ अब एक सूनी दरवेश के लिए आप क्या कर रहे हैं?' तो उनका

और करनी में निडर और निष्कपट थे, बेबाक थे। महात्मा गांधी ने मजहरुल हक के लिए ये बातें उनके देहांत पर संवेदना के रूप में 9 जनवरी, 1930 को यांग इंडिया में लिखा था। मौलाना मजहरुल हक आजादी की लड़ाई के एक सर्मापित सेनानी थे। गांधी को हौसला देने से लेकर कदम-कदम पर उनके साथ इस जंग में खड़े रहे। पर इतिहास ने गांधी को तो बखूबी याद रखा, मगर बिहार के मौलाना मजहरुल हक को भूला दिया। उनके वाफिस आज भी उसी पटना में गुप्तनाम ज़िंदगी की रेश हैं, जिस पटना में मजहरुल हक सैकड़ों एकड़ जमीन देश के नाम पर कांग्रेस को कुर्बान कर दिया। पर आज हक जैसे सच्चे स्वतंत्रता सेनानी भूला दिए गए हैं मगर सियासत में सौदेबाजी करने वाले अगली कतारों में खड़े हैं।

(लेखक मौलाना मजहरुल हक के जीवन पर शोध कर रहे हैं)



**बढ़ते कदम** ▶ बस स्कैन कॉपी या ओटीपी के जरिये हो जाएगा काम

# पैन को आधार से जोड़ना हुआ सरल

करदाता ई-फाइलिंग पोर्टल पर जाकर कर सकेंगे ओटीपी के विकल्प का उपयोग

**नई दिल्ली, प्रे्ट** : नाम की अलग-अलग स्पेलिंग की वजह से पैन (पर्सनलेंट एकाउंट नंबर) को आधार नंबर से जोड़ने में आ रही दिक्कत को दूर कर दिया गया है। आपको सिर्फ अपने पैन की स्कैन कॉपी अपलोड करनी होगी। बस इतने से ही यह काम हो जाएगा। आयकर विभाग ने करदाताओं की सुविधा के लिए यह पहल की है।

इसके अलावा आयकर विभाग पैन को आसानी से आधार के साथ जोड़ने के लिए ओटीपी के जरिये सत्यापन का ऑनलाइन विकल्प देने की तैयारी कर रहा है। इसके तहत करदाता ई-फाइलिंग पोर्टल पर जाकर ऐसा कर पाएंगे। इस विकल्प में करदाता को बिना अपना नाम बदले वन टाइम पासवर्ड ( ओटीपी) का विकल्प चुनना होगा। इसके लिए शर्त यही है कि दोनों ही दस्तावेजों में उसकी जन्मतिथि समान

## न्यूज गेलरी

रेलिगेयर ने बेचा अपना स्वास्थ्य बीमा कारोबार

**नई दिल्ली** : रेलिगेयर स्टंटप्राइज ने रेलिगेयर हेल्थ इंश्योरेंस में अपनी पूरी 80 फीसद हिस्सेदारी बेचने की घोषणा की है। वह निजी इक्विटी फंड टू नॉर्थ मैनेजर्स की अगुआई वाले निवेशकों के समूह को यह हिस्सेदारी बेचेगी। यह सौदा करीब 1,040 करोड़ रुपये में होने का अनुमान है। सौदे के मुताबिक रेलिगेयर हेल्थ इंश्योरेंस का मूल्यांकन करीब 1,300 करोड़ रुपये होगा। रेलिगेयर हेल्थ इंश्योरेंस में 5-5 फीसद हिस्सेदारी युनियन बैंक ऑफ इंडिया और कॉर्पोरेशन बैंक के पास है। रेलिगेयर हेल्थ इंश्योरेंस को खरीदने वाले कॉर्पोरेटिव और फरेवर्ग कैपिटल भी शामिल हैं। यह इस सेक्टर का बड़ा सौदा माना जा रहा है।

**30 अप्रैल तक डाटा अधिकारी नियुक्त करें बीमा कंपनियां**

**नई दिल्ली** : बीमा कंपनियों को अनिवार्य रूप से 30 अप्रैल तक एक मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी ( सीआइएसओ ) नियुक्त करना होगा। इसका प्रमुख काम डाटा की सुरक्षा करना होगा। यह बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण यानी इडा के साइबर सुरक्षा के दिशानिर्देशों का हिस्सा है। इसे सीरीज में लागू किया जाएगा। पहला चरण 30 अप्रैल से शुरू होगा। मार्च 2018 तक यह चक्र पूरा हो जाएगा। हालांकि, जिन कंपनियों की मौजूदगी तीन साल से कम है, उन्हें सीआइएसओ को नियुक्त करने की अनिवार्यता से छूट दी गई है।

**2018 तक स्वतंत्र सार्वजनिक ऋण प्रबंधन एजेंसी**

**नई दिल्ली** : वित्त मंत्रालय अगले साल के अंत तक एक पूर्ण स्वतंत्र सार्वजनिक ऋण प्रबंधन एजेंसी स्थापित करने की उम्मीद कर रहा है ताकि सरकार के उधार कार्यक्रम का प्रबंधन किया जा सके जो लाखों करोड़ में चला जाता है। वर्तमान में बाजार उधारी सहित सरकार के ऋण का प्रबंधन रिजर्व बैंक करता है। सार्वजनिक ऋण के प्रबंधन के लिए पूर्ण एजेंसी के तौर पर अंतरिम व्यवस्था को सार्वजनिक ऋण प्रबंधन एजेंसी (पीडीएमए) कहा जाएगा। सरकार ने बीते साल राजधानी स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के ऑफिस में सार्वजनिक ऋण प्रबंधन सेल ( पीडीएमसी ) स्थापित किया था।

**रिकॉर्ड ऊंचे स्तर पर कंपनियों का भरोसा : सीआइआइ**

**नई दिल्ली** : कंपनियां आशावान हैं कि इस साल आर्थिक गतिविधियां रफ्तार पकड़ेंगी। इस भरोसे के कारण सीआइआइ बिजनेस कॉन्फिडेंस सूचकांक ( बीसीआर ) जनवरी-मार्च तिमाही में अब तक के ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। इस दौरान बीसीआइ 64.1 के स्तर पर पहुंचा। इससे पिछली तिमाही में यह 56.5 के स्तर पर था। कुछ तिमाही में नरम रहने के बाद सूचकांक में तेज बढ़त दर्ज की गई है। सूचकांक का बढ़ते दशांता है कि कंपनियों का भरोसा बढ़ रहा है।

**विलिंग की सबसे ज्यादा शिकायत इन कंपनियों में**

**नई दिल्ली** : टेलीकॉम कंपनियों एयरटेल, वोडाफोन और आइडिया की मोबाइल सेवाओं के मामले में अक्टूबर-दिसंबर, 2016 के दौरान उपभोक्ताओं की ओर से बिलिंग की सबसे ज्यादा शिकायतें मिली हैं। दूसरा चार नियामक ट्राई की ताज़ा रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। सुनील मिलाल की अगुआई वाली भारती एयरटेल के खिलाफ सबसे अधिक शिकायतें तमिलनाडु ( चेन्नई सहित ), कोलकाता, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के 2जी प्रीपेड श्रावकों की ओर से आई हैं। इन क्षेत्रों में बेंचमार्क का उच्छ्लेषन 0.11 से 0.12 फीसद के बीच पाया गया है। सेवाओं की गुणवत्ता मानकों के अनुसार, एक तिमाही में प्रति 100 विलों पर शिकायत का स्तर 0.1 फीसद से अधिक नहीं होना चाहिए।

**राष्ट्रीय संस्करण**

सोमवार 10 अप्रैल 2017

**दैनिक जागरण**

**बिजनेस**

www.jagran.com

**देरी का शिकार 826 आवासीय परियोजनाएं**

**नई दिल्ली, प्रे्ट** : देश में कम से कम 826 आवासीय परियोजनाएं तीन से चार साल तक की देरी का शिकार हैं। उद्योग चैंबर एसोसैम की ओर से किए गए अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है। इसके चलते घर खरीदने वालों की ख़ासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बीते साल दिसंबर के अंत तक देशभर में कुल 2,300 हाउसिंग प्रोजेक्ट विकसित किए जा रहे थे। अध्ययन के अनुसार इनमें से 826 आवासीय और 60 कॉमर्शियल परियोजनाओं में ख़ासी देरी हो चुकी है।

आवासीय और 60 कॉमर्शियल परियोजनाओं में ख़ासी देरी हो चुकी है।

## निजी पीएफ ट्रस्टों का हो विशेष ऑडिट

**नई दिल्ली, प्रे्ट** : श्रम मंत्रालय प्राइवेट पीएफ ट्रस्टों का ऑडिट या विशेष जांच करए। संसद की श्रम मामलों की स्थायी समिति ने अपनी रिपोर्ट में यह सिफारिश की है। ऐसा पाया गया है कि ये निजी ट्रस्ट कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति की राशि अपनी कंपनियों में म्यूचुअल फंडों के जरिये निवेश कर रहे हैं।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ ) से रेगुलेट होने वाले निजी ट्रस्ट पीएफ खातों और रिटायरमेंट बचत का रखरखाव करते हैं। इन ट्रस्टों को सरकार की ओर से तय निवेश प्रारूप में इस फंड का निवेश करना होता है। ये ट्रस्ट छूट प्राप्त प्रतिष्ठान कहलाते हैं, क्योंकि वे कर्मियों का अंशदान कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के पास जमा नहीं करते। श्रम पर संसद की स्थायी समिति ने संसद इस रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी से जुड़े इन ट्रस्टों की ओर से अपने ही कारोबार में निवेश अनुचित है। अपने फायदे के लिए इसका इस्तेमाल किया जा रहा है। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि इन निजी पीएफ ट्रस्टों को मिली छूट की निश्चित अवधि के बाद समीक्षा होनी चाहिए। इससे ईपीएफओ को कंपनियों की वास्तविक वित्तीय स्थिति का पता चलेगा। साथ ही कर्मचारियों के हितों को महफूज रखने में मदद मिलेगी।

## केयर्न को 10,247 करोड़ का नया नोटिस

**नई दिल्ली, प्रे्ट** : आयकर विभाग ने ब्रिटेन की केयर्न एनर्जी को 10,247 करोड़ रुपये कर बकाये का भुगतान करने का नया नोटिस जारी किया है। विभाग ने आयकर अपीलीय ट्रिब्यूनल ( आइट्टीआर ) का फैसला आने के कुछ ही हफ्तों के भीतर उठाया है। ट्रिब्यूनल ने अपने आदेश में कहा था कि विभाग कंपनी से पूंजीगत लाभ पर पिछली वारीख से टैक्स की वसूली कर सकता है। केयर्न ने अपने शेयरधारकों को भेजी सूचना में कहा कि आइट्टीआर का फैसला आने के बाद 31 मार्च को संशोधित टैक्स डिमांड का नोटिस मिला है। अलबता, ट्रिब्यूनल ने कहा है कि भुगतान में देरी के लिए ब्याज अब फरवरी, 2016 से ही देय होगा। इस फैसले के खिलाफ अपील की जाएगी। पहले आयकर विभाग ने 10,247 करोड़ रुपये के टैक्स पर दस साल के लिए 18,800 करोड़ रुपये का ब्याज मांगा था। यह टैक्स केयर्न द्वारा केयर्न इंडिया में अपनी हिस्सेदारी बेचने से हुए पूंजीगत लाभ पर बनता है। अपनी पूंजी पर भारी मुनाफा कमाने के बावजूद ब्रिटिश कंपनी ने भारत में टैक्स अदा नहीं किया। केयर्न ने भी अंतगण्ट्रीय आर्बिट्रेशन की कार्यवाही के तहत भारत सरकार से 5.6 अरब डॉलर मुआवजा मांगा है।

## सेल का नहीं होगा निजीकरण

**नईदुनिया, दुर्ग** : सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी स्टील कंपनी सेल का निजीकरण नहीं होगा। देश भर में स्टील प्लांट की आठ प्रोडक्शन यूनिट हैं। इसमें छह लाभ में चल रही हैं। इसमें सेल भी शामिल है। इसलिए निजीकरण का सवाल ही नहीं उठता। ये बातें केंद्रीय इस्पात मंत्री वीरेंद्र सिंह ने यहाँ आयोजित एक प्रेसवार्ता में कही। इस्पात मंत्री ने कहा कि स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड ( सेल ) को पिछले छह महीने से कोई घाटा नहीं हुआ है। स्टील यूनिटों से इस बार 57 प्रतिशत ज्यादा उत्पादनों का निर्यात किया गया है। इसमें सेल का बड़ा योगदान है। मुख्य उत्पाद रेल पटरियां हैं। अकेले रेलवे में ही आठ लाख टन पटरियों की सप्लाई की गई थी। अब 12 लाख टन रेल पटरियों की आपूर्ति करेंगे।

**राष्ट्रीय इस्पात नीति का मसौदा तैयार** : वीरेंद्र ने बताया कि उद्योगों को लेकर राष्ट्रीय इस्पात नीति का मसौदा तैयार हो गया है। यह मसौदा अगले महीने कैबिनेट की बैठक में पेश किया जाएगा। इससे देश की औद्योगिक क्षेत्र को और गति मिलेगी। अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय इस्पात मंत्री भिलाई स्टील प्लांट और अन्य सवालों पर यह कहकरू बचते रहे कि वे संसद प्रवास योजना के अंतर्गत दौरे पर यहां आए हैं।

**6** 'क्रेडाई ने भारत सरकार के सबको आवास उपलब्ध कराने संबंधी लक्ष्य के साथ रियल एस्टेट उद्योग को जोड़ने के लिए पहल की है। मैं इसके लिए रियल एस्टेट क्षेत्र के इस संगठन को बधाई देता हूं। '

— वैंकैया नायडू, आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्री



# केंद्र सरकार ने लांच किए 350 हाउसिंग प्रोजेक्ट

**नई दिल्ली, प्रे्ट** : केंद्र सरकार ने करीब दो लाख से किराफायती आवास बनाने के लिए रविवार को 350 से ज्यादा प्रोजेक्ट लांच किए। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनने वाले इन मकानों की कीमत 15 लाख से 30 लाख रुपये के बीच होगी। इन परियोजनाओं पर निजी क्षेत्र 38,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। केंद्र की किराफायती आवास योजना के तहत कॉर्पोरेट जगत की ओर से यह पहली बड़ी पहल है। यह लांचिंग प्रधानमंत्री कार्यालय ( पीएमओ ) की ओर से प्राइवेट बिल्डरों के साथ हुई बैठक के अगले दिन ही की गई है। पीएमओ ने यह बैठक 2022 तक सबको आवास मुहैया कराने के सरकार के महात्माकांक्षी कार्यक्रम में निजी क्षेत्र की भागीदारी की गह में आने वाली अड़चन को दूर करने के लिए बुलाई गई थी। आवास और शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्री वैंकैय्या नायडू ने गुजरात के गांधीनगर में हुए समारोह में इन आवासीय परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस समारोह का आयोजन रियल एस्टेट डेवलपर्स के संघटन क्रेडाई ने किया था। संगठन के सदस्य इन मकानों को बनाने पर भारी-भरकम निवेश करने जा रहे हैं। प्रत्येक मकान

को बनाने पर औसतन 18 लाख रुपये का खर्च आएगा। सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहरी क्षेत्र में बन रहे इन मकानों को खरीदने वालों को एक लाख से 2.35 लाख रुपये तक की केंद्रीय सहायता मुहैया करएगी। जून, 2015 में लांच होने के बाद से आवास और शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय अब तक देश भर में 17.73 लाख किराफायती मकानों के निर्माण की मंजूरी दे चुका है। इन्हें बनाने में 95,660 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके तहत केंद्रीय सहायता के रूप में 27,879 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराने को हरी झंडी दी जा चुकी है।

कहां बनेंगे कितने मकान	
क्षेत्र	घरों की संख्या
महाराष्ट्र	1,00,000 से ज्यादा
एनसीआर	41,921
गुजरात	28,465
कर्नाटक	7,037
उत्तर प्रदेश	6,055
प. बंगाल	3,000

मांग की जाएगी। अब भी पांच महीने शेष हैं और विभिन्न विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। इनमें पब्लिक ऑफर और एलआइसी को



**भारत में दस नए मॉडल पेश करेगी जेएलआर**

**नई दिल्ली, प्रे्ट** : टाटा मोटर्स की ब्रिटेन स्थित सहयोगी कंपनी जगुआर लैंड रोवर ( जेएलआर ) भारत में इस साल अपने वाहनों के दस नए मॉडल पेश करेगी। कंपनी लैंड रोवर डिस्कवरी और नई वेलेर इस साल के आखिर तक लाएगी। कंपनी यहां अपनी बिक्री बढ़ाने की रणनीति के तहत यह कदम उठाएगी। जेएलआर

इंडिया के एमडी व प्रेसीडेंट रोहित सूरी ने यह जानकारी दी। भारत में अपने कारोबार का विस्तार करने की रणनीति के तहत कंपनी और अधिक मॉडलों की असेंबलिंग करने पर विचार करेगी। खराब बाजार दशाओं के बावजूद पिछले साल ( लक्जरी सेगमेंट में ) ग्रोथ दिखाते वाले केवल दो ब्रांडों में जेएलआर भी शामिल था।

**नए वेतन संशोधन को नवंबर से पहले अंतिम रूप दें सरकारी बैंक**

**नई दिल्ली, प्रे्ट** : वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को नवंबर से नए वेतन संशोधन को लागू करने की खातिर रूपरेखा को अंतिम रूप देने के लिए कहा है। भारतीय स्टेट बैंक ( एस्बीआइ ) के साथ छह बैंकों के विलय के बाद देश में सार्वजनिक क्षेत्र के 21 बैंक रह गए हैं। इन बैंकों में करीब आठ लाख लोग काम करेंगे हैं।

मंत्रालय ने सरकारी बैंकों के सीईओ व एमडी को पत्र भेजा है। इसमें वेतन संशोधन को लागू करने के संबंध में सलाह दी गई है। बैंकों को कहा गया है कि वेतन संशोधन तय समयसिमा में हो जाना चाहिए। मंत्रालय ने इसके लिए एक नवंबर, 2017 तक की सीमा निर्धारित की है। उन्होंने सुझाव दिया था कि सरकारी बैंकों के प्रबंध निदेशकों को कम से कम छह साल के लिए नियुक्त किया जाना चाहिए।















### हैमिल्टन ने पांचवीं बार जीता चाइनीज ग्रां प्रि खिताब

6 मै फीफा रैंकिंग में 101वें स्थान पर रहकर एशियाई कप 2019 के लिए क्वालीफाई करना पसंद करूंगा बजाय इसके कि हमारी रैंकिंग 95 हो जाए और हम क्वालीफाई न कर पाएं ।

– स्टीफन कास्टेनटाइन,भारतीय फुटबॉल कोच



**विश्व लीग राउंड-2** ▶ बेलारूस को 4-0 से हराया, रानी और गुरजीत ने दागे दो-दो गोल

# भारतीय महिला हॉकी टीम फाइनल में

अब फाइनल में चिली से होगा मुकाबला, चिली ने उरुग्वे को 2-1 से दी मात

वेस्ट बैंकवर (कनाडा) प्रे़ट : कप्तान रानी और गुरजीत कौर के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय टीम ने बेलारूस को 4-0 से हराते हुए महिला हॉकी विश्व लीग राउंड-2 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। खिताब के लिए उसका मुकाबला चिली से होगा, जिसने एक अन्य सेमीफाइनल में उरुग्वे को 2-1 से हराया। इस जीत के साथ भारत ने जून-जुलाई में होने वाले महिला हॉकी विश्व लीग के सेमीफाइनल में अपना टिकट पक्का कर लिया है, जो 2018 में होने वाले एफआइएच (इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन) महिला हॉकी विश्व कप का क्वालीफायर होगा।

भारतीय टीम शुरुआत से ही दबाव बनाकर खेल रही थी, हालाँकि बेलारूस ने चौथे और नौवें मिनट में दो पेनाल्टी कॉनर बनाए। इसके बावजूद भारत की मजबूत रक्षापंक्ति ने विपक्षी टीम को शुरुआती बढ़त लेने का मौका नहीं दिया। भारत को पहला पेनाल्टी कॉनर 13वें मिनट में मिला, जिसे गुरजीत कौर ने अपने बेहतरीन शॉट से गोल में तब्दील करने में कोई गलती नहीं



शॉट लगाती भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी।

फाइल फोटो

की। इस तरह भारत को पहले क्वार्टर में 1-0 की बढ़त हासिल हुई। कप्तान रानी ने 20वें मिनट में पेनाल्टी स्ट्रोक को गोल में तब्दील

कर भारत की बढ़त 2-0 कर दी।

दोनों टीमों ने तीसरे क्वार्टर में पेनाल्टी कॉनर हासिल किए, लेकिन वे इसे गोल में

# ला लीगा में बार्सिलोना की सनसनीखेज पराजय

मलागा से 0-2 से हारकर खिताब की दौड़ से हुआ बाहर

मैड्रिड, एफ़फ़ी : बार्सिलोना को स्पेनिश फुटबॉल लीग 'ला लीगा' में मलागा के हाथों 0-2 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही बार्सिलोना की तालिका में शीर्ष पर पहुंचने और खिताब की उम्मीदें भी धराशायी हो गईं। अब बार्सा (69) और शीर्ष पर मौजूद रीयल मैड्रिड (72) के बीच तीन अंकों का अंतर हो गया है, जिसने एक अन्य मुकाबले में एटलेटिको मैड्रिड के साथ एक-एक से ड़ां खेला।

बार्सिलोना को नेमार के बाहर होने का खामियाजा भुगटना पड़ा, जिसके चलते उसे दस खिलाड़ियों से खेलना पड़ा। नेमार को पहली बार रेड कार्ड के चलते बाहर बैठना पड़ा। लियोन मेसी और लुईस सुआरेज जैसे स्टार फुटबॉलर भी बार्सा की हार नहीं टाल सके। मलागा को सैंड्रो रामिरेज ने मंच के 32वें मिनट में गोलकर बढ़त दिला दी। हाफ



मैच के दौरान बार्सिलोना के लियोन मेसी (बायें) और नेमार (दायें) ।

# भारत ने उज्बेकिस्तान को 4-1 से शिकस्त दी

बेंगलुरु, प्रे़ट : भारत क्लीन स्वीप तो नहीं कर सका, लेकिन उसने एशिया-ओसियाना जीन ग्रुप-1 डेविस् कप मुकाबले के तीसरे दिन उज्बेकिस्तान को 4-1 से हराकर अपना दबदबा साबित कर दिया। हालांकि भारत विश्व ग्रुप प्लेऑफ के लिए शनिवार को ही क्वालीफाई कर गया था। उसे विश्व ग्रुप प्लेऑफ मुकाबला अपने घर में सितंबर में खेला है।

रविवार को रामकुमार रामनाथन ने 67 मिनट तक चले पहले रिवर्स सिंगल्स में संजार फायजीव को सीधे सेटों में 6-3, 6-2 से हराते हुए भारत को 4-0 की बढ़त दिला दी थी, लेकिन प्रजनेश गुणेश्वरन को दूसरे रिवर्स सिंगल्स में हार मिली। प्रजनेश गुणेश्वरन को उजबेक खिलाड़ी तैमूर इस्माइलोव ने 7-5, 6-3 से हराया। वह मैच 70 मिनट चला। भारतीय खिलाड़ियों ने पांच में चार मैच जीत लिए।

रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी की जोड़ी ने फारूख दुस्तोव और संजार फायजीव को डबल्स वर्ग के मुकाबले में शनिवार को 6-2, 6-4, 6-1 से मात दी थी। इससे पहले शुक्रवार को रामनाथन के अलावा प्रजनेश ने अपने-अपने सिंगल्स मैच में जीत हासिल की थी और भारत को 2-0 से बढ़त दिलाई थी।

रविवार को रामनाथन की जीत ने भारत को 4-0 से बढ़त दिला दी। फायजीव के खिलाफ जीत के लिए उन्हें अधिक मेहनत नहीं करनी



सर्विस करते रामकुमार रामनाथन।

प्रे़ट

पड़ी। फायजीव के खिलाफ अपना पहला सेट रामनाथन ने 37 मिनट के अंदर जीत लिया था। इसके बाद दूसरे सेट में अच्छी शुरुआत करते हुए उन्होंने मुकाबले में 6-2 से जीत हासिल की।

## बजरंग ने रजत, रितु व दिव्या ने जीता कांसा

अनिल भारद्वाज, गुरुग्राम : भारतीय पहलवानों ने बुल्गारिया में चल रही दान कोलोव एवं निकोला अंतरराष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप में एक रजत सहित तीन पदक जीते। हरियाणा के बजरंग पुनिया (61 किग्रा) ने रजत, जबकि हरियाणा की ही रितु फोगाट (48 किग्रा) और दिल्ली की दिव्या सेन (69 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते।

बजरंग को फाइनल में करीबी मुकाबले में मेजबान देश के नोवाचकोव के हाथों हारकर दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। ग्रेटर नोएडा के दादरी स्थित कालेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन में द्वितीय वर्ष की छात्रा दिव्या ने हंगरी की पूर्व ओलंपिक पदक विजेता पहलवान को पटखनी देकर कांसा जीता। दिव्या मूल रूप से उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले की रहने वाली हैं और दिल्ली के पूर्वी गोकुलपुरी में रहती हैं।

चैंपियनशिप का सोमवार को अंतिम दिन है। अंतरराष्ट्रीय कुश्ती अंपावर अशोक भनवाला ने बताया कि चैंपियनशिप में 23 से ज्यादा देश भाग ले रहे हैं।



## सचिन ने दी हेलमेट पहनने की सीख

महान क्रिकेट खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर ने हैदराबाद में राह चलते हुए बाइक सवारों से हेलमेट पहनने की गुजारिश कर डाली। दरअसल जब बाइक सवार प्रशंसकों ने सचिन की कार के समीप आकर सेल्फी लेने की कोशिश की तो उन्होंने बाइक सवार प्रशंसकों को हेलमेट पहनने की समझाइश दी। इस संबंध में उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह अपनी कार की पिछरी सीट पर बैठे हुए हैं और अपने विरधरिचित अंदाज में एक बाइक सवार दंपती को समझा रहे हैं कि सड़क पर सुरक्षा के लिहाज से हेलमेट पहनना जरूरी है। प्रे़ट

# ओडिशा के भद्रक जिले में कर्फ्यू में चार घंटे की ढील

जासं, भुवनेश्वर (ओडिशा)

सोशल मीडिया में हिन्दू देवी-देवताओं के खिलाफ टिप्पणी को लेकर भद्रक में पैदा हुए तनाव और उसके बाद शुकुवार शाम से लगाए गए कर्फ्यू का असर दिखने लगा है। शहर में शांति बनी हुई है। रविवार को शहर में सुबह चार घंटे के लिए कर्फ्यू में ढील दी गई। इस दौरान घंटे से किसी अग्रिय घटना का समाचार नहीं है। शहर के तमाम संवेदनशील जगहों पर सुरक्षा बल के जवान अपनी पैनी नजर बनाए हुए हैं। इस बीच सीआरपीएफ की एक कंपनी भद्रक पहुंच चुकी है। रविवार सुबह 8 बजे से 11 बजे

# सफेद नमक से काली हुई दाल की होगी जांच

राब्यू, रांची

दाल में काला होना वैसे तो एक कहावत है लेकिन अजब संयोग है कि झारखंड में इस कहावत ने मूर्त रूप ले लिया है। सरकार के स्तर से बीपीएल परिवारों को सप्लाई किए गए नमक से दाल व सब्जियां वास्तव में काली हो गईं। हालांकि, सरकार ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए नमक की सप्लाई तत्काल बंद कर दी है। खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री सरयू राय ने विभागीय सचिव विनय चौबे को लंबा चौड़ा पत्र लिख पूरे मामले की जांच कराने का निर्देश दिया है।

### क्या है मामला

एनीमिया से ग्रसित बच्चों और गर्भवती महिलाओं को सेहत सुधारने की मंशा से केंद्र सरकार के निर्देश पर राज्य में आयरन और आयोडीन युक्त डबल फोर्टिफाइड नमक की आपूर्ति का निर्णय लिया गया था। राज्य के विभिन्न हिस्सों में डबल फोर्टिफाइड नमक की सप्लाई की गई थी। इस नमक में शिकायत दाल के काले होने तो कहीं दाल की सतह पर काली परत जमने की। ये शिकायतें दाल और सब्जी दोनों में डाले गए नमक के संबंध में आईं।

राय ने कहा है कि नमक का प्रभाव अलग-अलग होने से प्रतीत होता है कि जिलों में आपूर्ति किए गए नमक में आयरन के फोर्टिफिकेशन की मात्रा और गुणवत्ता अलग-अलग है। जब डबल

फोर्टिफाइड नमक की आपूर्ति का विचार चल रहा था तब कुछ लोगों ने दाल और सब्जियों के रंग पर इसके प्रभाव के बारे में आशंका जाहिर की थी। उस समय बताया गया था कि इसका गंभीर असर नहीं होगा। उन्होंने आशंका जताई है कि नमक आपूर्ति करने वाली संस्थाएं भी भिन्न हैं। उनके द्वारा फोर्टिफिकेशन की प्रक्रिया करने में भी भिन्नता हो। निविदा प्रक्रिया में इस पर विचार हुआ कि नहीं इसकी जानकारी भी उन्हें नहीं है। विभिन्न जिलों में आपूर्ति किए गए डबल फोर्टिफाइड नमक के नमूनों की जांच कराई जाए ताकि यह पता चल सके कि आपूर्तिकर्ताओं के फोर्टिफिकेशन प्रक्रिया के दौरान किसी खास मानक का पालन किया गया है कि नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि इस संदर्भ में यदि कोई सरकारी रांग गैर सरकारी मानक हो तो इसकी जानकारी से भी उन्हें अवगत करया जाए।



लातेहार जिले के महुमिलान स्टेशन पर पैसंजर ट्रेन के इंजन में लगी आग को बुझाते दमकलकर्मी।

### फिल्म ‘नाम शबाना’ पर पाक में प्रतिबंध

इस्लामाबाद, प्रे़ट : पाकिस्तानी सेंसर बोर्ड ने बॉलीवुड फिल्म ‘नाम शबाना’ के रिलीज होने के अगले ही दिन इस फिल्म पर प्रतिबंध लगा दिया है। पिछले हफ्ते फिल्म बेबी की प्रीक्विल फिल्म ‘नाम शबाना’ को पाकिस्तान में रिलीज कर दिया गया था। लेकिन इस्लामाबाद में एक थियेटर ने इस फिल्म को निर्देशित कट के बीर ही दिखा दिया। इसके बाद पाकिस्तानी सेंसर बोर्ड ने ताप्सी पन्नू की अभिनीत फिल्म ‘नाम शबाना’ पर प्रतिबंध लगा दिया। पाकिस्तानी सेंसर बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि इस फिल्म में दिखाए गए आतंकवाद से जुड़े कुछ दृश्य दिखाए जाने लायक नहीं थे।

## विविध

# बिहार में लाल बत्ती लगी गाड़ी पर फायरिंग, उग्र का अफसर घायल

जागरण संवाददाता, मधौरा (छपरा)

उत्तर प्रदेश के बलिया से अपने रिश्तेदार के यहां छपरा के मधौग आए चुनाव पदाधिकारी शमशेर अली तावड़तोड़ फायरिंग में गंभीर रूप से घायल हो गए। फायरिंग में उनके चालक की मौत हो गई। प्राथमिक जांच में पता चला है कि हमलावर स्थानीय मुखिया पर हमला करना चाहते थे। एक जैसी स्कॉर्पियो और एक जैसी लाल बत्ती लगी होने की वजह से उन्होंने बलिया के अधिकारी पर फायरिंग शूंक दी।

मधौरा थाना क्षेत्र के गौरा ओपी अंतर्गत सलीमापुर गांव के पास रविवार की देर अपराधियों ने अत्याधुनिक हथियारों से लाल बत्ती लगी स्कार्पियो पर तावड़तोड़ फायरिंग

दुस्साहस

वाहन में सवार बलिया के चुनाव पदाधिकारी भी गंभीर रूप से जख्मी

छपरा के सलीमापुर में अपराधियों ने अत्याधुनिक हथियार से बरसाई गोलियां

शमशेर अली मधौरा में अपने रिश्तेदार से मिलने आए थे। रात्रि में वह लाल बत्ती लगी स्कार्पियो से बलिया लौट रहे थे। तभी सलीमापुर के पास अज्ञात अपराधियों ने उनपर हमला बोल दिया और तावड़तोड़ फायरिंग की।

वहीं सलीमापुर पंचायत के मुखिया अरुण सिंह का कहना है कि यह फायरिंग उनकी हत्या करने के लिए की गई थी, लेकिन अनजान झाड़वर को मार डाला। उन्होंने कहा कि उनकी स्कार्पियो पर लालबत्ती लगी है और जिस अधिकारी की गाड़ी (स्कार्पियो) पर हमला किया गया है, उस पर भी लाल बत्ती थी। थोड़ी देर पहले ही वह वहां से लौटे हैं। अपराधियों ने मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन की। बलिया के चुनाव पदाधिकारी

मिनट पर (इंजन नंबर 21338) पैसंजर ट्रेन महुआमिलान स्टेशन पहुंची। तब तक इंजन में आग बुरी तरह फैल चुकी थी और लंबी-लंबी लपटें उठने लगीं। ट्रेन में आग की खबर पर यात्री, ट्रेन से उतरकर अपने को सुरक्षित करने के लिए जान बचाकर डिब्बे से उतरकर भागे। स्टेशन प्रबंधक व ट्रेन चालक की सूचना पर अग्निशमन को बुलाया गया। काफी प्रयास के बाद अग्निशमन कर्मचारी व ग्रामीणों ने धू-धू कर कर जल रहे इंजन की आग बुझाई। सूत्रों की मानें तो शॉर्ट-सर्किट के कारण इंजन में आग लगी। यह भी कयास लगाया जा रहा है कि गर्मी व वर्षण के कारण आग लगी। लगभग छह माह पूर्व चेट्टर रेलवे स्टेशन के नजदीक भी एक इंजन में आग लग गई थी।

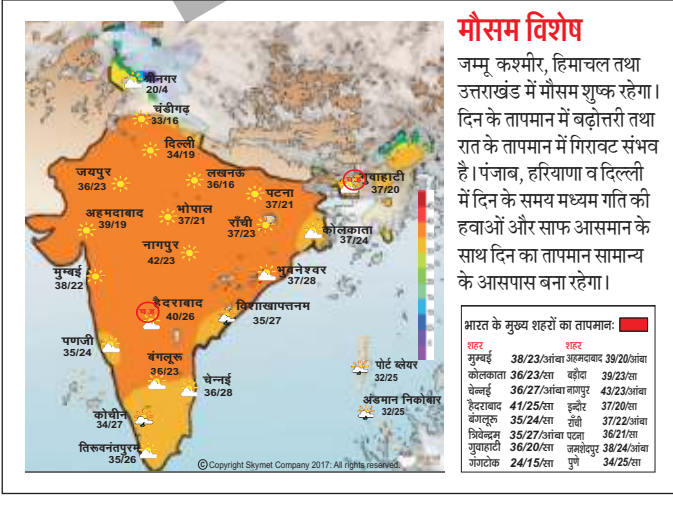
## मांस खाने से अल्लाह भी खुश नहीं होता

जागरण संवाददाता, एटा : दुनियाभर में जानी-मानी दरगाह खानकाहें बरकतिया के सज्जानदाशों सैयद नजीब हैदर नूरी ने मुस्लिम समाज से कहा है कि गो मांस इस्लाम में हयम है। इसे न खाएं। उन्होंने कहा कि अल्लाह भी मांस खाने से खुश नहीं होता। वह तो नमाज, रोजे और जकात चाहता है।

उर्स नूरी के दूसरे दिन तकरीर करते हुए सज्जानदाशों नूरी ने कहा कि आपका पड़ोसी जिसकी पूजा करता है, उसका मांस न खाएं। उत्तर प्रदेश में अवैध बूचड़खाने बंद करने पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने ऐसा कर सही काम किया है। उन्होंने सभी जायरीनों से देश के संविधान पर ध्यान, कानून में बंदीदा रखने और इस्लाम के नियमों पर चलने को कहा। उन्होंने कहा कि आखिर हम इसी वतन की मिट्टी में पैदा हुए हैं, इसी में दफन होंगे। उर्स में दुनिया के कई देशों से मुस्लिम समाज के लोग शामिल हो रहे हैं। दरगाह में मोहम्मद साहब की नौवां पीढ़ी के वंशज नूरी मियां की मजार यहीं स्थित है। बदायूं शरीफ के सज्जानदाशों सालिम मियां कादरी बरकती, कानपुर के मुफ्ती हनीफ, मो. कामरान बरकती सहित दूर-दराज से आए उलेमाएं किरामों ने लोगों को इस्लामियत का पैगाम दिया।

### जायरीनों के लिए सिर्फ शाकाहारी खाना

अवैध बूचड़खानों पर सुबे की नई सरकार के फरमान का असर उर्स नूरी में जायरीनों के लिए खाने पर भी साफ नजर आया। पिछले वर्षों में आमतौर पर उर्स के दौरान जायरीनों के लिए मांसाहारी व्यंजनों की व्यवस्था रहती थी। इस बार दरगाह प्रबंधन ने शाकाहारी भोजन का ही बंदोबस्त किया है।







1955 में आज ही अमेरिकी यूनिवर्सिटी ऑफ पिट्सबर्ग के फिजीशियन जॉनस साल्क द्वारा विकसित किए गए पोलियो के टीके का बड़े स्तर पर फील्ड ट्रायल किया गया। यह परीक्षण वर्जीनिया के फ्रैंकलिन शर्मन एलिमेंट्री स्कूल के चार हजार बच्चों पर हुआ। इसके नतीजे 90 फीसद तक सकारात्मक रहे।

## इधर उधर की

## कूड़ेदान को बना लिया आशियाना

वाशिंगटन, एप्रैसी : जिस कूड़ेदान के पास से गुजरने पर लोग नाक बंद कर लेते हैं, उसी कूड़ेदान को न्यूयॉर्क निवासी शख्स ने पिछले दस महानों से अपना घर बना रखा है। वह भी सोलर पैनल और यूएसबी पोर्ट से लैस। दरअसल डैमियन कर्मिस नाम का शख्स पिछले सात साल से बेघर था। एक दिन उसने बेघर होने का अभिनय कर रहे दो लोगों के साथ अपना ठिकाना और खाना बांटा। उसकी इस दयालुता से प्रभावित होकर उन दोनों लोगों ने 1500 डॉलर का एक लकड़ी का छोटा सा घर कर्मिस के लिए बनाया। यह घर देखने में बिलकुल बड़े से कूड़ेदान जैसा दिखता है। इसमें कूड़ा डालने के लिए आने वाले लोग कर्मिस को देखकर डरकर भाग जाते हैं।

## शोध अनुसंधान

## हृदय रोग का खतरा बताते हैं पके बाल



अगर आपके बाल पक रहे हों तो सावधान हो जाएं। यह हृदय रोग के खतरे की घंटी हो सकती है। शोधकर्ताओं के अनुसार एथेरोसक्लेरोसिस नामक बीमारी जिसमें धमनियां सख्त हो जाती हैं और बाल पकने के बीच आपस में संबंध होता है। इस बीमारी में डीएनए कमजोर या क्षतिग्रस्त होना, संक्रमण व हार्मोन संबंधी बदलाव शामिल हैं। यह निष्कर्ष मिन्न के काइरो विवि में 545 वयस्क पुरुषों पर शोध से निकाला गया। शोध में शामिल सभी लोग हृदय तक रक्त पहुंचाने वाली धमनियों (कोरोनरी आर्टरी) में आए ब्लॉकेज से पीड़ित थे। इनका सीटी स्कैन कराया गया। इसके बाद सभी को अलग-अलग दो ग्रुपों में बांटा गया। इसके बाद देखा गया कि इनके बाल कितने पके हैं? फिर शोध करने वालों ने कार्डियोवैस्कुलर खतरे के पारंपरिक मानकों यथा डायबिटीज, धूम्रपान, बीमारी का पारिवारिक इतिहास आदि पर आंकड़े एकत्र किए। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला कि जिनके बाल ज्यादा पके हुए हैं, उन्हें कोरोनरी आर्टरी बीमारी का खतरा ज्यादा है।

## वायु प्रदूषण से बढ़ता है स्तन कैंसर का खतरा



वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर का बड़ा खतरा सामने आया है। ताजा शोध के मुताबिक, बढ़ा हुआ प्रदूषण महिलाओं में स्तन कैंसर का खतरा बढ़ा देता है। अमेरिका की फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने 2,80,000 महिलाओं से जुड़े आंकड़ों का अध्ययन किया। इस दौरान उनके रहने के स्थान पर प्रदूषण के स्तर के आंकड़े भी जुटाए गए। शोधकर्ताओं ने बताया कि मैमोग्राफ की मदद से महिलाओं के स्तन का घनत्व मापा जाता है। ज्यादा घनत्व स्तन कैंसर की ज्यादा आशंका व्यक्त करता है। शोध में पता चला कि हवा में प्रदूषण कणों की सांद्रता में एक अंक की बढ़ोत्तरी महिलाओं में स्तन के घनत्व को चार फीसद तक बढ़ा देती है। शोधकर्ता लूसीन यागनान ने कहा, 'हमारे शोध से विभिन्न क्षेत्रों में स्तन कैंसर के मामलों में विविधता के पीछे के कारणों को समझने में सहायता मिलेगी।' नतीजों के आधार पर स्तन कैंसर के बचने के तरीकों पर भी नए शोध की उम्मीद है।

## समस्या

जंगलों पर अंधाधुंध चलती आरी और बढ़ती बस्तियों के चलते वन्य प्राणियों की रिहायश छिन गई। भोजन के भी लाले पड़ने लगे। नतीजन वन्य जीव गांव और शहरों की ओर कूच करने लगे हैं। जो भी मिला उसे निवाला बनाना शुरू कर दिया। इसी क्रम में नरभक्षी हो गए।

**संकेत** ▶ 33वें नेशनल स्पेस सिंपोसियम में वायुसेना ने कहा

# ...तो अंतरिक्ष में भी दादागीरी दिखाएगा अमेरिका

## चांद पर बसने वाली भावी इंसानी बस्ती पर वायुसेना की तैनाती की योजना

जागरण रिसर्च डेस्क, नई दिल्ली

सीरिया पर शुक्रवार को 59 टॉमहॉक मिसाइलों दागकर विश्व को चौंकाने वाला अमेरिका अब अंतरिक्ष में भी दादागीरी जमाने की योजना बना रहा है। दरअसल अगले 15-20 वर्षों में चांद पर इंसानी बस्ती बसाने की योजना है। अमेरिका वहां बसने वाले लोगों और अंतरिक्ष की सुरक्षा के लिए वायुसेना की तैनात कर सकता है। यह दावा कोलोरैडो में हुए 33वें नेशनल स्पेस सिंपोसियम में अमेरिकी वायुसेना ने किया है। अभी 150 देशों में अमेरिकी सैनिक तैनात हैं।

**चांद पर इंसानी बस्ती** : रूस और जापान

2030 तक चांद पर इंसानी बस्ती बसाने पर काम कर रहे हैं। नासा भी इस पर काम कर रही है।

<b>3.98 लाख : अमेरिका से बाहर अन्य देशों में तैनात कुल अमेरिकी सैनिक क्षेत्र</b>	
<b>प्रशांतीय देश</b>	<b>99,538</b>
<b>यूरोपीय देश</b>	<b>99,451</b>
<b>एशियाई देश</b>	<b>63,444</b>
<b>एशियाई देश</b>	<b>99,558</b>
<b>उप सहारा अफ्रीका और हिंद महासागर</b>	<b>2,781</b>
<b>अन्य देश</b>	<b>34,199</b>

**सिस्लूनर स्पेस में भी बसेंगे इंसान** : अमेरिका के मुताबिक अगले 20 साल में पृथ्वी और चांद के बीच के अंतरिक्ष क्षेत्र (सिस्लूनर स्पेस) में भी एक हजार इंसान बसेंगे।

**अमेरिका करेगा सुरक्षा** : अमेरिकी वायुसेना के मुताबिक चांद पर इंसानी बस्ती बसाने के बाद वहां व्यवसाय होगा। चांद पर खदानें बनेंगी। अर्थव्यवस्था विकसित होगी।

अंतरिक्ष में अगले 20 साल में बने वाली इंसानी बस्ती में करीब एक हजार लोग बसेंगे। इससे वहां अर्थव्यवस्था विकसित होगी। इसलिए लोगों को सुरक्षा भी चाहिए होगी। वहां पुलिस की जिम्मेदारी निभाने के अमेरिकी वायुसेना से उपयुक्त कोई नहीं होगा। इसलिए हम वहां जाएंगे। पेटागन भी इस पर शोध कर रहा है।

– थॉमस शिलिंग, लेफ्टिनेंट कर्नल, अमेरिकी वायुसेना

इसलिए अमेरिकी वायुसेना अंतरिक्ष में तैनात होकर लोगों को पुलिस जैसी सुरक्षा मुहैया कराएगी।

**स्पेस फोर्स** : अमेरिका में यूएस स्ट्रैटजिक कमांड और रूस में रशियन एरोस्पेस डिफेंस फोर्स हैं। इनका काम अंतरिक्ष में देश के उपग्रहों की सुरक्षा और मिसाइलों से होने वाले हमले पर निगरानी रखना है।

# हबल ने भेजी बृहस्पति की नई तस्वीर

लंदन, प्रेट्र : हबल स्पेस टेलीस्कोप ने बृहस्पति की एक नई तस्वीर पृथ्वी पर भेजी है जिसमें उसका विशाल लाल धब्बा साफ दिखाई देता है। इस धब्बे को खगोल वैज्ञानिक ग्रेट रेड स्पॉट की कहते हैं। दूरबीन द्वारा प्रेषित तस्वीर में ग्रह की भूमध्यरेखा के समानांतर अनेक रंगीन धारियां और उसके चने वायुमंडल की दूसरी विशेषताएं भी स्पष्ट रूप से देखी जा सकती हैं। इस विशाल गैसीले पिंड की पहले भी अनेक तस्वीरें ली जा चुकी हैं लेकिन इस नवीनतम तस्वीर में बृहस्पति की सारी विशेषताएं ज्यादा में होने वाले परिवर्तनों का अध्ययन करते हैं। इस महीने बृहस्पति और दिनों की अपेक्षा पृथ्वी के सबसे नजदीक है और पृथ्वी की तरफ उसके गोलाघं पर सूरज का पूर्ण प्रकाश पड़ रहा है।



यूरोपीय स्पेस एजेंसी के अनुसार, हबल स्पेस टेलीस्कोप ने इस अवसर का भरपूर लाभ उठाया और गत 3 अप्रैल को सौर मंडल के सबसे बड़े ग्रह का एक सुंदर क्लोज अप ले लिया। इसके लिए उसने अपने च्वाइड फील्ड

कैमरा 3 का उपयोग किया। इस कैमरे की मदद से अल्ट्रावायलेट, दृश्य और इंफ्रारेड प्रकाश में पर्यवेक्षण किया जा सकता है। यह ग्रह की सतह के छोटे-छोटे फीचर भी साफ-साफ देख सकता है। ग्रेट रेड स्पॉट बृहस्पति का सबसे आसानी से पहचाने जाने वाला फीचर है। यह दरअसल एक विशाल तूफान है जो उलटी दिशा में चलता है। यह तूफान लगभग 150 वर्षों से उठा हुआ है। तूफान इतना बड़ा है कि वह एक ही बारी में पृथ्वी के आकार के पूरे ग्रह को निगल सकता है। नई तस्वीर से इस बात की पुष्टि होती है कि अब इस तूफान का आकार सिकुड़ रहा है।

ग्रेट रेड स्पॉट के पास एक छोटा तूफान भी देखा जा सकता है जिसे रेड स्पॉट जूनियर कहा जाता है। सात अप्रैल को एक अनाथी खगोलीय घटना जब बृहस्पति आसमान में सूरज के ठीक सामने पहुंच गया और दोनों के बीच पृथ्वी आ गई। इस कतारबंदी के फलस्वरूप बृहस्पति पृथ्वी के सबसे नजदीक पहुंच गया। इसी वजह से बृहस्पति साल के अन्य दिनों की तुलना में रात को ज्यादा चमकदार दिखाई देता है।

## ‘पत्थर’ बनते जा रहे

## बच्चे की हालत में सुधार

बांग्लादेश में नाओगांव के आठ साल के बच्चे मेहदी हसन ने दुनिया तो देखी लेकिन अपना बचपन नहीं जी पा रहा। उसकी उम्र के बच्चे गांव में जब खिलौनों से खेलते हैं तो हसन दूर बैठकर उन्हें उम्मीद भरी नजरों से देखता है, क्योंकि वह खेल नहीं सकता। इसका कारण है कि उसका शरीर पत्थर जैसा बनता जा रहा है। दरअसल वह एपिडर्मॉलिटिक हाइपरकेराटोसिस नामक दुर्लभ चर्म रोग से पीड़ित है। इस बीमारी का इलाज संभव नहीं है। हालांकि डॉक्टरों द्वारा किए जा रहे उपचार से उसकी हालत अब सुधर रही है।



## बचपन से है पीड़ित

हसन की मां जहाआरा बेगम के अनुसार उसे यह बीमारी बचपन से है। लिहाजा बचपन से ही उसे घर के अंदर ही रखा गया, क्योंकि उसे देखकर गांववाले बुरा-भला कहते हैं।

## असहनीय दर्द

हसन की रूखी त्वचा और उसमें पड़े छालों के कारण हाथ या पैर की थोड़ी सी भी हरकत उसे असहनीय दर्द देती है। इस साल 19 फरवरी को उसे ढाका मेडिकल कॉलेज में भी भर्ती कराया गया।

हम हसन का जो इलाज कर रहे हैं, वो कम से कम बार साल चलेगा। उम्मीद है कि इससे उसकी बीमारी सी फीसद खत्म हो जाए।

डॉ राशिद अहमद, चर्म रोग विभाग, ढाका मेडिकल कॉलेज

## हो रहा सुधार

अब हसन की हालत सुधर रही है। उसे रोजाना विटामिन की गोतियां दी जाती हैं। उसकी त्वचा को रूखपन से बचाने के लिए शरीर पर बड़ी मात्रा में मॉयश्चराइजिंग क्रीम भी लगाई जाती है। अब वह कभी-कभी अपने हाथों से भोजन कर पाता है और खिलौनों से खेल पाता है। डॉक्टरों के मुताबिक यह सुधार स्वतः हो रहा है।



## लाइलाज रोग

एपिडर्मॉलिटिक हाइपरकेराटोसिस रोग में त्वचा को नुकसान से बचाने वाले केराटिन फिलामेंट के थक्के बनने लगते हैं। त्वचा का रंग बदलता है और उस पर छाले या फफोले निकल आते हैं। साथ ही त्वचा सामान्य से कई गुना रूखी हो जाती है। इससे अन्य संक्रमण के साथ पानी की कमी भी हो जाती है। मरीज की उम्र के साथ सुधार होता है। यह लाइलाज बीमारी है। इसमें विटामिन ए की गोतियां और मॉयश्चराइजिंग क्रीम और फिजियोथेरेपी से शरीर दुरुस्त रखा जाता है। इस दुर्लभ रोग से निश्च में दो-तीन लाख लोग प्रभावित हैं।

## लाइलाज बीमारी

ढाका मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने उसका परीक्षण किया। इसमें उन्हें उसके दुर्लभ चर्म रोग एपिडर्मॉलिटिक हाइपरकेराटोसिस से पीड़ित होने का पता चला। डॉक्टरों के मुताबिक यह बीमारी लाइलाज है।

## चैरिटी करा रही इलाज

इस साल अंतरराष्ट्रीय मीडिया में नाओगांव के मेहदी हसन के सुखियां बनने के बाद एक चैरिटी उसकी मदद के लिए आगे आई। एपिडर्मॉलिटिक हाइपरकेराटोसिस से पीड़ित मेहदी के माता-पिता की जमापूजी उसके इलाज में खर्च हो चुकी है।



## हौसले की दौड़

स्विट्जरलैंड के पश्चिमी शहर बीयर में 'बॉरजोट रन' यहां की सबसे लोकप्रिय इवेंट है और इसमें हजारों लोग हिस्सा लेते हैं। इस वर्ष साढ़े सात किलोमीटर की दौड़ में डेढ़ हजार से अधिक लोग शामिल हुए। प्रतिभागी तरह-तरह के कॉस्ट्यूम पहनकर कीचड़युक्त पानी, मिट्टी और अन्य अवरोधों को पार करते हुए फीनिश लाइन तक पहुंचते हैं। यह काफी मुश्किल दौड़ मानी जाती है। मटमैले पानी से होकर दौड़ता एक प्रतिभागी।

एफपी

## विज्ञान की दुनिया



प्रारंभिक जीवन में थूल-मिट्टी और बैक्टीरिया से संपर्क प्रतिरोधी क्षमता पैदा करता है। यह जीवाणु कुत्ते के फर या पंजों में हो सकते हैं, लेकिन यह यकीनी तौर पर नहीं कहा जा सकता है कि यह प्रभाव कुत्तों की वजह से या वा पालतू जानवरों को बार-बार स्पर्श करने की वजह से था। ध्यान रहे अध्ययन में शामिल पालतू जानवरों में कुत्तों की संख्या 70 प्रतिशत थी।

# सूघने की शक्ति से परजीवियों से बचाव करते हैं वानर

लंदन, प्रेट्र : आपने प्राइमेट वर्ग के जीवों की श्रेणी में आने वाले बंदरों (वानर) को एक-दूसरे के शरीर से जुएं निकालते अवश्य देखा होगा, लेकिन क्या आपको पता है कि इसके जरिये वे अपने समूह के उन सदस्यों से बचते हैं जो आंतों को खराब करने वाले परजीवियों से संक्रमित हैं। गौरतलब है कि वानर परिवार के सभी जीव प्राइमेट ग्रुप के अंतर्गत आते हैं जिनमें मनुष्य भी शामिल है।

असल में प्राइमेट वर्ग के जीव सूघने की इंद्रिय का प्रयोग कर अपने समूह के उन लोगों को पहचान कर लेते हैं जो आंतों को संक्रमित करने वाले परजीवियों से संक्रमित होते हैं। फ्रेंच नेशनल सेंटर फॉर साइंटिफिक रिसर्च के विज्ञानियों द्वारा मॉड्रिल वानरों पर किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है। शोध में पता चला है कि मॉड्रिल वानरों में एक-दूसरे को साफ-सफाई आंतों के परजीवियों से बचने का एक साधन है। इतना ही नहीं, यह परस्पर साफ-सफाई सामाजिक सामंजस्य में भी प्रमुख भूमिका अदा करती है। सोशल ग्रूमिंग

कहे जाने वाला साफ-सफाई का यह व्यवहार आपसी संघर्ष के बाद उत्पन्न तनावों को शांत करने में भी मदद करता है। शोधकर्ताओं ने परजीवियों से संक्रमित मॉड्रिल वानरों को पकड़ कर उन्हें एंटीपैरासाइटिक दवा की खुराक दी। इलाज के बाद उन्होंने इन वानरों को पुनः उनके समूह के बीच छोड़ दिया। परजीवियों से मुक्त होने के बाद ये वानर आपसी साफ-सफाई करने लगे। अध्ययनकर्ताओं ने यह पता लगाने की कोशिश की कि क्या सूघने की शक्ति से संक्रमित वानरों से बचने में मदद मिलती है।

रासायनिक विश्लेषणों से पता चला कि संक्रमित और स्वस्थ मॉड्रिल वानरों की मलीय गंध में काफी अंतर था। अगले चरण में उन्होंने 16 बंदी वानरों के व्यवहार का अध्ययन किया। उन्होंने वानरों के समक्ष बांस को डंडियां रखीं जिन पर मलीय पदार्थ रगड़ा गया था। बंदी वानरों ने इन बांसों को सूंघा और उन डंडियों को नहीं छुआ जिन पर संक्रमित मल रगड़ा गया था।

## स्क्रीन शॉट

## फरहान और आदित्य में दोस्ती बरकरार

अभिनेता और फिल्म निर्माता फरहान अख्तर और अभिनेता आदित्य रॉय कपूर के बीच मधुर संबंध कायम हैं, इस बात की तस्दीक करते हुए फरहान अख्तर ने अपने साथ आदित्य राय की मुस्कुराती हुई तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की है। उन्होंने ऐसा करके उन लोगों का मुंह बंद कर दिया है, जो यह कह रहे थे कि इन दोनों के बीच झगड़ा हुआ है और संबंध खराब हो चुके हैं। फरहान ने उन खबरों को अफवाह बताया है। ऐसी खबरें आ रही थी कि अभिनेत्री श्रद्धा कपूर से आदित्य की



नजदीकियों को लेकर फरहान नायज हैं और विशेष फिल्म्स की 30वीं वर्षगांठ समारोह के उन्होंने आदित्य से झगड़ा किया। फरहान ने अपने साथ आदित्य का मुसुक्राते हुए फोटो शेयर करते हुए लिखा है, 'आरआईपी... रेस्ट इन पीस... अफवाहें।' ज्ञातव्य है कि श्रद्धा और आदित्य के बीच डेटिंग की खबरें उनकी फिल्म 'आशिर्वात 2' की रिलीज के समय पहली बार आई थीं, जबकि 'रॉक ऑन 2' के बाद श्रद्धा को फरहान के साथ नजदीकियों की खबरें आने लगी थीं।

–प्रेट्र

## अब चुनिंदा फिल्में ही करती हैं रवीना टंडन



अभिनेत्री रवीना टंडन का कहना है कि अब वह अपने करियर के उस स्टेज में पहुंच गई हैं, जहां वह अपने लिए सही फिल्में चुन सकती हैं। उन्हें लाइलाइट में रहने की जरूरत नहीं है, बल्कि मेरे जीवन का हिस्सा हैं। मेरे बच्चे हैं, पति हैं, घर हैं, पैंटस हैं। मेरे पास शोज हैं, विज्ञापन हैं। मैं बहुत कुछ कर रही हूँ। मैं फिल्मों में काम करने को उतावली नहीं हूँ। मैं नहीं चाहती

कि हर शुक्रवार को रिलीज होने वाली फिल्म में मेरा नाम दिखे। राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त अभिनेत्री की फिल्म 'मातृ' जल्द ही रिलीज होने वाली है। उनका कहना है कि वह वही रोल करेंगी, जो उन्हें चुनौतीपूर्ण लगेगा। अश्वर सईद द्वारा निर्देशित 'मातृ' एक मां के उस संघर्ष की कहानी है, जो अपनी बेटी को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष करती है। मोहरा और गुलाम-ए-मुस्तफा जैसी सुपरहिट फिल्मों की नायिका रही रवीना कहती हैं, 'मैंने जो किरदार किया है, उसके दर्द को समझती हूँ। जिंदगी सबसे अच्छी टीचर होती है।' ज्ञातव्य है कि रवीना की यह फिल्म 21 अप्रैल को रिलीज होगी।

–प्रेट्र

## आमिर और रजनीकांत की फिल्मों में होगी टक्कर

सुपरस्टार और फिल्मकार आमिर खान की फिल्म 'सिक्रेट सुपरस्टार' की टक्कर इस दिवाली पर सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म '2.0' के साथ होगी। दरअसल, आमिर खान ने अपनी होम प्रोडक्शन फिल्म की रिलीज डेट को टाल दिया है, अब यह दिवाली पर रिलीज होगी। इस खबर की जानकारी फिल्म आलोचक और फिल्म व्यापार विश्लेषक तरण आदर्श ने ट्वीट करके दी। दिवाली पर ही रजनीकांत और अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म '2.0' भी रिलीज हो रही है। ज्ञातव्य है कि पहले खबरें थी कि आमिर खान अपनी

फिल्म को 4 अगस्त को रिलीज करेंगे, इसी तारीख को संजय दत्त की कमबैक फिल्म 'भूमि' भी रिलीज होगी थी। इस पर संजय दत्त ने कहा था कि आमिर खान उनके अच्छे दोस्त हैं, इसलिए वह आमिर की फिल्म वाले दिन डेट को टाल दिया है, अब यह दिवाली पर रिलीज होगी। इस खबर की जानकारी फिल्म आलोचक और फिल्म व्यापार विश्लेषक तरण आदर्श ने ट्वीट करके दी। दिवाली पर ही रजनीकांत और अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म '2.0' भी रिलीज हो रही है। ज्ञातव्य है कि पहले खबरें थी कि आमिर खान अपनी



## स्वरा आगे भी करेंगी लीक से हटकर किरदार



स्वरा भारकर का आज जन्मदिन है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वह अनाकली और चंदा जैसे ही लीक से हटकर किरदार निभाती रहना चाहती हैं। हाल ही में रिलीज फिल्म 'अनाकली ऑफ आरा' में उन्होंने अनाकली और 'निल बटे सन्नाटा' में 'चंदा' का रोल किया था। हाल ही में 'अनाकली ऑफ आरा' के रोल के लिए स्वरा को समीक्षकों व दर्शकों की सरहना हासिल हुई थी, जिसमें उन्होंने एक देशी ऑर्केस्ट्रा सिंगर की भूमिका निभाई थी। स्वरा को उम्मीद है कि इंस्ट्रूटी में उनके आने वाले साथ अवसरों से भरे होंगे। उन्होंने कहा, 'इस साल मैं काफी उत्साहित हूँ। मैंने दो बिल्कुल अलग तरह के रोल किए। पहला 15 साल के

लड़के की मां का 'निल बटे सन्नाटा' में और दूसरा 'अनाकली ऑफ आरा' में एक गाने वाली का। दोनों को ही लोगों ने पसंद किया। मैं उम्मीद करती हूँ कि मेरा आने वाला साल भी संभावनाओं और अवसरों से भरा होगा। मुझे उम्मीद है कि मुझे अच्छे और अब तक अनुसूने लीक से हटकर किरदार निभाने को मिलेंगे।' 29 साल हो गई स्वरा दिल्ली में अपना जन्मदिन अपनी दादी के साथ मना रही हैं। वह कहती हैं कि उन्हें अपने घर में ही पार्टी करना अच्छा लगता है। उन्होंने कहा, 'मैं सिर्फ अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ ही घर में पार्टी करना पसंद करती हूँ। मेरी जिंदगी में सबसे महत्वपूर्ण मेरी दादी हैं।' –प्रेट्र

# उत्तराखंड में छुट्टा घूम रहे 80 नरभक्षी

केदार दत्त, देहरादून

सावधान! 71 फीसद वन भूभाग वाले उत्तराखंड में 80 नरभक्षी छुट्टा घूम रहे हैं। इनमें 75 गुलदार और पांच बाघ शामिल हैं। यह कहाँ हैं, क्या इनकी मौत हो गई, कहाँ ये रिवेंज किलिंग (बदले की भावना) का निशाना तो नहीं बने, ऐसे तमाम सवाल भले ही वन्यजीव महकमा के लिए पहली बने हों, लेकिन इन आदमखोरों का पता न चलने से आमजन के मन से खोफ के बादल छंटने का नाम नहीं ले रहे। वजह यह कि प्रदेश में प्रायः गुलदार और बाघों के हमलों की घटनाएं सुर्खियां बन रही हैं।

उत्तराखंड में मानव-वन्यजीव संघर्ष चिंताजनक स्थिति में पहुंच गया है। खासकर गुलदारों ने तो नौद ही उड़ाई हुई हैं। वन्यजीवों के हमलों की 80 फीसद से अधिक घटनाएं गुलदारों की हैं। मानव के लिए खतरनाक साबित हो रहे गुलदार और बाघों को वन्यजीव महकमा आदमखोर घोषित अवश्य करता है, लेकिन उसकी पहुंच में ये आधे भी नहीं आ पाते। 2006 से अब तक 148 गुलदार और 11 बाघ आदमखोर घोषित किए गए। इनमें सिर्फ 73 गुलदार और छह बाघ ही मारे अथवा पकड़े जा सके। बाकी आदमखोर पहली बने हुए हैं।

उत्तराखंड के अपर प्रमुख मुख्य वन संरक्षक

## गुलदार



(वन्यजीव) डॉ. धनंजय मोहन के अनुसार किसी भी वन्यजीव के मनुष्य के लिए खतरनाक होने की संभावना के मद्देनजर सभी पहलुओं पर विचार के बाद उसे आदमखोर घोषित किया जाता है। कई बार गुलदार-बाघ के नरभक्षी घोषित होने पर वे नजर नहीं आते या फिर स्थान बदल लेते हैं। कई मर्तवा ऐसे जानवर की मौत भी हो जाती है, लेकिन यह बता पाना कि यह नरभक्षी ही था, बेहद कठिन होता है। नरभक्षी घोषित जिन बाघ-गुलदारों का पता नहीं चल रहा, उनके मामले में भी ऐसा संभव है।

## बाघ

वर्ष	गुलदार	बाघ
2006	01	00
2007	07	00
2008	11	01
2009	21	03
2010	15	01
2011	16	02
2012	15	00
2013	16	00
2014	15	00
2015	15	01
2016	13	03
2017	03	00 (अब तक)